हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,बुधवार | 18 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :212 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

नशामुक्ति के लिए सांसदों को अपने क्षेत्रों में आंदोलन चलाना होगा: लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली: नयी दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से नशामुक्ति के लिए अपने क्षेत्रों में आंदोलन चलाने की अपील करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की समस्या को समाप्त करना ही होगा। बिरला ने सदन में प्रश्नकाल में कहा, ह्यह्यनशामुक्ति के लिए सभी सदस्यों को अपने क्षेत्रों में बड़ा आंदोलन चलाना चाहिए। यह सामाजिक आंदोलन से ही संभव होगा और नशे की समस्या को समाप्त करना ही होगा। उन्होंने यह बात उस समय कही, जब सदस्य तटीय सुरक्षा और अवैध मादक द्रव्यों की तस्करी से संबंधित पूरक प्रश्न पूछ रहे थे।यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है ! पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस सरकार में अवैध मादक पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा में जब्ती इसलिए हो रही है क्योंकि निगरानी भी बढ़ी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से 2024 के बीच मादक पदार्थों की जब्ती बढ़ी है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले 257 किलोग्राम मादक पदार्थ तस्करी किए जाते है।

हमारा लोकतंत्र पाताल तक पहुंचा, देश की जनता ने किया अनेक तानाशाहों का अभिमान चूर-चूर:अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि जो कहते थे कि हम आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाएंगे उनको भी हमारी जनता ने और संविधान की खूबसूरती ने जवाब दिया है। हम दुनिया का पांचवा अर्थतंत्र बनकर सम्मान के साथ हैं। जिन्होंने सालों तक हमपर राज किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली: सरकार ने लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन बिल पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दो विधेयक पेश किए। इनमें संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक शामिल हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने लोकसभा में सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया था। वहीं, राज्यसभा में संविधान पर चर्चा जारी रही। राज्यसभा में संविधान पर चर्चा का गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब दिया। अमित शाह ने कहा कि पास पड़ोस में दुनियाभर में कई लोग आजाद हुए। वहां नई शुरूआत की। लेकिन वहां आकस्मात हुए लोकतंत्र सफल नहीं हुआ। हमारा लोकतंत्र आज पाताल तक गहरा पहुंचा है। अनेक परिवर्तन रक्त की एक बूंद बहाए बगैर हमने किए हैं। विचारधारा के आधार पर भी परिवर्तन किए हैं। अनेक तानाशाहों के घुमान, अभिमान और अहंकार को चूड़ चूड़ करने का काम इस देश की जनता ने किया है। संसद के दोनों सदनों में जो चर्चा हुई, वह देश के युवाओं के लिए शिक्षणात्मक रहेगी...इससे देश के लोगों को यह समझने में भी मदद मिलेगी कि किस पार्टी ने संविधान का सम्मान किया... मैं सरदार पटेल को धन्यवाद देता हूं उनके अथक परिश्रम के कारण देश एक होकर दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा है।अमित शाह ने कहा कि जो कहते थे कि हम आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाएंगे उनको भी हमारी जनता ने और संविधान की खूबसूरती ने जवाब दिया है। हम दुनिया का पांचवा अर्थतंत्र बनकर सम्मान के साथ हैं। जिन्होंने सालों तक हमपर राज किया है। आज ब्रिटेन भी अर्थतंत्र की तालिका में हमारे पीछे खड़ा है।

हर राज्य में लेकर आएंगे, राज्यसभा में खड़े होकर UCC पर अमित शाह ने किया बड़ा ऐलान

आमित शाह ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का जिक्र करते हुए कांग्रेस को घेरा और कहा कि कांग्रेस यह स्पष्ट करे कि एक कानून होना चाहिए या नहीं। इन्होंने मुस्लिम पर्सनल लॉ के साथ हिंदू कोड बिल भी ला दिया। हम तो चाहते हैं कि कानून नए हों। हिंदू कोड बिल में कोई पुराना नियम नहीं है। सामान्य कानून को ही इन्होंने हिंदू कोड बिल का नाम दे दिया। चलो मान लिया कि पर्सनल लॉ होना चाहिए। तो पूरा शरिया लागू करिए। विवाह और तलाक के लिए पर्सनल लॉ, ये तुष्टिकरण की शुरूआत यहीं से हुई है। हमने ही उत्तराखंड में यूसीसी लाने का काम किया हमारी सरकारें अन्य राज्यों में भी यूसीसी लाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने जून 1975 में 21 महीने के लिए आपातकाल लगाया था क्योंकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सत्ता में उनके चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। शाह ने कहा कि आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया था और मीडिया पर भारी सेंसरशिप लगा दी गई थी। उन्होंने एक उदाहरण का हवाला दिया जहां इंडियन एक्सप्रेस ने आपातकाल के विरोध में खाली पन्ने का संपादकीय प्रकाशित किया था।

One Nation One Election Bill लोकसभा में पेश, सपा-कांग्रेस बोली मंजूर नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक का विरोध किया है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने एक साथ चुनाव कराने के लिए लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पेश किये जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह बिल वोट देने के अधिकार पर हमला है. उन्होंने बिल को जेपीसी के पास भेजने की मांग की है। डीएमके नेता टीआर बालू ने सरकार से ओएनओई बिलों को संसदीय समिति के पास भेजने का आग्रह किया। लोकसभा में एक साथ चुनाव कराने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक का उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना सांसद अनिल देसाई ने विरोध किया।

बिल जेपीसी के पास भेजने की मांग

कांग्रेस, टीएमसी और एसपी के बाद अब डीएमके ने भी वन नेशन, वन इलेक्शन बिल का विरोध किया है. डीएमके नेता टीआर बालू ने लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक (एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक) पेश किये जाने का विरोध किया।अखिलेश यादव की ओर से समाजवादी सांसद धर्मेंद्र यादव ने बीजेपी सरकार पर तानाशाही थोपने का आरोप लगाते हुए बिल का विरोध किया. उन्होंने कहा कि यह बिल भारत की विविधता और उसके संघीय ढांचे को खत्म कर देगा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने वन नेशन वन इलेक्शन बिल का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के मूल ढांचे को चुनौती देता है।

पिछले कुछ सालों में यूपी में कितनी सरकारी नौकरियां दी गईं? यहां जानें आंकड़े

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा विभाग में 1.60 लाख और पुलिस में 1.56 लाख समेत विभिन्न विभागों में 7 लाख नौकरियां देने की घोषणा की। उन्होंने भर्ती में आरक्षण अनुपालन और पारदर्शिता पर जोर दिया। पिछली सरकार में 86 में से 56 पद एक ही जाति से भरे गए थे। सपा सरकार में यूपी लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष ऐसा व्यक्ति था जो शिक्षक बनने के लायक भी नहीं था। इससे पहले 701 चयनित वनकर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित कर रही है और भाई-भतीजावाद को खत्म कर रही है। उन्होंने कहा कि साढ़े सात साल में राज्य की अर्थव्यवस्था दोगुनी हो गई है। पिछले साढ़े सात साल में सात लाख से अधिक युवाओं को नौकरी मिली और दो करोड़ रोजगार से जुड़े।

उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में सभी भर्ती पदों में से 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और आगामी पुलिस भर्ती अभियान में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा।

जयपुर पहुंचकर ढट मोदी ने दी करोड़ों की सौगात, भजनलाल के 1 साल को प्रदेश के फैलते प्रकाश और राजस्थान के विकास का बताया उत्सवे

एजेंसी

जयपुर:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जयपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 1 वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने में भजनलाल जी और उनकी पूरी टीम ने बहुत परिश्रम किया है। ये पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों को मजबूत नींव बना है। आज का उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं है, ये राजस्थान के फैलते प्रकाश का भी उत्सव है, राजस्थान के विकास का भी उत्सव है। अभी कुछ दिन पहले ही मैं निवेश शिखर सम्मेलन के लिए राजस्थान आया था। देश और दुनिया भर के बड़े-बड़े निवेशक यहां जुटे थे। आज यहां 45-50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स

का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। ये परियोजना राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थायी समाधान करेंगे।पीएम मोदी ने कहा कि मैं राजस्थान की जनता, राजस्थान की भाजपा सरकार को 1 साल पूरा करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं और इस 1 साल की यात्रा के बाद आप जब आशीर्वाद देने आए हैं। आप इतनी बड़ी तादाद में आशीर्वाद देने आए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि आज मैं आपके आशीर्वाद को प्राप्त कर सका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस कभी आपके जीवन से पानी की मुश्किले कम नहीं करना चाहती थी... कांग्रेस समाधान के बजाय राज्यों के बीच जल विवाद को ही बढ़ावा देती रही। राजस्थान ने इस कूटनीति के कारण बहुत कुछ भुगता है। अभी कुछ दिन पहले ही महाराष्ट्र में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई है और चुनाव नतीजों के हिसाब से देखें तो वहां भी लगातार तीसरी बार बहुमत मिला है। वहां भी पहले से कहीं अधिक सीटें भाजपा को मिली हैं। इससे पहले हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। हरियाणा में भी पहले से ज्यादा बहुमत लोगों ने दिया है। अभी हुए राजस्थान के उपचुनाव में भी हमने देखा है।

बिहार: प्रशांत किशोर की पार्टी को बड़ा झटका, जन सुराज की कोर कमेटी से दो पूर्व सांसदों ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

पटना: बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रशांत किशोर को बड़ा झटका देते हुए पूर्व सांसद देवेंद्र प्रसाद यादव और मुनाजिर हसन ने जन सुराज की 125 सदस्यीय कोर कमेटी से इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, दोनों नेताओं ने किशोर की कार्यशैली को लेकर चिंता जताई है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कोर कमेटी से हट गए हैं, लेकिन अभी पार्टी नहीं छोड़ी है।2 अक्टूबर को राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर ने अपनी राजनीतिक पार्टी जन सुराज पार्टी के

गठन की घोषणा की। यह एक बहुप्रतीक्षित कदम है, जिसके जरिए वे बिहार की राजनीति में तूफान लाने की उम्मीद कर रहे हैं। किशोर ने मधुबनी में जन्मे भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी मनोज भारती को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि भारती अगले साल मार्च तक इस पद पर बने रहेंगे, जब संगठनात्मक चुनाव होंगे किशोर ने बिहार में 3,000 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पूरी करने के दो साल बाद आधिकारिक तौर पर अपनी राजनीतिक पार्टी की शुरूआत की। यह यात्रा चंपारण से शुरू हुई, जहाँ महात्मा गांधी ने देश के पहले सत्याग्रह की शुरूआत की थी, जो राज्य की अविकसितता की दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए नए राजनीतिक विकल्प" के लिए नागरिकों को संगठित करने के प्रयास का हिस्सा था।

भाजपा की एक राष्ट्रएक चुनाव के पीछे की मंशा ह्यएक राष्ट्र कोई चुनाव नहीं : वेणुगोपाल

एजेंसी

नई दिल्ली: बेलगावी(कर्नाटक) । कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था संबंधी दो विधेयकों को लोकसभा में पेश किये जाने को लेकर मंगलवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्यएक राष्ट्र, एक चुनावह्ल के पीछे की स्पष्ट मंशा ह्यएक राष्ट्र, कोई चुनाव नहींह्ल है। उन्होंने ह्यएक राष्ट्र, एक चुनावह्ल को ह्यअव्यावहारिकह्ल करार दिया और

संसद में संबंधित विधेयकों के पारित होने पर संदेह व्यक्त किया।वेणुगोपाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, ह्यह्यएक राष्ट्र, एक चुनाव का अभिप्राय और स्पष्ट मंशा - एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। भाजपा का मुख्य एजेंडा एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। वे बिल्कुल भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं चाहते हैं। पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धीरे-धीरे नष्ट करने के लिए, वे एक राष्ट्र एक चुनाव का यह नया विचार ला रहे हैं।ह्लह्ल कांग्रेस महासचिव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यकर्नाटक की अपनी विशेषता है। केरल की अपनी विशेषता है, इसी तरह मणिपुर और जम्मू कश्मीर की भी अपनी-अपनी विशेषता है।

अमृतसर के इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन के पास विस्फोट से दहशत, गैंगस्टर ने ली जिम्मेदारी, निवासियों ने बताई आपबीती

एजेंसी

मंगलवार: मंगलवार सुबह पंजाब के अमृतसर में इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन के पास जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। विस्फोट सुबह करीब 3 बजे हुआ, जिससे लोग चौंक गए और शांतिपूर्ण रात में खलल पड़ गया। निवासियों ने कहा कि आवाज इतनी तेज थी कि घर हिल गए और कुछ ने कहा कि प्रभाव के कारण दीवारों से पेंटिंग गिर गईं।इस्लामाबाद के पुलिस अधिकारी जसबीर सिंह ने विस्फोट की आवाज सुनने की पुष्टि की, लेकिन स्पष्ट किया कि पुलिस स्टेशन परिसर के अंदर कोई विस्फोट नहीं हुआ। अधिकारी वर्तमान में विस्फोट के स्रोत और विस्फोट के सटीक स्थान की जांच कर रहे हैं। अधिक जानकारी के लिए पूछे जाने पर, स्थानीय पुलिस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिससे घटना को लेकर संदेह और बढ़ गया।गैंगस्टर जीवन फौजी ने कथित तौर पर अपुष्ट स्रोतों के माध्यम से विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, पंजाब पुलिस ने अभी तक घटना की पुष्टि नहीं की है या गैंगस्टर की संलिप्तता पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।शक्तिशाली विस्फोट के बाद क्षेत्र के निवासी अभी भी दर्द में हैं। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज कंपन और शोर के कारण पूरा समुदाय जाग गया। अधिकारियों ने विस्फोट के कारण का पता लगाने और भीड़ द्वारा किए गए दावों की पुष्टि करने के लिए जांच शुरू कर दी है।

संभल में कोई मंदिर नहीं मिला, बीजेपी ने छीन ली शांति,

एजेंसी

नयी दिल्ली: उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख श्याम लाल पाल मंगलवार को यह कहकर विवादों में आ गए कि राज्य के संभल जिले में कोई मंदिर नहीं मिला। पाल का यह विवादास्पद बयान स्थानीय प्रशासन द्वारा संभल में 1978 से बंद पड़े एक मंदिर को फिर से खोलने के कुछ दिनों बाद आया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, दोबारा खुलने के बाद भस्म शंकर मंदिर के पास एक कुएं की खुदाई के दौरान लगभग चार से छह इंच की तीन मूर्तियां मिलीं। विशेष रूप से, स्थानीय लोगों ने दावा किया कि 1978 में सांप्रदायिक दंगों के बाद स्थानीय हिंदू समुदाय के विस्थापन के बाद से मंदिर पर ताला लगा हुआ था।उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख श्याम लाल पाल मंगलवार को यह कहकर विवादों में आ गए कि राज्य के संभल जिले में कोई मंदिर नहीं मिला। पाल का यह विवादास्पद बयान स्थानीय प्रशासन द्वारा संभल में 1978 से बंद पड़े एक मंदिर को फिर से खोलने के कुछ दिनों बाद आया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, दोबारा खुलने के बाद भस्म शंकर मंदिर के पास एक कुएं की खुदाई के दौरान लगभग चार से छह इंच की तीन मूर्तियां मिलीं। विशेष रूप से, स्थानीय लोगों ने दावा किया कि 1978 में सांप्रदायिक दंगों के बाद स्थानीय हिंदू समुदाय के विस्थापन के बाद से मंदिर पर ताला लगा हुआ था।मंदिर में भगवान हनुमान की एक मूर्ति और एक शिवलिंग था। यह 1978 से बंद पड़ा हुआ था। मंदिर के पास एक कुआं भी है जिसे अधिकारियों ने फिर से खोलने की योजना बनाई थी।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे के द्वारा लिखित पुस्तक आरोग्य पथ पर बिहार, जन स्वास्थ्य का मंगल काल के विमोचन कार्यक्रम मे शामिल हुए

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (रा) के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी ने पटना में बिहार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे के द्वारा लिखित पुस्तक आरोग्य पथ पर बिहार, जन स्वास्थ्य का मंगल काल के विमोचन कार्यक्रम मे शामिल हुए।

इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर जी, उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी , विजय कुमार सिन्हा , विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव , विधानपरिषद सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह , भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल , मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी , जदयू के प्रदेश अध्यक्ष डॉ उमेश सिंह कुशवाहा के साथ विमोचन किया। पुस्तक में एनडीए के शासन काल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक परिवर्तनों को समाहित किया गया है।

इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

आरटीपीएस काउंटर का सीओ ने किया निरीक्षण ,दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक अंचल कार्यालय परिसर स्थित आरटीपीएस काउंटर का सीओ सुमंत कुमार ने औचक निरीक्षण किया।इस दौरान संबंधित पदाधिकारी व कर्मियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिया। वहीं सेवा का अधिकार कानून के तहत लोगों को मिलने वाली ससमय सुविधा में लापरवाही देख इन्होंने संबंधित कर्मी को इसमें सुधार लाने के सख्त हिदायत दी।इस दौरान उन्होंने जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र, राशनकार्ड समेत अन्य आवश्यक सेवाओं की पड़ताल कर लोगों को इसे ससमय उपलब्ध कराने के निर्देश दिया साथ ही निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य कर रहे कर्मियों को सुधार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आरटीपीएस कार्यालय में जांच कर रहे सीओ से जानकारी लेने पर बताया गया कि आरटीपीएस कार्यालय में होने वाले सभी कार्य सही तरीके से और ससमय पूरा किया जाए। साथ ही आरटीपीएस कार्यालय के अंदर किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश बिल्कुल ना हो जिस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आरटीपीएस काउंटर पर तैनात कर्मियों को बेहतर कार्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एक देश, एक चुनाव - देशहित में एक ऐतिहासिक और आवश्यक कदम : डॉ दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- एक देश, एक चुनावर लोकतंत्र की मजबूती और राष्ट्रीय विकास के लिए आवश्यक झ डॉ. दिलीप जायसवाल
- एक देश, एक चुनाव प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शी पहल - डॉ दिलीप जायसवाल

प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने "एक देश, एक चुनाव" की अवधारणा को राष्ट्रहित में अत्यंत आवश्यक बताते हुए विस्तार से इसके लाभों और आवश्यकता पर प्रकाश डाला।डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि देश में बार-बार चुनाव होने के कारण विकास की प्रक्रिया बाधित होती है। बार-बार आदर्श आचार संहिता लागू होने से न केवल प्रशासनिक कार्य रुकते हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भी प्रभावित होता है। साथ ही, चुनाव प्रक्रिया में खर्च होने वाले धन और समय का सदुपयोग राष्ट्र निर्माण के कार्यों में किया जा सकता है।

"एक देश, एक चुनाव" के प्रमुख लाभ को गिनाते हुए डॉ जायसवाल ने कहा कि बार-बार चुनाव कराने से सरकार और निर्वाचन आयोग पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। "एक देश, एक चुनाव" से देशभर में चुनाव एक ही समय पर संपन्न होंगे, जिससे समय और पैसे की बचत होगी।

बार-बार चुनाव के कारण सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी होती है। एक ही समय पर चुनाव होने से आचार संहिता बार-बार लागू नहीं होगी और सरकारें बिना किसी रुकावट के विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगी।

चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षा बलों को तैनात किया जाता है, जिससे नियमित प्रशासनिक कार्य बाधित होते हैं। "एक देश, एक चुनाव" से प्रशासनिक कार्यों में स्थिरता आएगी।

बार-बार चुनाव होने से राजनीतिक दलों और नेताओं का ध्यान विकास कार्यों से हटकर चुनावी राजनीति में लगा रहता है। "एक देश, एक चुनाव" से इस राजनीतिक अस्थिरता को समाप्त किया जा सकता है।एक ही समय पर चुनाव होने से जनता को बार-बार मतदान की प्रक्रिया से गुजरना नहीं पड़ेगा, जिससे उनकी भागीदारी में उत्साह और विश्वास बना रहेगा।

डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में "एक देश, एक चुनाव" को साकार करने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। यह एक दूरदर्शी पहल है, जो भारत को एक सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दल अपने मतभेदों को छोड़कर राष्ट्रहित में इस पहल का समर्थन करें।

डॉ. जायसवाल ने सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से अपील की कि वे "एक देश, एक चुनाव" के इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक सुधार नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मशरक में अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से आए हुए ज्योति कलश रथ का हुआ पूजन व स्वागत

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा: मशरक (सारण) शांति कुंज हरिद्वार से आए हुए अखंड ज्योति कलश यात्रा का मशरक में भक्तों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया।यह अखंड ज्योति कलश रथ प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों व विद्यालयों में पहुंचा। इस क्रम में अखंड ज्योति कलश मशरक प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत घोघिया अवस्थित प्रकाश शिक्षा सदन में पहुंचा जहां विधालय के डायरेक्टर संतोष कुमार ओझा के नेतृत्व में सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं सहित विधालय के छात्र छात्राओं ने अखंड ज्योति कलश रथ का पूजन एवं स्वागत किया इस अवसर पर अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से आए प्रतिनिधि बनवारी लाल जी ने सभी लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि यह ज्योति कलश रथ यात्रा 16 अक्टूबर 2024 से निकला हुआ है।जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों में गांव गांव जाकर लोगों को आस्था के प्रति जागरूकता फैला रहा है।इसके माध्यम से सभी मनुष्यों में देवत्व का उदय, धरती पर स्वर्ग का अवतार, सतयुग की वापसी, जन-मानस का आत्मिक परिष्कार कराना है।यह ज्योति कलश रथ यात्रा सितंबर 2026 तक पूरे भारतवर्ष में परिभ्रमण कर जन-मानस में ईश्वर के प्रति आस्था जागृत करने का कार्य करेगा।

प्रशासन गांव की ओर19 से 24 दिसंबर तक

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: केंद्र सरकार 19 से 24 दिसंबर तक चलने वाले सुशासन सप्ताह के दौरान जनता की शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान "प्रशासन गांव की ओर" शुरू कर रही है।19 दिसंबर से 24 दिसंबर 2024 तक जिला,अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा जिसमें आमझ आवाम के शिकायतों का निवारण ऑन द स्पॉट किया जाएगा।इस संबंध में सीतामढ़ी जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही है। 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक पूरे सप्ताह जिला स्तर से लेकर प्रखंड और पंचायत स्तर तक आम लोगों के शिकायतों का निवारण कैंप मोड में होगा।23 दिसंबर को स्थानीय परिचर्चा भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन भी होगा। इन प्रयासों का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक संतुष्टि को बढ़ाना है, और इसके परिणाम स्वरूप, लोगों के लिए अधिक उत्तरदायी, प्रभावी और कुशल शासन प्रणाली को बढ़ावा देना है।

सड़क जाम करना और पुलिस बल से मारपीट और वाहन क्षतिग्रस्त करना पड़ा महंगा, 4 नामजद गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के लखनपुर गोलम्बर पर एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर सड़क दुघर्टना के बाद अवांछनीय तत्वों के द्वारा सड़क जाम करना और पुलिस बल पर हमला करना और वाहन क्षतिग्रस्त करना महंगा पड़ा। मामले में थानाध्यक्ष अजय कुमार ने चार को गिरफ्तार करते हुए 50 अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। गिरफ्तार सभी पानापुर थाना क्षेत्र के बिजौली गांव निवासी अरविंद कुमार, सुनील कुमार, रजनीश कुमार और संतोष बताएं गये। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि विरोध जताने के लिए सड़क पर उतरना महंगा पड़ा सकता है। बात-बात पर सड़क जाम से होने वाली समस्याओं को लेकर पुलिस गंभीर हुई है। जाम, तोड़फोड़ और बवाल करने के हर मामले में सख्ती होगी। सड़क जाम करने वालों के खिलाफ केस दर्ज करके पुलिस कार्रवाई करेगी। थानाध्यक्ष के द्वारा बताया गया कि 37 आरडी नहर पर सड़क दुघर्टना में महिला की मौत के बाद पोस्टमार्टम में भेजने का विरोध करने और बाद में शव को पोस्टमार्टम में भेजने के बाद लखनपुर गोलम्बर पर सड़क जाम कर हंगामा करना शुरू कर दिया गया। वहीं इमरजेंसी 112 वाहन और तैनात अधिकारी मुकेश कुमार को कुछ लोगों ने घेर लिया और गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया,इसकी सूचना मिलते ही मौके पर अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार के नेतृत्व में पहुंची पुलिस बल उपद्रवियों को समझानें बुझाने लगें कि उसी दौरान पुलिस बल से अभद्र व्यवहार किया गया जिसमें पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 को गिरफ्तार कर लिया वहीं अन्य 50 वहां से फरार हो गए।

युद्ध नायकों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा - युवा कांग्रेस

नरेंद्र मोदी व अमित शाह माफी मांगे सैनिकों से - गरीब दास

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 17 दिसम्बर,24पटना के गर्दनीबाग चौराहा पर 1971 के ऐतिहासिक विजय की विरासत पर हमला और हमारे युद्ध नायकों का अपमान बर्दाश्त नहीं करने के मुद्दों को लेकर बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के नेतृत्व में नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया शिव प्रकाश गरीब दास ने कहा नरेंद्र मोदी व अमीत साह कों सैनिकों से माफी मांगना चाहिए मोदी सरकार द्वारा सेना मुख्यालय से पाकिस्तान के आत्मसमर्पण की प्रतिष्ठित तस्वीरों को हटाना हमारे देश के गौरवशाली इतिहास के प्रति उनकी उदासीनता और नकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह केवल तस्वीरों का हटाना नहीं, बल्कि हमारे नायकों की वीरता और बलिदान के प्रति अपमान है। युवा कांग्रेस मांग करती है तस्वीर को पुनः स्थापित किया जाए।

उन्होंने कहा 1971 में शहीद हुए सैनिकों का तस्वीरों हटाना घोर अपमान है। युवा कांग्रेस का एक- एक कार्यकर्ता एकजुट होकर इस अन्याय के खिलाफ अपनी लड़ाई लड़ेंगे यह तस्वीर हटाना मोदी सरकार की ओछी मानसिकता का प्रमाण है। इस मौके पर राहुल पासवान, सूरज कुमार, अमित सिकन्दर, अमित सूदू, विवेक चौबे, प्रिन्स कुमार आदेश सिंह, बंसत कुमार, सरफराज, मो0 ताबीज, चौधरी चरण सिंह, भोला सिंह, सोनू अग्रवाल, समेत दर्जनों युवा कांग्रेस के कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

आरटीपीएस काउंटर का सीओ ने किया निरीक्षण ,दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक अंचल कार्यालय परिसर स्थित आरटीपीएस काउंटर का सीओ सुमंत कुमार ने औचक निरीक्षण किया इस दौरान संबंधित पदाधिकारी व कर्मियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिया। वहीं सेवा का अधिकार कानून के तहत लोगों को मिलने वाली ससमय सुविधा में लापरवाही देख इन्होंने संबंधित कर्मी को इसमें सुधार लाने के सख्त हिदायत दी। इस दौरान उन्होंने जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र, राशनकार्ड समेत अन्य आवश्यक सेवाओं की पड़ताल कर लोगों को इसे ससमय उपलब्ध कराने के निर्देश दिया साथ ही निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य कर रहे कर्मियों को सुधार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आरटीपीएस कार्यालय में जांच कर रहे सीओ से जानकारी लेने पर बताया गया कि आरटीपीएस कार्यालय में होने वाले सभी कार्य सही तरीके से और ससमय पूरा किया जाए। साथ ही आरटीपीएस कार्यालय के अंदर किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश बिल्कुल ना हो जिस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आरटीपीएस काउंटर पर तैनात कर्मियों को बेहतर कार्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आग से जली झोंपड़ी नशेड़ी व शराब कारोबारी के उत्पात से परेशान हैं बाजार के व्यवसायी स्थानीय प्रशासन मौन

बरौनी संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

फुलवड़िया थानाक्षेत्र अंतर्गत बरौनी चौक अजीत पत्रकार पथ में ताड़ी खाना की कई दुकान में रविवार की देर रात आग लगने की सूचना से अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया. अगलगी होने की सूचना स्थानीय लोगों फुलवड़िया थाना पुलिस एवं अग्निशमन विभाग को दिया. घटना की सूचना के बाद तेघड़ा अनुमंडल अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी रविंद्र कुमार व अन्य दमकल कर्मी घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और इस तरह स्थानीय लोगों के प्रयास से बड़ा हादसा टाला जा सका.

घटना के संबंध में अग्निशमन पदाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि रविवार की देर रात लगभग 12 बजकर 57 मिनट पर फुलवड़िया थानाक्षेत्र के ताड़ी खाना में आग लग जाने की सूचना मिली और त्वरित कार्यवाई करते हुए आग पर काबू पाया

मशरक के सोनौली गांव में शाति समिति की बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सोनौली गांव में पंचायत के मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू के आवासीय परिसर में गांव के सभी समुदायों के प्रबुद्ध वर्गों के लोगों की मौजूदगी में शाति समिति की बैठक आयोजित की गयी। शाति समिति की बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने किया वहीं संचालन मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू ने किया। मौके पर महेश्वर सिंह,सरपंच रामबाबू सिंह, हरेश्वर सिंह,दीपक सिंह राजद प्रखंड अध्यक्ष वरूण यादव,जावेद अंसारी,राम प्रवेश राम,ललन खां, पूर्व प्रखंड प्रमुख जितेन्द्र राय, पूर्व बीडीसी रविन्द्र सिंह,भुटेली खां, वजीर खां, शहनवाज खां समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। आपको बता दें कि बीते दिनों पहले गांव में धार्मिक स्थल का गेट तोड़ने की घटना पर डीआईजी, डीएम और एसपी समेत कई अधिकारी और पुलिस बल पहुंची थी। जिसमें एक की गिरफ्तारी भी हुई। प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने बताया कि गांव में आपसी प्रेम और सौहार्द को अवांछनीय तत्वों के द्वारा बिगाड़ने की कोशिश की गयी पर प्रबुद्ध वर्ग के लोगों की सक्रियता और पुलिस बल की मौजूदगी से कुछ नहीं हुआ। इसलिए हम सभी को मिलकर अफवाह की बातों पर ध्यान नहीं देना हैं। मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू ने कहा कि पंचायत के सभी समुदाय के लोग आपस में समन्वय बनाकर रहे। बदले की भावना से काम करने की जरूरत नहीं हैं। सरपंच रामबाबू सिंह ने कहा कि गांव के लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना हैं और सभी आपसी भाईचारा को बनाए रखेंगे। यदि ऐसी कोई भी अफवाह फैलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। बैठक में प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने थानाध्यक्ष मशरक से फोन पर बात की और बताया कि ग्रामीणों की मांग हैं कि घटना की जल्द से जल्द जांच पड़ताल करें और घटना में कोई निर्दोष फसे नहीं और कोई भी दोषी बचें नहीं। थानाध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि आप सभी निश्चित रहें पुलिस अपना काम कर रही है।

जलालपुर थानान्तर्गत वाहन चेकिंग के क्रम में चोरी की मोटरसाईकिल के साथ 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा: दिनांक-16.12.24 को जलालपुर थाना गश्ती टीम के द्वारा वाहन चेकिंग किया जा रहा था। वाहन चेकिंग के क्रम में गश्ती टीम के द्वारा मोटरसाईकिल सवार संदिग्ध व्यक्तियों की जाँच / तलाशी ली जा रही थी। इसी क्रम में 01 मोटरसाईकिल सवार 01 व्यक्ति से गाड़ी के कागजात के संबंध में पूछ-ताछ किया गया। पुछ-ताछके दौरान मोटरसाईकिल सवार व्यक्ति द्वारा कोई कागजात प्रस्तुत किया गया एवं इस संबंध में कोई संतोषजनक जबाव नही दिया गया। जाँच एवं प्राप्त आसूचना से ज्ञात हुआ कि उक्त मोटरसाईकिल चोरी का है। इस संदर्भ में जलालपुर थाना कांड सं0-279/24 दिनांक-16.12.2024 धारा 318(4)/338/336(3)/317(2) बी०एन०एस० दर्ज कर अभियुक्त धुमन कुमार गिरी, पिता-स्वामीनाथ गिरी, साकिन- रूसी गमहरिया, थाना जलालपुर, जिला-सारण को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पताः-1. धुमन कुमार गिरी, पिता स्वामीनाथ गिरी, साकिन- रूसी गमहरिया, थाना जलालपुर, जिला-सारण।जप्त / बरामद सामानों की विवरणी :-1. मोटरसाईकिल-01

> टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी पु०अ०नि० राहुल कुमार थानाध्यक्ष जलालपुर थाना पु०अ०नि० राधा मोहन सिंह एवं थाना के अन्य कर्मी॥

जल्द आयेंगे नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू, दरभंगा एयरपोर्ट के लिए होगी समीक्षा बैठक - डा गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

■ अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार बनेगा दरभंगा एयरपोर्ट, विद्यापति के नाम होगा नामकरण – डा गोपाल जी ठाकुर

दरभंगा :--- 2024 में सरकार गठन के बाद आज मंगलवार को नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू की अध्यक्षता में नागर विमानन मंत्रालय परामर्शदात्री समिति की प्रथम बैठक दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया तथा दरभंगा एयरपोर्ट एवं मिथिला क्षेत्र व बिहार के अन्य प्रस्तावित तथा निमार्णाधीन हवाई अड्डों से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए। बैठक में सांसद ने मंत्री श्री नायडू से दरभंगा शीघ्र आकर 78 एकड़ जमीन में 912 करोड़ की लागत से बन रहे नए टर्मिनल भवन निर्माण तथा दो वर्ष पूर्व स्वीकृत 24 एकड़ जमीन में बनने वाले कैट - 2 सहित अन्य मुद्दों पर समीक्षा बैठक आयोजित करने का आग्रह किया जिस पर मंत्री ने सांसद डा ठाकुर को दरभंगा आने तथा समीक्षा बैठक करने के लिए अपनी सहमति दी। नागर विमानन मंत्रालय के सलाहकार समिति

वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक स्थल बनेंगे दरभंगा के तालाब - डाङ्क गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

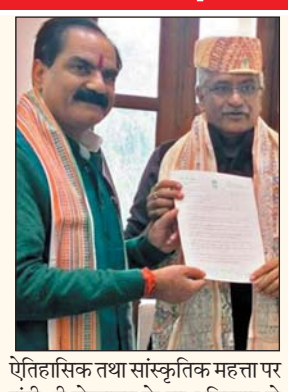

दरभंगा :--- दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने आज केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री आदरणीय श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी से मुलाकात के क्रम में मिथिला की हृदयस्थली दरभंगा शहर में अवस्थित तीन ऐतिहासिक विशाल(पोखर) तालाब हराही-दिग्घी-गंगासागर जो लगभग 700-800 वर्ष पुराना है का सौंदर्यीकरण कर इसे वैश्विक स्तर पर "आइकॉनिक टूरिस्ट डेस्टीनेशन" के रूप में विकसित किए जाने के संदर्भ में आग्रह पत्र देते हुए इन तालाबों की ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्ता पर मंत्री श्री शेखावत के साथ विस्तार से चर्चा की जिसपर मंत्री श्री शेखावत ने सांसद डा ठाकुर को शीघ्र इसकी औपचारिकताएं पूरी कर लेने का आश्वासन दिया।सांसद डा ठाकुर ने इन तालाबों के बारे में विस्तार से मंत्री को बताया कि दरभंगा शहर के बीचों-बीच अवस्थित तीन ऐतिहासिक विशाल तालाब(पोखर) हराही,दिग्घी और गंगासागर है जो लगभग 700-800 वर्ष पुराना है।हराही पोखर को राजा हरिसिंह देव जी ने(1303-1324) में खुदवाया था,दिग्घी पोखर को राजा रामसिंह देव जी ने (1225-1276) में खुदवाया था वहीं गंगासागर पोखर को राजा गंगसिंह देव जी ने(1136-1148) में खुदवाया था। इन ऐतिहासिक पोखर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और खासकर छठ पूजा में सबसे अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ दरभंगा शहर में इन्हीं तीनों पोखर पर रहती है।

की बैठक में सांसद डा ठाकुर ने सर्वप्रथम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी का हृदयतल से अभिनंदन और आभार प्रकट करते हुए कहा कि मिथिला की हृदयस्थली दरभंगा को उड़ान स्कीम अन्तर्गत जोड़ा गया और आज दरभंगा एयरपोर्ट उड़ान स्कीम से देश में संचालित अन्य सभी एयरपोर्ट से यदि तुलनात्मक अध्ययन किया जाय।

पीएचसी नावकोठी में अब बंद लिफाफे में दी जाएगी दवा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पीएचसी नावकोठी में दवा वितरण व्यवस्था में गुणवत्तापरक सुधार किया गया है।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामनरेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में ओपीडी में इलाज कराने आने वाले मरीजों को चिकित्सक द्वारा लिखी दवा को बिना लिफाफे में दी जाती थी।इससे दवा के खोने,गिरने आदि की आशंका बनी रहती थी। अब चिकित्सक द्वारा लिखी हुई दवा को लिफाफा में बंद कर दिया जा रहा है।इससे रोगियों को सुरक्षित एवं सुविधा जनक होने लगी है।इस दौरान लाभार्थी रोगियों ने भी लिफाफे में दवा दिए जाने की सराहना की।

अगलगी की घटना में लगभग 15 घर जल कर हुआ राख, 5 से 7 लाख की संपत्ति का हुआ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के बिथान प्रखंड क्षेत्र के सलहा बुजुर्ग पंचायत के वार्ड 10 सलहा गांव में सोमवार की देर रात्री आग लगने से लगभग 15 घर जलकर राख हो गया। अगलगी की घटना में लगभग 5 से 7 लाख की संपत्ति जल कर राख हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस बाबत जानकारी के अनुसार सोमवार की देरात्री सलहा गांव में अलाव जलाने के दौरान अलाव से ऊरी चिंगारी से गांव के रामसेवक यादव के पुत्र ब्रह्मदेव यादव घर में अचानक आग लग गई।देखते ही देखते आग ने सोहित यादव, रंजीत यादव, साजन यादव, जयविंन्द यादव, पंकज यादव, अरूण यादव, विशुनदेव यादव, बड़ेलाल यादव, धनिक लाल यादव, वीरेन यादव, शम्भु यादव, गोविंद यादव, शिवशंकर यादव, धनिक लाल यादव समेत 15 लोगों का घर जलकर राख हो गया। आग देखकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने संसाधनों से आग बुझाने में जुट गये। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया जाता, तबतक सभी घर और उसमें रखे अनाज, जमीन के कागजात, कपड़े, जेवर दैनिक उपयोग करने वाले सहित अन्य महत्वपूर्ण सामान जलकर खाक हो गये।

स्कॉर्पियो ने साइकिल सवार को ठोकर मारते हुए पेड़ से टकराई तीन गंभीर जख्मी, एक को हल्की-फुलकी चोट लगी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने साइकिल सवार को ठोकर मारते हुए पेड़ से टकरा गई, इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गये वही एक को हल्की-फुलकी चोट लगी है।इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य सड़क के गोपालपुर पॉल टोला में समस्तीपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार की एक स्कॉर्पियो ने स्थानीय गांव के ही साइकिल पर ले जा रहे हैं रासायनिक उर्वरक सवार को ठोकर मारते हुए पेड़ में टकरा गई, जिससे साइकिल सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गये। स्कॉर्पियो पर सवार कल्याणपुर गांव के दो गंभीर रूप से जख्मी हो गये। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि स्कॉर्पियो समस्तीपुर की ओर से आ रही थी, वैसे कुछ लोगों का कहना है कि स्कॉर्पियो कल्याणपुर की ओर से आ रही थी।स्कॉर्पियो व साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई।जानकारी मिलने पर काफी संख्या में स्थानीय लोग जुटे साइकिल सवार को इलाज के लिए समस्तीपुर भेजा गया। घायल की पहचान बिरसिंहपुर गांव के वार्ड संख्या 05 निवासी स्व बटेरी पंडित का 70 वर्षीय पुत्र नंदन पंडित के रूप में की गई है।सदर अस्पताल के चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। इधर ग्रामीणों ने बताया कि घायल वृद्ध का समस्तीपुर के निजी क्लीनिक में उपचार चल रहा है। वहीं दूसरी ओर स्कॉर्पियो पर सवार कल्याणपुर गांव के 35 वर्षीय मनीष राम दूसरे गांव के ही 32 वर्षीय कुंदन कुमार उर्फ गुड्डू तीसरे को हल्की-फुलकी चोट लगी है। जिसका निजी क्लीनिक रामपुरा में दोनों गंभीर जख्मी का इलाज कराया गया जहां चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए दरभंगा रेफर किया। पुलिस क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त साइकिल को कब्जे में लेकर पुलिस ने बाधित रास्ते को चालू कराया। इस घटना को लेकर काफी संख्या में घटनास्थल पर लोग जुट गये थे, जिसको लेकर दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लगी रही लगभग आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा। इधर थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही थाने से पुलिस पदाधिकारी हरेंद्र तिवारी लालू प्रसाद मल्लाह सहित बल को भेजा गया तथा अग्रसर कार्रवाई की जा रही है।

बीएलओ को अभिलेख संधारित करने का दिया गया निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय)' प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत 147 अनुसूचित जाति विधानसभा बखरी एवं 141 विधानसभा चेरिया बरियारपुर के बीएलओ की बैठक प्रखंड स्थित विमर्श कक्ष में मंगलवार को की गई।अध्यक्षता सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ चिरंजीव पांडेय ने की।इस दौरान वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने,हटाने,सुधार करने को लेकर दावा आपत्ति प्राप्त किया गया।वहीं अभिलेख संधारित करने की बात कही गई।ससमय वोटर लिस्ट तैयार हो जाए इसके लिए सभी कागजात दुरुस्त करने के लिए बीएलओ को सख्त निर्देश दिया गया।मौके पर विभाकर कुमार, ललन पासवान,रविंद्र कुमार,गौतम कुमार, साकेत कुमार,शैलेश कुमार सुधाकर,राहुल कुमार,कन्हैया कुमार, धर्मशील कुमार आदि मौजूद थे।

अयोध्या कैंट स्टेशन के यार्ड रिमॉडलिंग के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अयोध्या कैंट स्टेशन के यार्ड रिमॉडलिंग के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है जिनमें समस्तीपुर मंडल के क्षेत्राधिकार से खुलने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है :- जिन ट्रेनों को रद्द किया गया उनमें गाड़ी संख्या 04652 अमृतसर - जयनगर हमसफर स्पेशल - 18.12.24 से 05.01.2025 तक, गाड़ी संख्या 04651 जयनगर - अमृतसर हमसफर स्पेशल - 20.12.24 से 07.01.2025 तक, गाड़ी संख्या 09465 अहमदाबाद - दरभंगा क्लोन स्पेशल - 20.12.24 से 03.01.2025 तक, गाड़ी संख्या 09466 दरभंगा - अहमदाबाद क्लोन स्पेशल - 23.12.24 से 06.01.2025 तक।
बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर के रास्ते चलायी जाने वाली ट्रेनें :- दिनांक 18.12.24 से 06.01.25 तक अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी संख्या 14650 अमृतसर-जयनगर सरयू जमुना एक्सप्रेस, दिनांक 19.12.24 से 06.01.25 तक।

पीएचसी नावकोठी में एनसीडी एवं ड्यू लिस्ट सर्वे को लेकर बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पीएचसी नावकोठी में एएनएम की बैठक की गई।अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामनरेश शर्मा ने की।इस दौरान एनसीडी की समीक्षा की गई।पूर्ण टीकाकरण अभियान का 95% लक्ष्य हासिल करने से संबंधित सभी एएनएम को दिशा निर्देश दिया गया।नया सर्वे रजिस्टर शीघ्र अद्यतन करते हुए छूटे हुए गर्भवती एवं 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिरक्षित सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत छूटे हुए सभी बच्चियों का सर्वेक्षण कर रिपोर्ट सौपने,प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित योजना अन्तर्गत होने वाले चार जांच सुनिश्चित करने,ड्यू लिस्ट सर्वे अद्यतन करने,टेली मेडिसिन,गैर संचारी रोग, डायबिटीज, बीपी, कैंसर, टीबी,कुष्ट,फाइलेरिया, एनीमिया मुक्त भारत आदि की समीक्षा की गई।इस दौरान स्वास्थ्य प्रबंधक आनंद ईश्वर, बीसीएम उषा कुमारी, बीएमसी गोपाल शर्मा,बी एम ई ए संदीप कुमार, काउंसलर राजकुमार सिंहा, अकाउंटेंट राजीव कुमार,एएनएम मंचन कुमारी,प्रियंका कुमारी, आरती कुमारी,दीपा कुमारी,सुमन रानी,बेबी कुमारी आदि मौजूद थे।

मारपीट की घटना में 11 जखमी, एक रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर पंचायत अंतर्गत छेड़बखरी गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में 11 लोग जख्मी हो गये।जिसे परिजनों के सहयोग से जख्मी को सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जख्मी की पहचान गांव के ही 55 वर्षीय जहांगीर, 35 वर्षीय कुर्बान, 60 वर्षीय सहजय, 45 वर्षीय मुमताज अंसारी, 18 वर्षीय तजीव, समीम अहमद, 45 वर्षीय सोहराब, 34 वर्षीय मुस्लिम अंसारी, 31 वर्षीय गुलेल मोहम्मद, 19 वर्षीय अरशद अली व एहसान का इलाज प्राथमिक इलाज सामुदायिक अस्पताल में किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हैदर ने बताया कि बेहतर इलाज के लिए समी अहमद को समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

तीन कार्टून विदेशी शराब बरामद, एक कारोबारी गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना की पुलिस ने एक कारोबारी को अंग्रेजी शराब के साथ किया गिरफ्तार। बताया जाता है कि कल्याणपुर थाना अंतर्गत तीरा पंचायत के जटमलपुर गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर उत्तम सहनी को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि जटमलपुर गांव के एक मुर्गी फार्म के पश्चिम तरफ स्थित सरसों के खेत से 180 एमएल का तीन पेटी टेट्रा अंग्रेजी शराब पैक कुल 136 पीस कुल मात्रा 24.480 लीटर के साथ उत्तम सहनी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

10 लीटर देशी शराब के साथ शराब कारोबारी गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले वारिसनगर प्रखंड के तहत मथुरापुर थाना की पुलिस ने 10 लीटर शराब के साथ एक कारोबारी अर्जुन सहनी को गिफ्तार किया। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि दरोगा रामशंकर सिंह मथुरापुर घाट स्थित अकबरपुर बांध पर 10 लीटर देशी शराब के साथ अर्जुन सहनी को गिरफ्तार किया।पकड़े गये कारोबारी की पहचान मथुरापुर अकबरपुर निवासी अर्जुन सहनी के रूप में की गई है। बतादे कि इससे पूर्व शराब मामले में तीन केस दर्ज हो चुकी है। इधर थाना अध्यक्ष ने कागजी प्रक्रिया के बाद मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जदयू नेता बब्बन चौधरी की माता का निधन, जदयू परिवार ने जताया शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जदयू नेता सह नगर निगम समस्तीपुर के वार्ड नंबर 46 के प्रतिनिधि बब्बन चौधरी की माता अनीता देवी का 70 वर्ष की आयु में आज सुबह 6 बजे उनके लगुनियां स्थित आवास पर बिमारी के कारण निधन हो गया। उनके निधन की खबर आम होते ही जदयू परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। इधर जिला अध्यक्ष सह बीस सुत्री उपाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने कहा कि उनके निधन से पूरा जिला जदयू परिवार शोकाकुल है और दुःख की इस घड़ी में मृत आत्मा की शांति के लिए तथा परिवार के सदस्यों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना किया है। शोक व्यक्त करने वालो में डॉक्टर दुर्गेश राय के अलावा जिला सचिव संतोष कुमार साह, अब्दुस समद खां, वारिसनगर के पूर्व उप प्रमुख शिव शंकर महतो, डॉ अमित कुमार मुन्ना समेत दर्जनों लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

नरहन स्टेट में चोरों का आंतक, रात्रि कर ली सोलर प्लेट की चोरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर प्रखंड के नरहन स्टेट में मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत विगत दो महीने पहले वार्ड संख्या 08 में लगाया गया था। जिसमें एक ही वार्ड में प्रहलाद राम और नरहन स्टेट के पूर्व मुखिया स्व विनोद कुमार राय के डेरा के सामने सोलर प्लेट को चोरों ने खोलकर चोरी कर लिया। इसकी सूचना स्थानीय वार्ड सदस्य, वार्ड पंच प्रतिनिधि अनिल कुमार के द्वारा विभूतिपुर थाने को दिया गया। इधर थाना अध्यक्ष आनंद कश्यप ने आवेदन के आधार पर अपने स्तर से जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

फरार आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी अभियान शुरू

बरौनी संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बरौनी. एसपी बेगूसराय के निर्देश पर अपराध नियंत्रण को लेकर दिये गये दिशा निर्देश के अनुसार फुलवड़िया थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों के फरार आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है. इसी क्रम में फुलवड़िया थानाध्यक्ष दिवाकर कुमार सिंह के नेतृत्व में एसआइ उपेंद्र कुमार सिंह, कुमार अजीत सिंह, गौतम कुमार एवं अन्य पुलिस बल की उपस्थिति में थानाक्षेत्र के फुलवड़िया दो पोखर मोहल्ला निवासी मो मुन्ना के पुत्र मो सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया. जबकि रविवार को दूसरी कार्रवाई में संगीन मामलों के फरार लगभग सात आरोपी अभियुक्त के घर पर न्यायालय के आदेश पर ढोल बजाकर नियमानुसार इश्तेहार चिपकाया गया.

दामोदरपुर निवासी विक्रांत को मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी करने के आरोपित युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

भगवानपुर (बेगूसराय)थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव से मारपीट मामले में एक आरोपित युवक को अपर थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह सहित पुलिस बल ने किया गिरफ्तार। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि दामोदरपुर निवासी स्व0 दिनेश चौधरी के पुत्र सोनू कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मारपीट मामले को लेकर सोनू कुमार के विरुद्ध दामोदरपुर निवासी अनिल कुमार चौधरी के पुत्र विक्रांत ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया था।

योगी बोले: संभल में 1947 से अबतक 209 हिंदुओं की हत्या

किसी ने 2 शब्द नहीं कहे, हाल में मारे गए लोगों पर आंसू बहा रहे

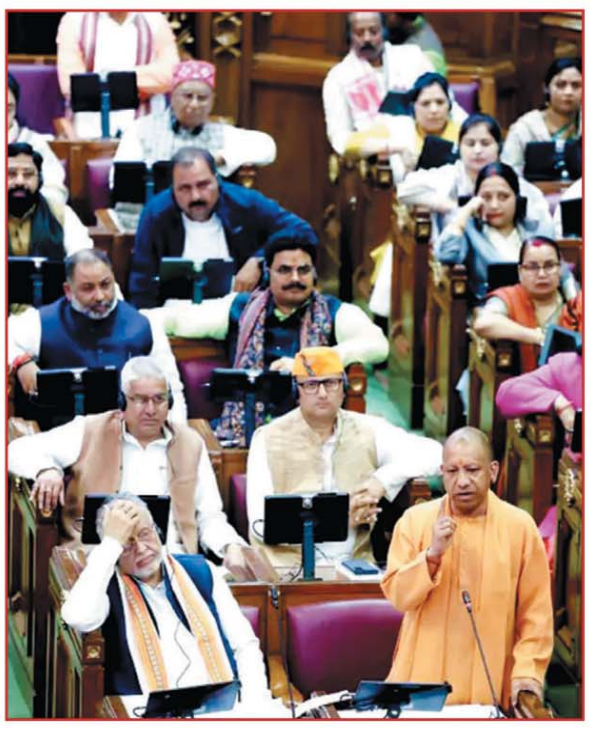

लखनऊ। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- संभल में 1947 से अब तक हुए दंगों में 209 हिंदू मारे गए हैं। किसी ने एक बार भी उन निर्दोष लोगों के लिए संवेदना व्यक्त नहीं की। ये लोग हाल ही में हुए संभल दंगे पर आंसू बहा रहे हैं। ये लोग सौहार्द की बात कर करते हैं। शर्म आनी चाहिए। संभल में बजरंग बली का जो मंदिर आज निकल रहा है, 1978 से उसको इन लोगों ने खुलने नहीं दिया। 22 कुएं किसने बंद किए थे? इन लोगों ने तनावपूर्ण माहौल बनाया। पत्थरबाजी की होगी, माहौल खराब किया होगा। उसमें से एक भी बचने वाला नहीं। किसी निर्दोष पर कार्रवाई नहीं होगी, लेकिन पत्थरबाज और कट्टा चलाने वाले नहीं बचेंगे। भारत में राम-कृष्ण, बुद्ध की परंपरा रहेगी, बाबर और औरगंजेब की नहीं। अब हम न बंटेंगे और न कटेंगे। योगी ने अब तक प्रदेश में हुए एक-एक दंगे और उनमें मारे गए लोगों को भी गिनाया। बहराइच दंगे में मारे गए रामगोपाल मिश्रा का जिक्र किया। योगी ने एनसीआरबी डेटा के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया- 2017 से लेकर अब तक प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक की कमी आई है। 2017 से अब तक यूपी में दंगे नहीं हुए। 2012 से 2017 (सपा कार्यकाल) तक प्रदेश में 815 सांप्रदायिक दंगे और 192 लोगों की मौत हुई थी। 2007 से 2011 के बीच 616 सांप्रदायिक घटनाएं हुईं, इसमें 121 लोगों की मौत हुई। संभल में माहौल खराब किया गया। 1947 से लगातार दंगे हुए। 1947 में एक मौत और 1948 में 6 लोग मारे गए। 1958-1962 में दंगा, 1976 में 5 लोगों की मौत हुई। 1978 में 184 हिंदुओं को सामूहिक रूप से जला दिया गया। लगातार कई महीनों तक कर्फ्यू लगा। 1980-1982 में दंगा और एक-एक की मौत हुई। 1986 में 4 लोग मारे गए। 1990-1992 में 5, 1996 में दो की मौत हुई। लगातार यह सिलसिला चलता रहा। सीएम ने नेता प्रतिपक्ष से कहा- बाबरनामा पढ़ना चाहिए। इसमें भी कहा गया है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया गया। पुराण भी कहता है कि श्रीहरि विष्णु का 10वां अवतार संभल में होगा। न्यायालय के निर्देश पर डीएम और एसपी शांतिपूर्ण तरीके से सर्वे को संपन्न कराते हैं। 19, 21 और 24 नवंबर को सर्वे कार्य चल रहा था। इस दौरान पहले 2 दिन शांतिभंग नहीं हुई। 23 नवंबर को जुमे की नमाज के दौरान जिस प्रकार की तकरीरें दी गईं, उसके बाद माहौल खराब हुआ। उसके बाद की स्थितियां सबके सामने हैं। हमारी सरकार ने पहले ही कहा है कि हम ज्यूडिशियल एक्ट बनाएंगे, जो एक्ट के अंदर बना है। सदन में उसकी रिपोर्ट आएगी, तब दूध का दूध और पानी का पानी होगा। सीएम ने कहा- 1947 से अब तक संभल में 209 हिंदुओं की हत्या हुई। एक बार भी निर्दोष हिंदुओं के लिए दो शब्द नहीं कहे गए। घड़ियाली आंसू बहाने वाले लोगों ने निर्दोष हिंदुओं के बारे में दो शब्द नहीं कहे। 1978 में दंगा हुआ। तब एक वैश्य ने सबको पैसा उधार दे रखा था। दंगा होने के बाद हिंदू उनके घर में इकट्ठे हुए, तो उन्हें घेर लिया गया। उनसे कहा गया कि इन हाथों से सूद का पैसा मांगोगे। इसलिए पहले हाथ, फिर पैर और फिर गला काट दिया गया। सौहार्द की बात करने पर इन्हें शर्म नहीं आती। योगी ने कहा- कुंदरकी की जीत को वोट की लूट कहना सदस्य का अपमान है। वहां सपा के प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई। आज डिजिटल मीडिया का समय है। वहां का पठान और शेख कह रहा है कि हमारे पूर्वज हिंदू थे। आपके पूर्वज भी हिंदू थे। यह देसी-विदेशी मुसलमानों की आपसी भिड़ंत है, जो वर्चस्व की लड़ाई को लेकर चल रही है। सपा सच पर पर्दा डालने का प्रयास कर रही है। लेकिन सूरज, चांद और सत्य को बहुत देर तक कोई छिपा नहीं सकता। सत्य जल्द सामने आएगा। योगी ने कहा- रघुराज प्रताप सिंह ने एक बात साफ की। हम तथ्यों को छुपा कर कब तक जनता को गुमराह करेंगे। हर व्यक्ति जानता है कि कोर्ट के आदेश पर सर्वे हो रहा है। सीएम ने कहा- मुस्लिम समाज का जुलूस मंदिर के सामने से निकल जाता है, कोई समस्या नहीं होती। हिंदू समाज की शोभायात्रा मस्जिद के सामने से निकलती है, तो दिक्कत क्यों होती है? कल मैं कहूंगा कि मुझे अल्लाह-हु-अकबर का स्लोगन अच्छा नहीं लगता, तो आपको कैसे लगेगा? मैं जय श्रीराम, हर-हर महादेव और राधे-राधे कहकर जिंदगी काट सकता हूं। पश्चिम यूपी के सभी लोग अपने सामान्य संबोधन में राम-राम कहते हैं। ऐसे में 'जय श्रीराम' सांप्रदायिक संबोधन कैसे हो गया? हम मिलते हैं, तो राम-राम करते हैं। अंतिम यात्रा में भी राम-राम कहते हैं। हमारा तो कोई काम राम के बिना नहीं होता।

संक्षिप्त डायरी

शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए ट्रायल 18 दिसंबर को

संवाददाता

कुशीनगर। 19वें अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए मेजबान टीम से खेलने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए ट्रायल 18 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। यह ट्रायल पावानगर महावीर इंटर कॉलेज के खेल मैदान में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। नगर पंचायत अध्यक्ष एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही और मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह ने जानकारी दी कि इस ट्रायल में जनपद और आसपास के क्षेत्र के क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं। खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड और दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। ट्रायल का चयन लखनऊ के रणजी खिलाड़ी अखिलेश कुशवाहा द्वारा किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी मेजबान टीम आजाद स्पोर्ट्स से पहला क्वार्टर फाइनल मैच खेलेंगे।

वाराणसी में रिटायर एयरफोर्स अफसर जिंदा जला

वाराणसी। में सोमवार को एयरफोर्स के रिटायर्ड अफसर की घर के कमरे में जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा कमरे में जल रहे हीटर में शार्ट सर्किट से हुआ, जिसके बाद कंबल ने आग पकड़ ली। आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया। कमरे के अंदर सो रहे बुजुर्ग भी चपेट में आ गए। आग की लपटें देखकर आसपास के लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक सब जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने आग बुझाई। फायर ब्रिगेड भी रेस्क्यू में जुट गई। एडीसीपी वरुणा सरवणन टी, एसीपी सारनाथ मौके पर हैं। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से पूरा घटनाक्रम जाना। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला सारनाथ थाना क्षेत्र का है।नक्खी घाट निवासी दयाशंकर गुप्ता (80) एयरफोर्स में मेडिकल वारंट ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। 2002 में बेंगलुरु रिटायर हुए थे। इसके बाद घर के बाहरी हिस्से में मेडिकल स्टोर चलाते थे। वर्तमान में घर में अकेले रहते थे। उनके बच्चे बेंगलुरु में रहते थे। सोमवार दोपहर दयाशंकर मेडिकल स्टोर बंद करने के बाद कमरे में गए और हीटर चलाकर सो गए। इसी दौरान हीटर में शार्ट सर्किट हो गया। वायरिंग जलने लगी। इसकी आग कमरे में कपड़ों और कंबल तक पहुंच गई। इसके बाद तेज लपटें उठने लगीं।

पूर्व सांसद रामनगीना मिश्रा को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

कुशीनगर। पांच बार सांसद रहे स्वर्गीय राम नगीना मिश्रा की तृतीय पुण्यतिथि पर सोमवार को उनके पैतृक गांव शिकटा में महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा मंदिर स्कूल पर मंडल अध्यक्ष विपिन बिहारी मिश्र की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें राम नगीना मिश्रा के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। नमामि गंगे के क्षेत्रीय सहसंयोजक व मां नारायणी सामाजिक कुंभ के संयोजक मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि स्वर्गीय राम नगीना मिश्रा राम मंदिर आंदोलन में अपना योगदान देने के साथ किसान हित में हमेशा संघर्षरत रहे और राजनीति में ईमानदारी व सुचिता के प्रति सदा प्रतिबद्ध रहे। वर्तमान राजनीति के लिए उदाहरण है एक आदर्श जन प्रतिनिधि व कर्मठ नेता के रूप में जनता व पार्टी कार्यकताओं के हितों के रक्षा के लिए सदैव तत्पर व प्रयासरत रहे। इस अवसर पर नारायण दत्त तिवारी,गया प्रजापति, ए०के०तिवारी ,अरविंद तिवारी , शंकर मिश्रा, नथुनी प्रजापति, रामदेव प्रसाद, पहलू प्रसाद, बिकाऊ प्रसाद, शिवम् कुमार, धरीचर, रघुनाथ, चंद्रदेव, पुरुषोत्तम तिवारी, राजेश सिंह उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों से भरी वैन पलटी

बस्ती। में बच्चों से भरी वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। रफ्तार इतनी तेज थी कि वैन का गेट खुल गया और बच्चे बाहर गिर गए। कुछ बच्चे वैन के नीचे दब गए। हादसे में 17 स्टूडेंट घायल हो गए, 3 की हालत गंभीर है। बच्चों ने कहा- ड्राइवर अंकल मोबाइल पर बात करते हुए तेज रफ्तार में गाड़ी चला रहे थे। हादसा सोमवार सुबह 7:45 बजे छावनी थाना क्षेत्र के सेवरा लाला गांव के पास हुआ। वैन में सवार स्टूडेंट किंग लेट मिशन स्कूल, अमोढ़ा के हैं। हादसे के बाद नाबालिग ड्राइवर मौके से फरार हो गया।अमोड़ा निवासी नाबालिग वैन ड्राइवर सोनू 7:30 बजे सेवरा लाला गांव से 17 बच्चों को लेकर किंग लेट मिशन स्कूल अमोढ़ा जा रहा था। एक किमी जाने के बाद वैन अनियंत्रित होकर पलट गई।

पेज एक का शेष बल प्रयोग से...

उन्होंने कहा कि तथ्य और साक्ष्य अनुसार कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि कोई भी हिंसक प्रदर्शन नहीं करें. रांची उपायुक्त और एसएसपी ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर जानकारी दी. रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि 16 दिसंबर से जेएसएससी सीजीएल के सफल उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन किया जाना था. उन्हें सूचना मिली कि कुछ उम्मीदवारों को उनका डॉक्यूमेंट फाड़ने और जेएसएससी कार्यालय में प्रदर्शन होने वाला है. जिसे लेकर एसडीओ ने परिसर में धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा जारी की.सोमवार को जब डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन कार्य चल रहा था, तब नामकुम बाजार से सदाबहार चौक तक 200 की संख्या में प्रदर्शनकारी पहुंचे थे, जिनका नेतृत्व देवेंद्र महतो कर रहे थे. वहां मौजूद दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी द्वारा समझाने के बाद भी सड़क जाम और डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन के लिए आ रहे छात्रों को प्रभावित कर रहे थे. जिसके बाद प्रशासन ने हल्का बल प्रयोग किया. साथ ही देवेंद्र महतो और उनके दो साथी मधु रजक और मनोज महतो को हिरासत में लिया गया।

ज्ञापन देने जा रहे पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह हुए गिरफ्तार, धरने पर बैठे

संवाददाता

कुशीनगर। ढ़ाढ़ा में बिरला ग्रुप की न्यू इंडिया शुगर मिल द्वारा किसानों की अधिग्रहित भूमि के मामले में ज्ञापन देने जा रहे समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह को प्रशासन ने गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को किसानों की समस्या को लेकर पूर्व मंत्री श्री सिंह मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन देने के लिए निकल रहे थे कि उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसके विरोध में वह अपने घर के सामने अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र के ढ़ाढ़ा में बिरला ग्रुप की न्यू इंडिया शुगर मिल का एथेनॉल प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण के मामले में किसानों पर हुए लाठीचार्ज की घटना के विरोध में धरना दिया। प्रशासन ने कहा कि निषेधज्ञा लागू है। श्री सिंह ने कहा कि नाचने गाने वालों के लिए कोई धारा नहीं लागू है। धरती का सीना चिकरकर अन्न उगाने वाले किसानों के हक की बात करना गलत है। मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि क्या विपक्ष में रहकर किसानों की बात करना गलत है। मुख्यमंत्री किसानों पर लाठीचार्ज करने के दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी करवाई करें। बाद में मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी हाटा ने उनका 5 सूत्रीय ज्ञापन लिया। श्री सिंह ने कहा कि एथनाल फैक्ट्री के विरोध में नहीं है लेकिन किसानों की सहमति से जमीन लिया जाय। हरपुर गांव की नगरीय जमींन का मुआवजा शहरी क्षेत्र के तरह दिया जाय। किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। जमींन देकर भूमिहीन हुए किसानों को नौकरी दिया जाय। एक दिसम्बर को किसानों पर लाठी चार्ज कराने वाले हुक्मरानों पर कड़ी करवाई की जाय और जांच कमेटी बनाकर दोषियो पर मुकदमा दर्ज किया जाय। विदित हो कि वर्ष 2008 में सरकार ने 19.5 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित किया था। 88 किसानों ने अधिग्रहण भूमि का मुआवजा ले लिया। लेकिन 86 किसानों ने अपनी भूमि नहीं दी और मुआवजा भी नहीं लिया। इस जमींन के लिए प्रशासन व मिल प्रयासरत है। इस दौरान जिलाध्यक्ष सपा शुकरुल्लाह अंसारी, पूर्व जिलाध्यक्ष इलियास अंसारी, हाटा के पूर्व प्रत्याशी रणविजय सिंह मोहन, वीरेंद्र सिंह सैंथवार, परवेज असलम, हरिलाल यादव, हरिलाल प्रजापति, शैलेंद्र प्रताप सिंह, हरिराम सिंह, जवाहरलाल गौतम, ब्लाक प्रमुख रामकोला दिग्विजयसिंह लक्ष्मण, ब्लाक प्रमुख अमरजीत यादव आदि मौजूद रहे।

प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर क्षेत्र के पंडित दीनदयाल उपाध्यायनगर स्थित डीडी मंत्रा नृत्य संगीत विद्यालय में भारत के प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर शोक संगीत प्रेमियों व छात्र - छत्राओं ने शोक व्यक्त किया। सोमवार को आयोजित शोज सभा में प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुई संस्था के निदेशक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा कि उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्मश्री 2002 में पद्मभूषण 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था! ऐसा तबला वादक भारत ने आज खो दिया जो भारत के लिए अपूरणीय क्षति हुई ! इस सूचना को पाकर सभी संगीत प्रेमी बहुत व्यथित हैं वे संगीत के सच्चे साधक थे। उन्हें आजीवन याद किया जाएगा। इस मौके पर सभी ने मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। इस मौके पर संस्था के छात्र नरेंद्र शर्मा गीता वर्मा, काशवी, नीतू कृष्णा, राजा आदि बच्चे उपस्थित रहे।

फिरौती के लिए किया गया था लेखपाल का कत्ल

बरेली। में लेखपाल की हत्या से सनसनी फैल गई है। 18 दिनों से लापता लेखपाल की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक फिरौती के लिए लेखपाल की हत्या को अंजाम दिया गया है। लेखपाल के शव के अवशेष रविवार को बरेली के कैंट थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव में सुनसान इलाके में नाले में मिले। नाले के पास से लेखपाल की खोपड़ी का कंकाल और कुछ हड्डियां बरामद हुए। मौके से उनके कपड़े भी बरामद हुए है।लेखपाल की हत्या का खुलासा करते हुए एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि 27 नवंबर को लेखपाल के तहसील से घर न पहुंचने पर गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। परिजनों के कहने पर 9 दिसंबर को फरीदपुर से फतेहगंज पश्चिमी थाने पर विवेचना ट्रांसफर की गई।

प्रदीप मिश्रा बोले-कथा से पहले जेवर-तेवर घर रखकर आओ

मेरठ। के शताब्दीनगर में शिव महापुराण कथा में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- रसंभल में जो मंदिर बरसों से बंद पड़ा था, वो अब खुल गया है। इसके लिए मैं योगी जी का साधुवाद करता हूं। बच्चों को संस्कार देने में समय लगाओ। अपने तन मन और धर्म तीनों को परमात्मा में लगाओ। अगर घर के बच्चे गलत जगह जा रहे हैं तो समझो आपसे कहीं न कहीं चूक हो रही है। बहन, बेटी और पत्नी के नेत्र अगर झुके रहते हैं, तो उसके घर के भाई, पिता और पति को माथा नीचा नहीं करना पड़ता है। वो सीना तानकर चलता है। कथा में आने से पहले जेवर और तेवर घर रखकर आओ। कथा में इनकी कोई जरूरत नहीं है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- जिंदगी में कोई रोग आ गया, डॉक्टर इलाज नहीं कर पा रहे हैं। पानी को वाणी से अमृत बनाओ। रुद्राक्ष पहनो या नहीं पहनो लेकिन मीठी वाणी का रुद्राक्ष जरूर पहनो। मीठी वाणी बोलिए। अगर आपके पास कुछ नहीं है, न जमीन है, न बंगला है, न पैसा है और आपके पास मीठी वाणी हैं। अगर आपके पास मीठी वाणी है तो सबकुछ है। पड़ोसी भी आपका गुणगान करेंगे। आरती में झूम उठे श्रद्धालु पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- आप कितने भी पैसे वाले हो अपने लिए होंगे। कितना भी अमीर होगा, कितना गरीब होगा, शिव के घर श्मशान में जो जायेगा वहां एक जैसा जाएगा। कथा के समापन पर भगवान शिव की आरती शुरू हुई तो श्रद्धालु झूम उठे कितने ही श्रद्धालुओं की आंखों में आंसू आ गए। पूरे पंडाल में तालियों का शोर और आरती सुनाई देने लगी। हर हर महादेव के जयकारे गूंजने लगे। महिलाएं, युवा, बुजुर्ग भगवान भोले की भक्ति में लीन हो गए। श्रद्धालुओं का कहना है कि कथा वाचक प्रदीप मिश्रा को जिसने भी टीवी पर एक बार सुना वह फिर उनको सुने बिना नहीं रहता है।

दवा के साथ पौष्टिक आहार खाकर स्वस्थ हो रहे है टीबी रोगी: सीएमओ

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सीएचसी के सभागार में सोमवार को एकीकृत निःक्षय दिवस के अवसर पर 62 टीबी रोगियों में निक्षय मित्रों के द्वारा प्रोटीनयुक्त पौष्टिक आहार वितरित किया गया। जिनमें 51 को तीसरे माह की तथा 11 को प्रथम माह की पोटली दी गयी। मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ सुरेश पटारिया ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जो व्यक्ति निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार देकर रहा है वह वाकई साधुवाद का पात्र है। उस पौष्टिक आहार को दवा के साथ खाकर टीबी रोगी शीघ्र स्वस्थ हो रहे है। उन्होंने ने कहा कि टीबी रोग को लेकर समाज में अनेकों भ्रांतियां विघमान है। जिन्हें हम जागरुकता के माध्यम से दूर कर सकते है। जनपद में टीबी रोग के लिये जाँच एवं उपचार निःशुल्क किया जा रहा है तथा टीबी रोगियों को निक्षय पोषण योजना के तहत नवम्बर माह से प्रतिमाह एक हजार की धनराशि उन्हें खाते में भेजा जा रहा है साथ ही हमारे चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ तथा समाज के जागरूक लोगों द्वारा टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें प्रतिमाह प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली दी जा रही है। विशिष्ट अतिथि के रूप जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एस. एन.त्रिपाठी रहे। अध्यक्षता अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ क्षयरोग प्रयोगशाला पर्यवेक्षक आशुतोष मिश्र ने किया। आंगतुकों का स्वागत डॉ संजय सिंह ने किया तथा अतिथियों के प्रति आभार एसटीएस शाहिद अंसारी ने व्यक्त किया। निक्षय मित्र डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी, डॉ गौतम जी गौरव, डॉ संजय सिंह, डॉ जलज गुप्ता,डॉ रितेश सिंह, डॉ आशुतोष पांडेय, डॉ सौनक श्रीवास्तव,डॉ स्नेहा कुमारी, डॉ अनामिका, डॉ नेहा चतुर्वेदी, डॉ नाजरीन, चीफ फार्मासिस्ट अशोक सिंह, एआरओ रत्नेश यादव, वशीर अहमद, संजय राय, राकेश मणि, अभिषेक पांडेय, आनन्दपाल सिंह, विजयकृष्ण द्विवेदी, राकेश पांडेय, अमित सिंह, विनोद वर्मा, विमलेश दुबे, अम्बरीष राय, बीसीपीएम प्रकाश, अनिता यादव, वशुन्धरा, मीरा दुबे, बीना दुबे, ममता, पूनम राय, प्रतिमा मौर्या, संजू कुशवाहा, अमजद अली, दिनेश सिंह, हरिवंश गुप्ता, हर्षित मिश्रा, शाहिद अंसारी, आशुतोष मिश्र द्वारा पौष्टिक आहार वितरित किया गया। इस दौरान चंद्रशेखर यादव, अशोक गुप्ता, नगीना यादव, धनश्याम प्रसाद, गुरुदयाल,शुभम मिश्रा सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोटापे की कट्टर दुशमन है दलिया

दलिया का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। विटामिन और प्रोटीन से भरपूर दलिया खाने से न केवल वजन कम होता है बल्कि आप कई बीमारियों से दूर रहेंगे। बता दें, मोटे अनाज के दानेदार चूरे को दलिया कहते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व लो कैलोरी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, थायमिन, फोलेट, पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, मिनरल्स, विटामिन और आयरन हेल्दी और स्वस्थ बनाते हैं। अगर आप अपनी डाइट में सिर्फ एक कटोरी दलिया का सेवन करते हैं तो इससे आपकी सेहत को क्या क्या फायदे हो सकते हैं चलिए हम आपको बताते हैं–

दलिया खाने से ये बीमारियां रहेंगे कोसों दूर-

सेहतमंद दिल- दलिया में मौजूद फाइबर, प्रोटीन, और एंटीऑक्सीडेंट दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। दलिया कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है जिससे हार्ट डिजीज का रिस्क काफी कम हो जाता है।

वजन होगा कम- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा है तो डाइट में दलिया ज़रूर शामिल करें। दलिया फाइबर से भरपूर होता है और वजन को कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है।

डायबिटीज कंट्रोल- दलिया में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स पाया जाता है जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसका सेवन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

पाचन होता है बेहतर- दलिया पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है क्योंकि ये कब्ज को कम करने में मदद करता है और आपके पेट में सारे पोषण को अच्छी तरह से सोख लेता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कम- दलिया में मौजूद फाइबर बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में बेहद असरदार है। दलिया कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को भी कम करता है।

दलिया खाने का सही समय-

दलिया सुबह और शाम के नाश्ते में खाना चाहिए। सुबह के समय दलिया खाने से दिनभर ऊर्जावान महसूस करेंगे साथ ही शाम के समय नाश्ते में दलिया खाने से आपको रात के समय ज़्यादा भूख नहीं लगेगी।

क्या बुढ़ापे से जवानी और फिर बचपन में लौट सकता है इंसान?

जानिए रिवर्स एजिंग क्या है

हम सभी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से गुजरते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी त्वचा ढीली पड़ने लगती है, बाल सफेद हो जाते हैं, और शारीरिक क्षमता भी कम होने लगती है। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि वैज्ञानिक अब बुढ़ापे की प्रक्रिया को उलटने के तरीके खोज रहे हैं? जी हां, रिवर्स एजिंग का मतलब बुढ़ापे से जवानी की ओर लौटना है और यह एक दिलचस्प शोध का हिस्सा बन चुका है।

रिवर्स एजिंग क्या है?

रिवर्स एजिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें बुढ़ापे को धीमा करने या उलटने की कोशिश की जाती है। सरल शब्दों में कहें तो, यह एक ऐसी अवधारणा है जिसके तहत इंसान का शरीर बुढ़ापे से फिर से युवा अवस्था में लौट सकता है। भले ही यह सोच पहले असंभव सी लगती थी, लेकिन अब वैज्ञानिक इस पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। आजकल के विज्ञान और तकनीक के कारण बुढ़ापे के लक्षणों को धीमा करने या उलटने के लिए कुछ उपायों पर काम हो रहा है। इनमें जेनेटिक इंजीनियरिंग, स्टेम सेल थेरेपी, और अन्य नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

उम्र बढ़ने का कारण

हमारी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया मुख्य रूप से हमारे डीएनए में होने वाले बदलावों के कारण होती है। जैसे-जैसे समय बीतता है, हमारे डीएनए में क्षति होती जाती है, जिससे हमारी कोशिकाएं ठीक से काम नहीं कर पातीं। साथ ही, हमारे शरीर में मुक्त कण भी बनते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करते हैं।

रिवर्स एजिंग के तरीके

वैज्ञानिक रिवर्स एजिंग के लिए कई तरह के तरीकों पर काम कर रहे हैं। चलिए जानते हैं कुछ प्रमुख तरीकों के बारे में-

स्टेम सेल थेरेपी

स्टेम सेल्स उन कोशिकाओं को कहते हैं, जो किसी भी प्रकार की कोशिका में बदलने की क्षमता रखती हैं। इस थेरपी से शरीर के पुराने और कमजोर अंगों की मरम्मत की जा सकती है, जिससे शरीर फिर से ताजगी महसूस करता है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कुछ खास जीन होते हैं, जिन्हें सक्रिय करके हम शरीर की कोशिकाओं को फिर से जवान बना सकते हैं। अगर इन जीनों को सही तरीके से एक्टिव किया जाए, तो शरीर के अंग और कोशिकाएं फिर से काम करने की क्षमता हासिल कर सकती हैं।

टेलोमेरेज और टेलोमर्स

हमारी कोशिकाओं के अंदर एक संरचना होती है, जिसे टेलोमेरेज कहते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, टेलोमेरेज की लंबाई कम हो जाती है और कोशिकाओं का बंटवारा धीमा पड़ जाता है। लेकिन अगर इसे फिर से लंबा किया जाए, तो कोशिकाएं जवानी की स्थिति में लौट सकती हैं।

एंटीऑक्सीडेंट

एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एंटीऑक्सीडेंट का उपयोग करके हम उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं।

कैलोरी रिस्ट्रीक्शंस

कई शोधों में यह पाया गया है कि कैलोरी रिस्ट्रीक्शंस (खाने की मात्रा में कमी) से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है। यह शरीर में सुधार लाने के लिए सहायक हो सकता है।

रिवर्स एजिंग का शोध अभी प्रारंभिक चरण में है, लेकिन इसके परिणामों से हमें उम्मीद है कि भविष्य में यह हमारे जीवन को बेहतर बना सकता है। हालांकि, अभी भी इस प्रक्रिया को पूरी तरह से लागू करने के लिए और अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है। लेकिन ये नए वैज्ञानिक प्रयास एक दिन हमें उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को रोकने या उसे उलटने में मदद कर सकते हैं।

हर्ब्स की मदद से बनाएं नेचुरल हेयर कलर, जाने आसान और सेहतमंद तरीका

बालों को नेचुरली कलर करना अब मुश्किल नहीं है। आप हर्ब्स की मदद से घर पर ही ऐसा हेयर कलर तैयार कर सकती हैं, जो न केवल आपके बालों को खूबसूरत रंग देगा, बल्कि उन्हें पोषण भी प्रदान करेगा। हर्ब्स से बने हेयर कलर केमिकल-फ्री होते हैं और बालों को मजबूत, शाइनी और हेल्दी बनाते हैं। यह खासतौर से उन लोगों के लिए सही है, जो अपने लुक में बदलाव तो चाहते हैं लेकिन बालों को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स से बचना चाहते हैं।

हिना से बनाएं नेचुरल हेयर कलर

हिना बालों को नेचुरली कलर करने के लिए सबसे पुराना और प्रभावी विकल्प है। यह बालों को डीप रेड या बरगंडी शेड देने के साथ-साथ उन्हें मजबूत और टेक्सचर में सुधार करता है। हेयर कलर बनाने के लिए हिना पाउडर को गर्म पानी या चाय के साथ मिलाकर चिकना पेस्ट तैयार करें। इसमें नींबू का रस या टी ट्री ऑयल मिलाकर इसे और भी पौष्टिक बनाएं। इस पेस्ट को बालों पर समान रूप से लगाएं और 1-3 घंटे तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें, लेकिन तुरंत शैम्पू का इस्तेमाल करने से बचें ताकि रंग बालों में अच्छी तरह से सेट हो सके।

आंवला से बालों को दें प्राकृतिक चमक

आंवला बालों के नेचुरल कलर को निखारने और उन्हें सिल्की व शाइनी बनाने में मदद करता है। आंवला पाउडर को पानी में मिलाकर एक चिकना पेस्ट बनाएं और इसे बालों पर लगाएं। पेस्ट को एक घंटे तक बालों पर छोड़ दें। अगर आप बालों को और भी गहरे रंग का टच देना चाहती हैं, तो आंवला पेस्ट में हिना पाउडर मिलाएं। यह आपके बालों को प्राकृतिक चमक और मजबूती प्रदान करेगा, साथ ही बालों की ग्रोथ में भी मदद करेगा।

रूबर्ब रूट से पाएं हल्का गोल्डन शेड

अगर आप अपने बालों को हल्का गोल्डन या रेडिश टोन देना चाहती हैं, तो रूबर्ब रूट एक बेहतरीन विकल्प है। यह लाइट बालों पर खासतौर से अच्छा असर दिखाता है और उनकी शाइन बढ़ाता है। रूबर्ब रूट को 20-30 मिनट तक पानी में उबालें और फिर इसे ठंडा होने दें। इस लिक्विड को बालों पर लगाएं और करीब एक घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में गुनगुने पानी से बाल धो लें। यह आपके बालों को खूबसूरत रंग और पोषण दोनों प्रदान करेगा।

हर्ब्स क्यों हैं खास?

हर्ब्स से बने हेयर कलर पूरी तरह नैचुरल और केमिकल फ्री होते हैं। यह बालों को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाते हैं और उन्हें पोषण देते हैं। हर्ब्स से बालों की ग्रोथ में सुधार होता है, वे मजबूत बनते हैं और उनमें प्राकृतिक चमक भी आती है। साथ ही, हर्ब्स से बना रंग लंबे समय तक टिकता है और बालों को हेल्दी व खूबसूरत बनाता है। इन नैचुरल हेयर कलर के इस्तेमाल से आप अपने लुक को बेहतर बना सकती हैं, बिना बालों को नुकसान पहुंचाए। अगर आप भी अपने बालों को नेचुरली कलर करना चाहती हैं, तो इन हर्बल तरीकों को अपनाएं और बालों को खूबसूरत व सेहतमंद बनाएं।

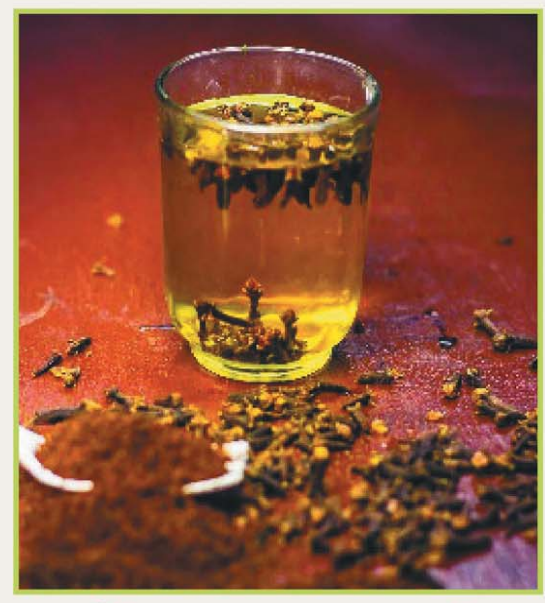

लौंग का पानी पीने के फायदे

अगर आप सुबह लौंग का पानी पीते हैं तो इससे शरीर को कई फायदे मिलते हैं। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो पानी में घुलकर शरीर तक पहुंचते हैं और कई लाभ पहुंचाते हैं। लौंग का पानी पीने से हमारे शरीर में पाए जाने वाले त्रिदोष को भी बैलेंस किया जा सकता है।

सुबह लौंग का पानी पीने से क्या फायदा होता है?

वात, पित्त और कफ रहेगा बैलेंस– आयुर्वेद में सारी बीमारियों की जड़ वात, पित्त और कफ को माना जाता है। वात पित्त और कफ का बैलेंस बिगड़ने पर कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं। खासतौर से इससे पेट, गले, नाक और त्वचा की समस्याएं हो सकती हैं। त्रिदोष को बैलेंस करने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है। इससे पाचन में सुधार आएगा और पेट ठंडा रहेगा। लौंग का पानी पीने से पेट की जलन और एसिडिटी कम होगी।

पाचन में सुधार आएगा– जो लोग सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीते हैं उनका पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इस पानी से पेट की बीमारी जैसे गैस, एसिडिटी, ब्लोटिंग और अपच दूर होती है। पाचन प्रक्रिया में सुधार आता है। लौंग का पानी पीने से शरीर में एंजाइम बढ़ते हैं जिससे खाना पचाने में आसानी होती है।

प्यास और जलन कम करे– अगर आपको बहुत प्यास लगती है और पेट में जलन की शिकायत होती है तो आप लौंग का पानी पी सकते हैं। भले ही लौंग तासीर में गर्म होती है लेकिन लौंग का पानी ठंडक देने वाला हो जाता है। इससे प्यास कम लगती है और पेट में होने वाली जलन भी दूर होती है। लौंग का पानी पीने से शरीर हाइड्रेड रहता है।

वजन घटाने में मदद– सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है। भूख कम लगती है और ओवरईटिंग पर भी कंट्रोल किया जा सकता है। लौंग में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करते हैं। इसलिए मोटापा घटाने का प्रयास करने वाले लोग लौंग का पानी पी सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए– रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। खासतौर से बदलते मौसम में सर्दी–जुकाम और खांसी कफ जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। लौंग में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो किसी भी इंफेक्शन से बचाने में मदद करते हैं। इससे मौसमी बीमारियों दूर रहती है।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के 5 प्रभावी घरेलू उपाय और टिप्स!

ब्लैकहेड्स एक आम समस्या है, खासकर चेहरे पर, जो त्वचा की porosity और तेल उत्पादन के कारण होते हैं। ये तब बनते हैं जब रोमछिद्रों में जमा हुआ तेल, गंदगी, मृत त्वचा कोशिकाएं और बैक्टीरिया हवा के संपर्क में आकर काले हो जाते हैं। ब्लैकहेड्स आपकी त्वचा को बेजान बना देते हैं। ब्लैकहेड्स की समस्या को दूर करने के लिए कई उपाय हैं, जिनमें से कुछ आसान घरेलू उपचार भी हैं।

यहां कुछ प्रभावी टिप्स और घरेलू उपचार दिए गए हैं जिनसे आप ब्लैकहेड्स से छुटकारा पा सकते हैं-

हल्दी और बेसन का फेस पैक

हल्दी और बेसन एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल हैं, जो त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं।

1. (1) चम्मच बेसन में 1/2 चम्मच हल्दी और थोड़ी सी दही डालें।

2. इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने तक छोड़ दें।

3. सूखने के बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को गहराई से साफ करता है और ब्लैकहेड्स को कम करने में मदद करता है।

अंडे का सफेद भाग और नींबू का रस मास्क

नींबू में सिट्रिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि अंडे का सफेद भाग त्वचा को हाइड्रेट करता है।

1. (1) अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच नींबू का रस

2. अंडे की सफेदी को सख्त होने तक फेंटें, उसमें नींबू का रस मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने तक लगा रहने दें और फिर धीरे से छील लें।

3. नताशा ने कहा, ÷अंडे का सफेद भाग रोमछिद्रों को कसता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है, जबकि नींबू का रस त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है।÷

स्टीम (भाप) लें

स्टीम लेने से त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स को निकालना आसान हो जाता है।

1. एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसका भाप चेहरे पर लें।

2. ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो, ताकि त्वचा जल न जाए।

3. स्टीम लेने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धोकर रोमछिद्रों को बंद कर लें।

चीनी और शहद स्क्रब

चीनी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए एक बेहतरीन स्क्रब है, जबकि शहद त्वचा को मुलायम बनाता है और उसकी नमी बनाए रखता है।

1. 1 चम्मच चीनी और 1 चम्मच शहद मिलाकर एक स्क्रब तैयार करें।

2. इसे चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।

3. यह स्क्रब ब्लैकहेड्स को हटाने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल एजेंट है, जो ब्लैकहेड्स को रोकने में सहायक है।

1. (1-2) बूंदें टी ट्री ऑयल को एक कॉटन पैड पर डालें और उसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं।

2. इसे रातभर छोड़ें और सुबह अपने चेहरे को धो लें। टी ट्री ऑयल त्वचा को साफ रखता है और ब्लैकहेड्स के निर्माण को रोकता है।

अतिरिक्त टिप्स

1. चेहरे को नियमित रूप से धोएं- दिन में दो बार फेसवॉश से चेहरे को धोने से अतिरिक्त तेल और गंदगी हट जाती है, जिससे ब्लैकहेड्स की संभावना कम होती है।

2. कॉमेडोजेनिक उत्पादों से बचें- ऐसे स्किनकेयर और मेकअप उत्पादों का उपयोग न करें जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं।

3. संतुलित आहार लें- खानपान में विटामिन- और ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को शामिल करें, जैसे कि गाजर, टमाटर, मछली आदि, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाना समय और धैर्य की बात है। इन घरेलू उपचारों को नियमित रूप से अपनाकर आप ब्लैकहेड्स को कम कर सकते हैं और अपनी त्वचा को साफ और निखरा हुआ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़ जाए तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना भी फायदेमंद हो सकता है

संक्षिप्त समाचार

यासमीन कराचीवाला ने दुल्हनों के लिए बताये शादी के दिन सबसे खूबसूरत दिखने के टिप्स

मुंबई। हर दुल्हन की ख्वाहिश होती है कि वह अपनी शादी के दिन सबसे खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आए, और यह पूरी तरह से सही है। हालांकि, शादी की तैयारियों में ढेर सारे कामों के बीच खुद की सेहत और फिटनेस अक्सर पीछे रह जाती है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि थोड़ा सा ध्यान और सही दिशा में किया गया प्रयास आपको न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी तैयार कर सकता है फिटनेस कोच और पिलेट्स एक्सपर्ट यासमीन कराचीवाला अपनी कुछ खास टिप्स शेयर कर रही हैं, जिनकी मदद से हर दुल्हन खुद को आत्मविश्वास से भरपूर और दमकता हुआ महसूस कर सकती है- समझदारी से खाने का मतलब यह बिल्कुल भी नहीं कि आप भोजन करना छोड़ दें या क्रैश डाइटिंग करें। बल्कि, आपको एक संतुलित आहार अपनाना चाहिये, जिसमें आवश्यक पोषक तत्व हों। स्मार्ट स्नैकिंग के लिए कैलिफोर्निया आमंड एक बेहतरीन विकल्प हैं। 200 से ज्यादा प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार, बादाम में 15 पोषक तत्व जैसे विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। कैलिफोर्निया आमंड विशेष रूप से प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जो न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि मांसपेशियों के विकास और रखरखाव में भी मदद करता है। आप बादाम को भूनकर खा सकती हैं या इन्हें भारतीय मसालों/स्पाइस के साथ मिला सकते हैं। क्योंकि बादाम ऊर्जा का खजाना हैं, ये आपको एनर्जी से भरपूर महसूस कराएंगे।

खुलते ही पूरा भर गया था आईपीओ, 51 प्राइस बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स के मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन में सक्रिय कंपनी हैम्प्स बायो लिमिटेड का आईपीओ 13 दिसंबर को निवेश के लिए ओपन हुआ था। यह इश्यू 17 दिसंबर को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 51 रुपये तय किया गया है। इस एसएमई इश्यू को पहले दिन पूरी तरह से सब्सक्राइब किया गया था। पहले ही दिन इसको 10.61× सब्सक्राइब कर लिया गया था। शेयर आवंटन 18 दिसंबर को किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं के डीमैट खाते में हैम्प्स बायो शेयरों का क्रेडिट किया जाएगा। हैम्प्स बायो लिमिटेड के शेयर 20 दिसंबर को बीएसई एसएमई पर लिस्ट होने की उम्मीद है।

इन्वेस्टरगेन के अनुसार, हैम्प्स बायो के शेयर ग्रे मार्केट में 40 रुपये प्रति शेयर प्रीमियम पर हैं। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग कीमत 91 रुपये होगी। यानी लिस्टिंग पर करीबन 79 प्रतिशत का मुनाफा हो सकता है।

क्या है डिटेल- हैम्प्स बायो आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। रिटेल निवेशकों को एक लॉट में कम से कम 2,000 शेयर खरीदने होंगे, जिससे न्यूनतम निवेश राशि 1,02,000 रुपये हो जाएगी। बिगशेयर सर्विसेज प्रा. को हैम्प्स बायो आईपीओ के लिए रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। मारवाड़ी चंदराना इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्रा. इश्यू और प्योर ब्रोकी के बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

हैम्प्स बायो लिमिटेड व्यवसाय और वित्तीय हैम्प्स बायो लिमिटेड 50 से अधिक वितरकों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के नेटवर्क के माध्यम से टैबलेट, सिरप, कैप्सूल, इंजेक्शन, तेल और पोषण संबंधी पूरक सहित फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स का डिस्ट्रिब्यूशन करता है। इन प्लेटफार्मों में अमेजन (यूएस, कनाडा, ईयू), फ्लिपकार्ट और जियो मार्ट शामिल हैं। फार्मा उत्पाद भारत भर के आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बेचे जाते हैं।

टाटा स्टील ने रचा इतिहास: भारत की पहली ऑल-वुमेन शिफ्ट की आयरन ओर माइन में हुई शुरूआत

टाटा स्टील की वूमेन@माइंस और तेजस्विनी पहल ने महिलाओं को खनन संचालन के सभी कार्यों में सशक्त बनाया

मुंबई/बिभा: टाटा स्टील ने बाधाओं को तोड़ते हुए आज से नोआमुंडी आयरन माइन में भारत की पहली ऑल-वुमेन शिफ्ट की शुरूआत कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह पहल कंपनी की समावेशी कार्यस्थल और पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान उद्योगों में महिलाओं को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

इस ऑल-वुमेन शिफ्ट में खनन की सभी प्रमुख गतिविधियों के लिए महिलाओं को शामिल किया गया है, जिनमें हेवी अर्थ मूविंग मशीनरी (एचईएमएम) संचालन, शोवल, लोडर, ड्रिल, डोजर ऑपरेशन और शिफ्ट सुपरविजन जैसी ज़िम्मेदारियाँ शामिल हैं।

इस ऐतिहासिक पहल की शुरूआत श्याम सुंदर प्रसाद, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, माइंस सेफ्टी, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र, रांची, झारखंड ने हरी झंडी दिखाकर की। यह कदम न केवल समतामूलक कार्यस्थल को बढ़ावा देता है, बल्कि महिलाओं को खनन उद्योग में

नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाने के लिए प्रोत्साहित करने का एक नया अध्याय भी है।

प्रसाद ने प्रगतिशील कार्यस्थल के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि 2019 में खनन क्षेत्र में महिलाओं को सभी शिफ्ट्स में कार्य करने की अनुमति देने का डीजीएमएस का फैसला एक महत्वपूर्ण और सही दिशा में उठाया गया कदम था। उन्होंने टाटा स्टील की इस पहल की सराहना की, जो एक जिम्मेदार कॉरपोरेट के रूप में ऐसी पहल में नेतृत्व कर रही है।

इस अवसर पर राकेश रमेश्वर मिश्रा, डायरेक्टर, माइंस सेफ्टी, चाईबासा, और सुधीर आर, डिप्टी डायरेक्टर, माइंस सेफ्टी, चाईबासा भी उपस्थित थे। डी बी सुंदरा रामम, वाइस प्रेसिडेंट, रॉ मटेरियल, टाटा स्टील ने कहा, यह ऑल-वुमेन शिफ्ट न केवल टाटा स्टील के लिए, बल्कि भारतीय खनन उद्योग के लिए भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह महिलाओं की दृढ़ता और उनकी क्षमताओं का प्रमाण है, जो पारंपरिक सोच को तोड़ रही हैं। यह हमारी इस सोच को भी दशार्ता है कि विविधता और समावेशन नवाचार और उत्कृष्टता के लिए आवश्यक हैं। हमें इस बदलाव का नेतृत्व करने पर गर्व है और हम विशेष रूप से खनन क्षेत्र में महिलाओं के लिए और अधिक अवसर सृजित करते रहेंगे। यह पहल नोआमुंडी में खनन के गौरवशाली 100 वर्षों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ती है। तेजस्विनी 2.0 कार्यक्रम, जो 2021 में शुरू किया गया, के तहत आसपास के समुदायों की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए गहन प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें हेवी अर्थ मूविंग मशीनरी (एचईएमएम) ऑपरेटर के रूप में शामिल किया गया। इस पहल को अत्यधिक उत्साह और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, और महिलाओं को डंपर, शोवल, डोजर, ग्रेडर और ड्रिल ऑपरेटर जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में तैनात किया गया। कार्यबल में शामिल होने से पहले, उन्हें तकनीकी और संचालनात्मक कौशल, सिमुलेटर प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रोटोकॉल और शारीरिक फिटनेस पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जो उनके आत्मविश्वास और क्षमता को और मजबूत करने में सहायक रहा।

तेजस्विनी 2.0 की सफलता ने 2022 में तेजस्विनी 2.1 कार्यक्रम की नींव रखी, जिसने 2100 से अधिक आवेदनों को आकर्षित किया, जिनमें से 24 ऑपरेटरों का चयन किया गया।

इस वर्ष की शुरूआत में, नोआमुंडी माइन ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए अपने कार्यबल में 9 ट्रांसजेंडर एचईएमएम ऑपरेटरों को शामिल किया, जिससे टाटा स्टील के समावेशन और समानता के प्रति उसकी मजबूत प्रतिबद्धता और स्पष्ट हुई। यह कदम कंपनी की विविधता और समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

टाटा स्टील को 2023 के वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम के ग्लोबल डाइवर्सिटी, इक्विटी और इनक्लूजन लाइटहाउस से सम्मानित किया गया है, और हाल ही में इंडिया वर्कप्लेस इक्वलिटी इंडेक्स 2024 द्वारा लगातार चौथे वर्ष गोल्ड एम्प्लॉयर के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, जो एलजीबीटी+ समावेशन के प्रति कंपनी की अडिग प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इसके अलावा, टाटा स्टील ने अपने भारत कार्यबल में 20% विविधता हासिल की है।

लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रईस है कार्लोस स्लिम

स्लिम के माता-पिता लेबनॉन से मेक्सिको आए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स पर नजर डालें तो वहां भारत के दो रईसों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच आपको मेक्सिको के अरबपति कार्लोस स्लिम का नाम दिखेगा। कार्लोस स्लिम लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रईस हैं। उनकी नेटवर्थ 85.4 अरब डॉलर है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अंबानी से एक स्थान नीचे और अडानी से एक स्थान ऊपर 18वें नंबर पर हैं। स्लिम के पास लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मोबाइल फोन ऑपरेटर कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक है।

कार्लोस स्लिम हेलू का जन्म 1940 में मेक्सिको सिटी में हुआ था। उनके माता-पिता लेबनॉन से आकर मेक्सिको में बसे थे। उन्होंने 1961 में मेक्सिको स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की नेशनल ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। 25 साल की उम्र में उन्होंने अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी शुरू की और 1980 के दशक में मेक्सिको के

कर्ज संकट के दौरान टोबैको, कॉपर और माइनिंग में जमकर निवेश किया। साथ ही उन्होंने 1990 के दशक में रेस्टोरेंट एंड रिटेल चेन सैनबोर्न हरमनोस को भी खरीद लिया। इसी दौरान उन्होंने सरकारी टेलिकॉम कंपनी टेलमैक्स और वायर एंड फाइबर-ऑप्टिक केबल बनाने वाली कंपनी ग्रुपो कंडुमेक्स को भी अपनी झोली में डाल लिया।

मौके पर चौका- पिता का कारोबार संभालने के उन्होंने स्टॉक ट्रेडर के तौर पर काफी मेहनत की। 25 की उम्र में उनके पास 30 लाख डॉलर की बड़ी राशि आई। मेक्सिको में कर्ज संकट और तेल की कमी उनके लिए एक बड़ी संभावना बनकर आई। पैसा बहुत तेजी से देश के बाहर जा रहा था। मौके का लाभ उठाते हुए उन्होंने काफी कम कीमत में कई कंपनियां खरीदीं। फिर उन्होंने इन कंपनियों को मुनाफे में लाकर बेच दिया। स्लिम इसे ही अपनी सफलता का राज मानते हैं।

कैसे मिली सफलता

एक दशक बाद उन्होंने अमेरिकन मोविल के बैनर तले पूरे लैटिन अमेरिका में मोबाइल फोन ऑपरेशंस को खरीदा। 2011 में उन्होंने इसे टेलमैक्स में मर्ज कर दिया। स्लिम की साथ ही कई कमर्शियल बैंकों और एनर्जी कंपनियों में भी हिस्सेदारी है। अपनी फैमिली इनवेस्टमेंट कंपनी ग्रुप कारसो के जरिए उन्होंने मेक्सिको की कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में भी निवेश किया है। स्लिम की वेल्थ में बड़ा हिस्सा पब्लिकली ट्रेडेड कंपनियों से आता है। उनकी आधी दर्जन से अधिक पब्लिक कंपनियों में हिस्सेदारी है जिनसे उन्हें डिविडेंड मिलता है। साल 2008 में उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स में भी 6.4 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी।

स्लिम ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बचपन से ही वह उद्यमी बनकर अपने पिता के काम में हाथ बंटाना चाहते थे। छोटी उम्र में ही उन्होंने पिता से बिजनस का ककहरा सीख लिया था। उनके पिता ने उन्हें फाइनेंस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग के बारे में बताया था। 11 साल की उम्र में उन्होंने गवर्नमेंट सेविंग्स बॉन्ड में निवेश किया, तो उन्हें पहली बार चक्रवृद्धि ब्याज के बारे में पता चला। 12 साल की उम्र में उन्होंने मैक्सिकन बैंक में पहला शेयर खरीदा था। जब वह 13 साल के थे तो उनके पिता की मृत्यु हो गई। पिता के कारोबार की जिम्मेदारियां उनके कंधों पर आ गईं। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग के साथ अर्थशास्त्र की भी पढ़ाई की ताकि कारोबार की बारीकियों को समझ सकें।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा; एफपीआई के आंकड़े भी आए सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,13,117.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई।

इस बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजार में वापसी की। दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अक्तूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी। दिलचस्प यह है कि सितंबर में एफपीआई का प्रवाह के लिए नौ माह के उच्चस्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

पहले बात करते हैं शेयर बाजार की

पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 623.07 अंक या 0.76 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 90.5 अंक या 0.36 प्रतिशत के लाभ में रहा।

इनका बाजार मूल्यांकन बढ़ा

- समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,836.6 करोड़ रुपये बढ़कर 9,57,842.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।
- इन्फोसिस की बाजार हैसियत 31,826.97 करोड़ रुपये बढ़कर 8,30,387.10 करोड़ रुपये रही।
- एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,887.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,31,158.06 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 11,760.8 करोड़ रुपये बढ़कर 9,49,306.37 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एफपीआई रिटर्न्स, दिसंबर में भारतीय शेयर मार्केट में 22,766 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में वापसी की है। दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी। अक्टूबर की निकासी का आंकड़ा सबसे खराब रहा था।

दिलचस्प तथ्य यह है कि सितंबर में एफपीआई का प्रवाह के लिए नौ माह के उच्चस्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। यह विदेशी निवेशकों के निवेश के रुख में अस्थिरता को दर्शाता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, ताजा फ्लो के साथ 2024 में अबतक शेयरों में एफपीआई का निवेश 7,747 करोड़ रुपये रहा है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक, प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, आगे चलकर भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह कई प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगा। इनमें डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा राष्ट्रपति के रूप में लागू की गई नीतियां, मौजूदा मुद्रास्फीति और ब्याज दर की स्थिति और भू-राजनीतिक परिदृश्य शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर देश की प्रगति भी निवेशक धारणा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने अबतक (13 दिसंबर तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसकी वजह यह है कि माना जा रहा है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दर में कटौती करेगा। वॉटरफील्ड एडवाइजर्स के वरिष्ठ निदेशक (सूचीबद्ध निवेश) विपुल भोवर ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को कम करके तरलता बढ़ाई है, जिससे निवेशकों की धारणा को बल मिला है।

कोका-कोला और जुबिलेंट भारतिया ग्रुप के बीच हुआ रणनीतिक निवेश समझौता

मुंबई, एजेंसी। कोका-कोला कंपनी ने आज विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक उपस्थिति वाले एक मल्टी-बिलियन समूह जुबिलेंट भारतिया ग्रुप के साथ एक अनुबंध की घोषणा की है। इसके तहत जुबिलेंट भारतिया ग्रुप ने हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड की मूल कंपनी है, जो भारत में कोका-कोला का सबसे बड़ा बॉटलर (एक ऐसी कंपनी या संगठन, जो पेय पदार्थों, खासकर कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का उत्पादन, पैकिंग और वितरण करता है) है।

कोका-कोला ने हमेशा ही उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है और अब भारत में उपलब्ध अवसरों में निवेश करके यह सतत् और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दे रहा है। भारत में कोका-कोला के स्थानीय स्वामित्व वाले फ्रेंचाइजी पार्टनर सफल परिणामों को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। जुबिलेंट भारतिया ग्रुप का यह निवेश कंपनी की निरंतर सफलता में योगदान करेगा और भारतीय बाजार में इसकी स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा।

कोका-कोला इंडिया के प्रेसिडेंट संकेत रे ने कहा, ''हम भारत में कोका-कोला सिस्टम में जुबिलेंट भारतिया ग्रुप का स्वागत करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अपने अलग-अलग तरह के अनुभव के साथ, जुबिलेंट अपने दशकों के समृद्ध अनुभव को लेकर आया है, जो कोका-कोला सिस्टम को बढ़ावा देने में मदद करेगा और हमें बाजार में अग्रणी बने रहने में सक्षम बनायेगा। इसके साथ ही हमें स्थानीय समुदायों और ग्राहकों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।''

हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के सीईओ जुआन पाबलो रोड्रिग्ज़ ने कहा, ''यह रणनीतिक निवेश हमारे सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दिखाता है। जुबिलेंट भारतिया ग्रुप की विशेषज्ञता हमारी ताकत को और मजबूती देती है, जिससे हमने अपने हितधारकों को असाधारण मूल्य प्रदान करना जारी रखा है। साथ ही हम नवाचार और स्थायी रूप से प्रगति को बढ़ावा दे रहे हैं।

श्याम एस. भारतिया, फाउंडर व चेयरमैन और हरि एस. भारतिया, फाउंडर व को-चेयरमैन, जुबिलेंट भारतिया ग्रुप ने कहा, ''कोका-कोला कंपनी दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स में से कुछ का घर है, और हम उनके साथ जुड़कर उत्साहित हैं। साथ मिलकर हम कारोबार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के अवसरों का लाभ उठाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय उपभोक्ता कोका-कोला कंपनी के लोकप्रिय स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स का आनंद ले सकें।

ये बदलाव और निवेश कोका-कोला के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी ने दुनिया को तरोताज़ा करने और एक सकारात्मक बदलाव लाने के अपने उद्देश्य पर आगे बढ़ना जारी रखा है।

काइनैटिक ग्रीन ने अनूठेकार्यक्रमों से दी महिला सशक्तिकरण को नई दिशा

पुणे एजेंसी। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की अग्रणी कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने कार्यस्थल पर महिलाओं को सशक्त बनाने का संकल्प लिया है। कंपनी खासतौर पर नेतृत्व की भूमिकाओं और विनिर्माण कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी के विज़न से प्रेरित, काइनेटिक ग्रीन ऐसा माहौल तैयार कर रही है, जहां महिलाएं अपनी क्षमताओं को निखार सकें, नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकें और परिवहन के बेहतर भविष्य में अपनी भूमिका निभा सकें।

काइनैटिक ग्रीन ने हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे स्थित सूपा प्लांट में अपने'वर्ल्ड इन ए रूम' अभियान का समापन किया है। इससे सामुदायिक भागीदारी, प्लांट स्तर के अभियानों और नेतृत्व विकास के माध्यम से विविधता लाने का उनका संकल्प नजर आता है। इस कार्यक्रम के शीराइजऔर स्किलहर जैसे प्रमुख कार्यक्रम, महिलाओं को नेतृत्व के गुर सिखाते हैं और उन्हें विशेष प्रकार की ट्रेनिंग से लैस बनाते हैं। इसके साथ ही तकनीकी उन्नति को आगे बढ़ा रही महिलाओं को सम्मानित करने के लिए जयश्री फिरोदिया इनोवेशन अवॉर्ड की शुरुआत की गई है। साथ ही पुणे के प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने कार्यक्रम को जोश और आशाओं से भर दिया। यह दर्शाता है कि परिवहन उद्योग का भविष्य कितना उज्जवल और व्यापक है। सुश्री प्रतीक्षा टोंडवालकर (एसबीआई) और सुश्री अंजलि गुलाटी(पीपल कनेक्ट) सहित प्रतिष्ठित वक्ताओं ने प्रतिभा रणनीतियों में दृढ़ता और विविधता पर अपने विचारों से वहां उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। प्रमुख नेतृत्वकर्ताओं में श्री रंजीत कोंडेशन (सीएचआरओ), श्री धीरेंद्र सिंह(निदेशक, आरएंडडी), श्री सुंदरेश्वरन एस (निदेशक, विनिर्माण औरसंचालन) और श्री पंकज शर्मा (अध्यक्ष, 2-व्हीलर बिजनेस) ने इस बात की पुष्टि की है कि विविधता काइनैटिक ग्रीन के सिद्धांतों का अहम हिस्सा है। इससे नवचारों, सस्टेंबल विकास और एक उज्जवल भविष्य का रास्ता तय होता है। प्रबंधन के मध्यम तथा वरिष्ठ स्तर पर भूमिकाओं में महिलाओं की 40 प्रतिशत भागीदारी के साथ काइनैटिक ग्रीन, लिंग समानता को समर्पित है। साथ ही महिलाओं के नेतृत्व में अन्य महिलाओं को भर्ती करना समान अवसरों को सुनिश्चित करता है। सुश्री सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी के नेतृत्व में, काइनैटिक ग्रीन ने ना केवल कंपनी के अंदर महिलाओं की भूमिकाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, बल्कि ई-लूना में 100 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाली एसेंबली लाइन भी तैयार की है। इससे लिंग समानता और विनिर्माण में इनोवेशन को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता झलकती है। महिलाओं को सशक्त बनाने की काइनैटिक ग्रीन की सोच कंपनी के आंतरिक कार्यप्रणाली से काफी आगे की चीज है। कंपनी चाहती है कि उनके प्लांट में दोपहिया और तीनपहिया वाहनों तथा गोल्फ कार्ट्स एसेंबली लाइन में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंचे। इससे तकनीकी तथा विनिर्माण भूमिकाओं में महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

इसके साथ ही ये कंपनी महिला प्रतिभाओं को नेतृत्व देकर और फाउंडर्स तथा वरिष्ठ लीडर्स से जोड़कर उन्हें सशक्त बना रही है। कॅरियर के वैकल्पिक रास्ते और साल के मध्य में पारदर्शी मूल्यांकन, योग्य महिला लीडर्स को सहयोग प्रदान करता है और उन्हें सम्मानित करता है। काम करने के लचीले घंटे और विविधता तथा योग्यता को महत्व देने वाली भागीदारी की संस्कृति जैसे विकल्पों के माध्यम से यह वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देता है। इसके साथ ही ये कंपनी व्यक्तिगत तथा पेशेवर रूप से महिलाओं को सहयोग देने के लिए स्वास्थ तथा तंदरुस्ती को भी प्राथमिकता देती है।

सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी, को-फाउंडर एवं सीईओ, काइनैटिक ग्रीनकहती हैं, इलेक्ट्रिक वाहनों का आना एक गेम-चेंजर की तरह है जो ना केवल सस्टेंबिलिटी के लिए है बल्कि कार्यबल में भागीदारी को लेकर भी है। ईवी क्षेत्र में क्रांति आने से नए तरह के कौशल और अनोखी सोच की मांग उठने लगी है, जिससे महिलाओं के लिए ऑटोमोटिव और विनिर्माण क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से अवसरों के दरवाजे खुल रहे हैं। काइनैटिक ग्रीन में हम ई-लूना में 100 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाली एसेंबली लाइन और स्किलहर जैसे अभियानों के साथ बदलाव का नेतृत्व करते हुए गर्व का अनुभव कर रहे हैं। इससे महिलाएं रोजगार केंद्रित ट्रेनिंग के साथ एसयूपीए क्षेत्र में सशक्त बन रही हैं। इसके साथ ही अपने साझेदारों के साथ काइनैटिक कम्युनिकेशन लिमिटेड और काइनैटिक इलेक्ट्रिक मोटर्स लिमिटेड एक सुदृढ़ व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जोकि इंटर्नशिप से लेकर लीडरशिप तक की भूमिकाओ में हर स्तर पर नारी प्रतिभा को निखारता है।

अल्पसंख्यक के नाम पर राजनीति ज्यादा खतरनाक

ललित गर्ग

खतरा मन्दिरों, मस्जिदों, गिरजों और गुरुद्वारों को नहीं है। खतरा हमारी संस्कृति को है, हमारी सांस्कृतिक एकता को है, जो हमारी हजारों वर्षों से सिद्ध चरित्र की प्रतीक है। जो युगों और परिवर्तनों के कई दौरों की कसौटी पर खरा उतरा है। कोई बहुसंख्यक और कोई अल्पसंख्यक है, तो इस सच्चाई को स्वीकार करके रहना, अब तक हम क्यों नहीं सीख पाए?

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पहली बार 18 दिसंबर 1992 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा, राष्ट्र निर्माण में योगदान के रूप में चिन्हित कर अल्पसंख्यकों के क्षेत्र विशेष में ही उनकी भाषा, जाति, धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि की सुरक्षा को सुनिश्चित करने एवं समाज को जागृत करने हेतु मनाया जाता है। इस साल थीम 'विविधता और समावेश का जश्न मनाना' है। इसका उद्देश्य भारत के अल्पसंख्यकों की समावेशिता और विविधता को बढ़ावा देना है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि अल्पसंख्यक के अधिकार सिर्फ. आकांक्षाएं नहीं हैं, बल्कि बेहतर भविष्य के लिए लोगों और समुदायों को सशक्त बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अल्पसंख्यकों की परिभाषा दी है कि ऐसा समुदाय जिसका सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक रूप से कोई प्रभाव न हो और जिसकी आबादी नगण्य हो, उसे अल्पसंख्यक कहा जाएगा। भारत में, इस दिन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) द्वारा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। यह दिवस राष्ट्रीय या जातीय, धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों से संबंधित व्यक्तियों के अधिकारों की घोषणा को जीवंतता प्रदान करने का दिवस है। भारत में केंद्र सरकार अल्पसंख्यकों के गैर-भेदभाव और समानता के अधिकारों की गारंटी के प्रयास सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है। इस दिन, देश के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों और मुद्दों पर ध्यान खींचा जाता है। लोग धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने की बात करते हैं।

भारत 'लोकतंत्र की जननी' कहलाता है, यहां के लोकतंत्र को खुबसूरती प्रदान करने के लिये भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है और भाषाई, जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कई उपक्रम एवं प्रयोग करता है। सरकार उन लोगों का गंभीरता एवं समानता से ख्याल रखती है जो अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लोगों सहित उनकी जाति, संस्कृति और समुदाय के बावजूद आर्थिक या सामाजिक रूप से वंचित लोग हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रत्येक राष्ट्र में अलग-अलग जातीय, भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यक समूह होते हैं। भारत में अनेक अल्पसंख्यक समुदाय है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न राज्यों ने अपने-अपने राज्यों में राज्य अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की, जो संविधान और संसद और राज्य विधानमंडलों द्वारा अधिनियमित कानूनों में दिए गए अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा और संरक्षण करते हैं। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस अल्पसंख्यकों के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव को खत्म करने के मकसद से मनाया जाता है। हालांकि, कानूनी रूप से भारत के संविधान में अल्पसंख्यक की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है लेकिन अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए संविधान के कई प्रावधान अनुच्छेद 29, 30 आदि हैं। अल्पसंख्यक शब्द अल्प और संख्यक दो शब्दों से बना है। जिसका मतलब दूसरों की तुलना में कम संख्या होना है। भारत में अल्पसंख्यकों में मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी शामिल हैं। जरूरत है कि अल्पसंख्यकों को नहीं बांटें और सत्य को नहीं ढकें।

लोकतंत्र भारत की आत्मा है और उसकी रगों में लोकतंत्र रचा-बसा है। यहां सभी को समानता से जीने का अधिकार है, जाति, पंथ एवं धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के कल्याण एवं अधिकारों पर बल दिया है तभी उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलती है। अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव के आरोप पर मोदी ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों में धर्म, जाति, उम्र या भू-भाग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। हमारी सरकार लोकतंत्र के मूल्यों के आधार पर बने संविधान के आधार पर चलती है तो पक्षपात का कोई सवाल ही नहीं उठता है। 'सबका' शब्द में सभी अल्पसंख्यक वर्ग को सम्मिलित करने का भाव है, मोदी सरकार ने अपने नए नारे के साथ ये एहसास दिलाने का प्रयास किया है कि अल्पसंख्यक समुदाय का भी विश्वास अर्जित करने के भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। तीन तलाक के विरुद्ध कानून लाकर अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को बहुसंख्यक समाज के महिला के बराबर बताने की कोशिश ऐसा ही प्रयास है।

भारत की माटी ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' का उद्घोष करके सभी प्राणियों के सुखी एवं समृद्ध होने की कामना की है। यहां अल्पसंख्यकों के साथ इसी उद्घोष की भांति उदात्तता बरती जाती है। महात्मा गांधी ने कहा भी है कि किसी राष्ट्र की महानता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है।' इस दृष्टि से आजादी के बाद की सभी सरकारों ने अल्पसंख्यकों के साथ उदात्त एवं कल्याणकारी दृष्टिकोण अपनाया है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों ने अपने स्वार्थों के लिये अल्पसंख्यकों को गुमराह किया है, साम्प्रदायिक उन्माद पैदा किया है। जिससे भारत के लोकतंत्र पर लाल और काले धब्बे लगते गये हैं। इन्हीं संकीर्ण एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति करने वाले दलों ने अल्पसंख्यकों के कल्याण की बजाय उनको वोट बैंक मानकर उनके वास्तविक अधिकारों की अनदेखी की है। ऐसे राजनेताओं ने अल्पसंख्यकों का जीवन खतरे में है, कहकर उन्हें उकसाया है, राष्ट्र की मूलधारा से अलग-थलग करने की कोशिश की है, लेकिन मोदी सरकार ने अल्पसंख्यकों के कल्याण की अनेक बहुआयामी योजनाओं एवं नीतियों को लागू कर इन तथाकथित नेताओं की जुबान पर ताला लगा दिया है। सच कहा जाये तो देश में अल्पसंख्यक खतरे में नहीं हैं, अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति करने वाले खतरे में हैं। भारत विविध संस्कृतियों और समुदायों का देश है, यही इसका सौन्दर्य है। एक या अधिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव और जबरन आत्मसात करने से समृद्ध और ऐतिहासिक संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों का नुकसान हो सकता है जिन्होंने सदियों से भारत में अपनी विरासत संभाली है। विशिष्ट भारतीय समुदायों की सांस्कृतिक रूप से विविध पहचान को केवल अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करके ही बरकरार रखा जा सकता है। भारतीय सामाजिक प्रथाओं में प्रत्येक संस्कृति और धर्म के प्रति सहिष्णु और सर्व-समावेशी रवैया शामिल है। भेदभाव, जबरन आत्मसातीकरण एवं धर्म-परिवर्तन समुदायों को खतरे में डालता है और भारतीय समाज के समग्र सार एवं उसके मूल स्वरूप को प्रभावित करता है। भेदभाव नफरत का सबसे खराब एवं वीभत्स रूप है। लोगों के एक समूह के खिलाफ उनकी भाषाई या सांस्कृतिक मान्यताओं के आधार पर हिंसक कार्रवाई करना किसी व्यक्ति के विवेक के लिए हानिकारक है।

खतरा मन्दिरों, मस्जिदों, गिरजों और गुरुद्वारों को नहीं है। खतरा हमारी संस्कृति को है, हमारी सांस्कृतिक एकता को है, जो हमारी हजारों वर्षों से सिद्ध चरित्र की प्रतीक है। जो युगों और परिवर्तनों के कई दौरों की कसौटी पर खरा उतरा है। कोई बहुसंख्यक और कोई अल्पसंख्यक है, तो इस सच्चाई को स्वीकार करके रहना, अब तक हम क्यों नहीं सीख पाए? देश में अनेक धर्म के सम्प्रदाय हैं और उनमें सभी अल्पमत में हैं। वे भी तो जी रहे हैं। उन सबको वैधानिक अधिकार हैं तो नैतिक दायित्व भी हैं। देश, सरकार संविधान से चलते हैं, आस्था से नहीं। धर्म को सम्प्रदाय से ऊपर नहीं रख सके तो धर्म का सदैव गलत अर्थ निकलता रहेगा। धर्म तो संजीवनी है, जिसे विष के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। वोटों के लिए जिस प्रकार की धर्म की एवं अल्पसंख्यकवाद की राजनीति चलाई जा रही है और हिंसा को जिस प्रकार समाज में प्रतिष्ठापित किया जा रहा है, क्या इसको कोई थामने का प्रयास करेगा? राजनीति का व्यापार करना छोड़ दीजिए, भाईचारा अपने आप जगह बना लेगा, अल्पसंख्यक अपने आप ऊपर उठ जायेगा।

संपादकीय

बदलते अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस की तरफ से ईवीएम को लेकर की जा आपत्ति पर सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को इवीएम का रोना बंद कर, चुनाव नतीजों को कुबूलना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, जब आपको संसद में सौ से ज्यादा सदस्य मिलते हैं तो इसे जीत के रूप में उत्साहित होते हैं। कुछ महीनों बाद जब परिणाम आपके पक्ष में नहीं आए तो पलट कर उन्हें दोष नहीं दे सकते। उन्होंने कहा अगर ईवीएम समस्या है, तो आपको लगातार समस्या होनी चाहिए। एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में अब्दुल्ला ने क्रांगेस के खिलाफ जाते हुए नये संसद भवन की तारीफ की। उनके विचारों से स्पष्ट है कि उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के बीच दरारें आ रही हैं। उन्होंने इंड़िया गठबंधन के तौर पर कांग्रेस की भूमिका पर सवाल करते हुए कहा कि संसद में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के कारण उसे लोक सभा व राज्य सभा दोनों जगह विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी भी मिली है। इस पर दूसरे दल दावा नहीं कर सकते। इससे पहले भी इंड़िया गठबंधन की दो प्रमुख दल सपा व टीएमसी अड़ानी मुद्दे पर कांग्रेस के प्रदर्शन में साथ नहीं आए। मायावती एक देश-एक चुनाव को लेकर सरकार के पक्ष में आ चुकी हैं। उधर गठबंधन में ममता बनर्जी को नेतृत्व की कमान देने जैसी बातें भी जोर-शोर से उठ रही हैं। जिसका समर्थन लालू यादव भी कर चुके हैं। अब अब्दुल्ला के भाजपा के सुर में बोलने को इसी फूट से जोड़ा जा सकता है। भले ही वह इसे अपनी स्वतंत्र सोच का उदाहरण कह रहे हैं। केंद्र सरकार भी विपक्ष द्वारा इवीएम पर उंगली उठाए जाने पर यही दलील देती है। क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़.कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। गठबंधन की राजनीति के अपने कुछ कायदे हैं, कांग्रेस जिनकी अनदेखी करती रही है। उसे बिखरने से बचाने की उम्मीद में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने भी कहा है कि कांग्रेस को नेतृत्व का मोह छोड़ना होगा। अय्यर ने कांग्रेस को आगे बढ़ने के लिए सभी दलों को उचित सम्मान देने की भी सलाह दी। मोदी को चुनौती देने और सरकार के खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एक-जुट रहने के प्रयास कमजोर पड़ते जा रहे हैं। संसदीय चुनाव में इस गठबंधन ने मोदी सरकार को कड़ी टक्कर देकर काफी उम्मीदें बढ़ा ली थी। जो हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तक काफूर हो गई। यदि कांग्रेस ने अपना रवैया नहीं बदला तो सहयोगी दलों की यह अनदेखी उसको भारी पड़. सकती है।

चिंतन-मनन

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे?

यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा।

हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा, बेटा, आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

नीतीश कुमार की यात्रा समाधान या सियासत, पर्दा उठ गया..!

श्रीराम सिंह

जब नीतीश केबिनेट ने 225 करोड़ राशि मुख्यमंत्री के महिला संवाद यात्रा के लिए स्वीकृत किया तब से ये डिबेट शुरू हो गई की इन यात्राओं से किसे क्या मिलेगा. इस यात्रा के पहले भी नीतीश कुमार 14 यात्राएं कर चुके हैं. उनका लोगों के जीवनस्तर पर कितना असर हुआ. इन सभी सवालों का जवाब खोजा जा रहा था इसी बीच नीतीश कुमार ने अपनी पंद्रहवीं यात्रा महिला संवाद यात्रा स्थगित कर दी. अब इस बात को लेकर राजनीतिक गलियारे एयर मिडिया जगत में अलग अलग क्यास और संभावनाओं पर चर्चा छोड़ गई है. 2023 में नीतीश कुमार ने बिहार में अंतिम यात्रा समाधान यात्रा किया था. 5 जनवरी 23 को नीतीश ने पश्चिमी चंपारण जिले से शुरू किया था, जो पटना में खत्म हुई. इस दौरान सीएम ने 28 दिन तक राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा किया और विकास कार्यों का जायजा लिया था. नीतीश की इस यात्रा से जेडीयू कार्यकताओं का जोश आया तो वहीँ महागठबंधन में भी उत्साह बढ़ा. सीएम नीतीश कुमार जहां-जहां गए, वहां जेडीयू नेताओं और कार्यकताओं ने नीतीश के 2024 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री का दावेदार बनने के लिए नारे लगाए और पूरा माहौल बना दिया था. हालांकि, सीएम खुद को पीएम कैंडिडेट मानने से बचने की कोशिश करते दिखे थे. लेकिन जैसे ही नीतीश कुमार ने अपनी पंद्रहवीं यात्रा महिला संवाद का घोषणा किया. पिछली यात्राओं के नफा नुकसान पर डिबेट होने लगा है. आइये जानते हैं नीतीश कुमार की समाधान यात्रा से बिहार की जनता, महागठबंधन, जदयू, भाजपा, एनडीए किसे कितना लाभ हुआ और 2024 के चुनाव में जेडीयू, महागठबंधन, भाजपा या एनडीए को कितना फायदा हुआ. सीएम नीतीश कुमार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले देशभर के विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे रहे. कई राज्यों का दौरान किए और गैरभाजपा दलों को एक छत के निचे लाने में सफल रहे. वही इसके ठीक विपरीत यात्रा पर जेडीयू नेताओं का कहते रहे कि समाधान यात्रा का 2024 चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है. मगर इस यात्रा से पार्टी ने नीतीश कुमार की छवि को सुधारने की कोशिश की. कुछ महीने पहले ही जेडीयू ने बीजेपी का साथ छोड़कर आरजेडी-कांग्रेस और अन्य दलों के साथ सरकार बनाया था. उसके बाद फिर से कानून व्यवस्था, शराबबंदी समेत अन्य मुद्दों पर सवाल उठने लगे थे. भाजपा लगातार बिहार में जंगलराज की वापसी के आरोप लगा रही थी. हलांकी कुछ महीने राजद के साथ सरकार चलाने के बाद छवि बदलने और लोगों को भरोसा दिलाने के लिए ही प्लान किया गया समाधान यात्रा निकालने का. जेडीयू कुछ हद तक इस अभियान में सफल भी हुई. वहीं इसका लोकसभा चुनाव में भी जबरदस्त फायदा हुआ. नीतीश ठीक एक साल के बाद फिर से एनडीए के साथ चले गए. हालांकी उससे ोाहले नीतीश कुमार ने एक सफल रणनीति का बीजारोपण जरूर कर दिया था जो इंडिया गठबंधन का रूप लिया. जिस अभियान में कई नेताओं ने प्रयास करने के बाद थक हार कर उम्मीद छोड़ दिया था उसे नीतीश ने सच कर के दिखाया. नीतीश कीमार की समाधान यात्रा से जनता को कितना फायदा हुआ इस बात से ज्यादा चर्चा यात्रा मे जुटने वाली भीड़ और उसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की उजस्थिति की थी. क्योकि इस भीड़ में नीतीश कुमार और जदयू के भविष्य को स्थायित्व देने वाला वोट दिख रहा था. हर जगह महिलाओं की लंबी कतार और दीवारों पर जीविका योजना के बैनर और पोस्टर बता रहे थे कि नीतीश कुमार के लिए यह योजना काफी अहम है. जीविका योजना के तहत बिहार के ग्रामीण इलाकों में मूल रूप से सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर नीतीश ने महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए सफल प्रयास किया. इस तरह से नीतीश कुमार जीविका दीदियों से मिलने वाले फीडबैक को खासा महत्व देते रहे हैं. बिहार में जीविका योजना से करीब डेढ़ करोड़ महिलाएं जुड़ी हुई हैं. यानि नीतीश कुमार ने होने लिए सबसे मजबूत और सुलझे हुए वोट बैंक का इंतजाम कर लिया है. यही कारण है की पूरी राजनीति इधर से उधर हो जाए और नीतीश कुमार का 15 प्रतिशत वोट टस से मस नहीं होता है. बिहार के ग्रामीण क्षेत्र में देखा गया है कि महिलाओं के जरिए योजना चलाने से हर परिवार तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच आसानी से हो जाता है. बिहार के ग्रामीण इलाके में इसका बहुत असर भी हुआ है. महिलाएं न केवल आर्थिक मोर्चे पर आगे बढ़ रही हैं, बल्कि जीविका के जरिए दहेज प्रथा, शिक्षा और बाकी कई अहम मुद्दों पर सीधा संवाद से सफलतापूर्वक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. हर नीति और रणनीति की सफलता को नीतीश कुमार महिलाओं के माध्यम से आसानी से सफल कर लेते हैं. यात्रा के दौरान हाथों में बैनर और पोस्टर लिए महिलाएं शराब का विरोध और शराबबंदी का समर्थन करती नजर आती हैं. तो वहीं गाना बजाना, नृत्य और नाटक के माध्यम से नीतीश कुमार की नीतियों का मंचन कर उसे सहजता से समझाने में भी सहयोग करती हैं. महिलाएं खुल कर स्वीकार करती हैं, पहले हम घर में बंद थे. बाहर नहीं निकलते थे. कोई हमारी कद्र भी नहीं करता था. अब हम ग्रुप से जुड़ कर काम करती हैं. हमारा सम्मान बढ़ा है और आत्मनिर्भर भी हुए हैं. महिलाओं का कहना है, नीतीश कुमार ने महिलाओ के लिए बहुत कुछ किया है. विकास के लिए महिलाओं का साथ बहुत जरूरी है. महिलाओं

को नीतीश जी के राज में बहुत सम्मान मिला है. जिस तरह नीतीश कुमार 2005 में जब पहली पारी में असफल हुए तो उन्होंने यात्रा के माध्यम से आम लोगों तक अपनी बात और भावनात्मक लगाव का फैसला किया. नीतीश का यह फैसला बड़ा ही सफल रहा. उसके बाद जब जब नीतीश कुमार को लगा की कमजोर पड़ रहे हैं तो यात्रा पर निकल गए. हर यात्रा ने नीतीश कुमार को पिछली बार से ज्यादा मजबूत किया. इस बार भी नीतीश कुमार ने महिलाओं संवाद यात्रा के माध्यम से अपने कोर वोट बैंक को चुस्त दुरुस्त करने का बड़ा ही धाकड़ प्लान बनाया है. यात्रा को स्थगित करना या कहने तो आगे बढ़ा देने के पीछे भी नीतीश की कोई रणनीति होगी. 15 दिसम्बर से नीतीश कुमार ने संभावित यात्रा को स्थगित कर दिया. इसमें कोई सदा संदेश तो नहीं छीपा है? जब जब नीतीश कुमार ने बड़े फैसले लिए हैं तो माहौल जरूर अलग बन जाता है. हलांकी यता स्थगित होने का कारण खरमास बताया जा रहा है. पर जब तिथि पर विचार किया गया उस समय ध्यान नहीं दिया गया! वहीँ कहा जा रहा की 22 दिसंबर के लिए तैयारी शुरू हो चुकी है. खरमास तो तब भी खत्म नहीं हो रहा. यानि कुछ तो है जिसकी पदेदारी है. नीतीश की माया नीतीश ही जाने. खरमास बात कहीं कोई बड़ा राजनीतिक ट्विस्ट तो नहीं होने वाला.

लोक सभा : प्रियंका के पहले भाषण ने जीता दिल

अमरेंद्र कुमार राय

प्रियंका गांधी से लोगों को शुरू से ही बहुत उम्मीदें रही हैं। ऐसे लोगों की कमी नहीं जो मानते थे कि अगर प्रियंका राजनीति में उतरें तो अपनी दादी स्वर्गीय इंदिरा गांधी की तरह अपने सभी राजनीतिक विरोधियों की छुट्टी कर देंगी। वे उनमें इंदिरा गांधी की शक्ल देखते थे। वही आंखें वैसा ही नाक-नक्श; हू ब हू, लेकिन प्रियंका गांधी लंबे समय तक राजनीति में नहीं आई, आई भी तो अपने आप को सिर्फ अमेठी और रायबरेली तक समेटे रहीं।

अब वो दिन भी आया जब प्रियंका गांधी सक्रिय राजनीति में आई। उम्मीद की गई कि वे पार्टी को उत्तर प्रदेश में मजबूत बनाएंगी। उन्होंने कोशिश भी की। सबको पता है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी का ढांचा चरमरा गया है। उसे मजबूत करने की जरूरत है। प्रियंका गांधी ने इस दिशा में पहल भी की। उत्तर प्रदेश में उन्होंने अपनी सक्रियता भी बढ़ाई। लोग उनसे जुड़े भी, लेकिन चुनावों में इसका असर बिल्कुल भी नहीं दिखा। बल्कि यूं कहें कि इसका उलटा हुआ। पिछले विधान सभा चुनावों में पार्टी करीब ढाई प्रतिशत वोटों पर सिमट गई। तब कहा जाने लगा कि प्रियंका को राजनीति में लाने में देर कर दी गई। बाद में तो यह भी चर्चा सुनी जाने लगी कि प्रियंका गांधी राज्य सभा के जरिये संसद में जाना चाहती हैं। हिमाचल में कांग्रेस की जब जीत हुई और सरकार बनी तो चर्चा चली कि प्रियंका वहां से राज्य सभा में जा सकती हैं।

बाद में ऐसी ही चर्चा राजस्थान और तेलंगाना से भी जाने में हुई, मगर यह सब कयासबाजी ही साबित हुई। लोक सभा चुनाव में स्मृति ईरानी लगातार ताल ठोंक रही थीं और अमेठी से राहुल गांधी को चुनाव लड़ने के लिए ललकार रही थीं। वे 2019 में राहुल को अमेठी से हरा चुकी थीं और उनके हौसले बुलंद थे। हालांकि जितने सर्वे हो रहे थे उन सबमें यही दिख रहा था कि राहुल गांधी स्मृति ईरानी पर भारी पड़ रहे हैं, फिर भी राहुल या कांग्रेस ने ये साफ नहीं किया कि वे अमेठी से चुनाव लड़ेंगे ही। आखिर में जब सोनिया ने साफ किया कि खराब स्वास्थ्य के कारण वे चुनाव नहीं लड़ेंगी तो एक बार फिर चर्चा चली कि राहुल अमेठी से और प्रियंका रायबरेली से चुनाव लड़ेंगी, लेकिन आखिर में राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड से चुनाव लड़े। राहुल अमेठी और वायनाड दोनों जगहों से जीते। जब उन्होंने वायनाड छोड़ा तो प्रियंका वहां से चुनाव लड़ीं। वहां से वो चार लाख से ज्यादा वोटों से जीततीं। अभी पिछले हफ्ते ही उन्होंने लोक सभा में अपना पहला भाषण दिया। भाषण अच्छा था। सबने उन्हें सम्मान दिया। पक्ष ने भी और विपक्ष ने भी। उनके भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी कम ही टोकाटोकी की। उनका भाषण काफी संतुलित और तथ्यपरक था। वे पूरी तैयारी से सदन में आई थीं और लिखकर ले आई थीं और उसे पढ़ रही थीं। लोगों ने उनके भाषण की तारीफ की फिर भी लोगों का कहना है कि प्रियंका गांधी जब बिना स्क्रिप्ट के भाषण देती हैं तो वो ज्यादा अच्छा और असरदार होता है। अभी चल रहे संसद के मौजूदा सत्र में लोक सभा में तीन लोगों के भाषण की ज्यादा चर्चा हो रही है। प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रियंका गांधी ने करीब आधे घंटे भाषण दिया, राहुल गांधी ने करीब 26 मिनट जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घंटे भर से ज्यादा। सभी जानते हैं कि मोदी बहुत अच्छा भाषण देते हैं। प्रियंका गांधी भी अच्छा बोलती हैं, लेकिन उनके भाषण की तुलना अभी तक मोदी के भाषण से नहीं हुई थी। राहुल कमजोर वक्ता हैं, ये सभी लोग मानते हैं, लेकिन इस बार संसद में हुए भाषणों में जो तथ्य आये हैं उसने मोदी जी की लोकप्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। संसद टीवी पर उनके भाषण को एक खास समय में सिर्फ 26 हजार लोगों ने देखा, जबकि भाषण के मामले में कमजोर माने जाने वाले राहुल गांधी के भाषण को 86 हजार लोगों ने देखा। इस मामले में तो प्रियंका गांधी इन दोनों से ही बहुत आगे रहीं। उनके भाषण को नरेंद्र मोदी के भाषण से सात गुना ज्यादा लोगों ने देखा। उनके भाषण को एक लाख 89 हजार लोगों ने देखा।

ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री पर लोगों का भरोसा कम हो रहा है। उनकी लोकप्रियता में कमी आ रही है। यही वजह है कि उनका भाषण अच्छा होने के बावजूद उन्हें कम लोगों ने देखा, जबकि विपक्ष के नेता राहुल पर लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। लोग मान रहे हैं क

राहुल भले अच्छा भाषण न देते हों पर वे सच बोलते हैं, दिल से बोलते हैं और लोगों की दिल से भलाई चाहते हैं। इसीलिए उनका भाषण कमजोर होने के बावजूद मोदी से तीन गुना ज्यादा लोगों ने देखा। प्रियंका संसद में पहली बार बोल रही थीं। शायद इस वजह से भी उनका भाषण बहुत ज्यादा लोगों ने देखा। पर इतना तो तय है कि वे एक अच्छी वक्ता हैं। कांग्रेस को लोक सभा में अच्छे हिंदी वक्ता की कमी जो खल रही थी अब उसे पूरा करने के लिए वे आ गई हैं। प्रियंका भले दक्षिण भारत से जीतकर लोक सभा में पहुंची हैं पर इससे उत्तर भारत में कांग्रेस को नया बल मिल सकता है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

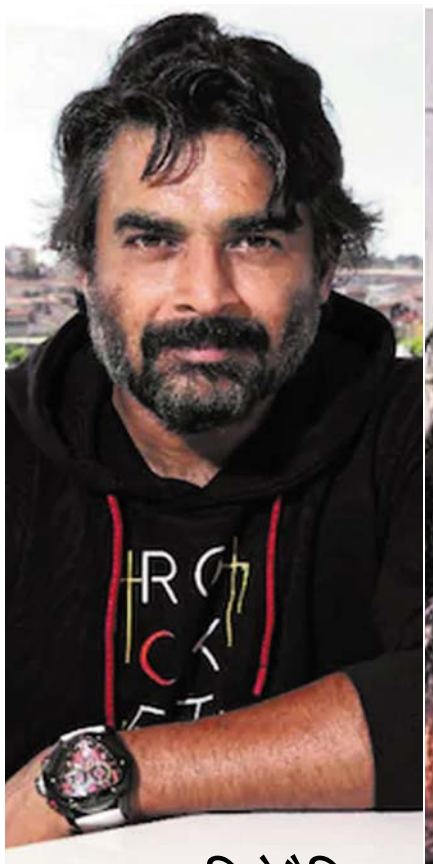

कनगराज सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) की बेंज का हिस्सा नहीं हैं आर माधवन

हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि बक्कियाराज कन्नन द्वारा निर्देशित और राघव लॉरेंस द्वारा मुख्य भूमिका में अभिनीत बेंज में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए आर माधवन को चुना गया है। वहीं, अब खुद आर माधवन ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है और सच का खुलासा किया है।

अभिनेता ने स्पष्ट किया कि वह लोकेश कनगराज सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) की बहुप्रतीक्षित परियोजना का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया था कि आर माधवन को बेंज में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जिन्होंने आखिरी बार अयुथा एजुथु, निशब्दम और शैतान फिल्मों में ग्रे किरदार निभाए थे। यह देखते हुए कि सभी एलसीयू फिल्में जुड़ती हैं, प्रशंसक अभिनेता के ब्रह्मांड में शामिल होने की संभावना से उत्साहित थे। वहीं, अब अभिनेता ने इन खबरों का खंडन किया है।

आर माधवन का पोस्ट

हालांकि, आर माधवन ने एक्स अकाउंट पर पर रिपोर्ट साझा करते हुए स्पष्ट किया कि उन्हें बेंज के लिए संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, अरे, यह मेरे लिए खबर है। यह उतना ही रोमांचक लगता है और मुझे इस तरह के ब्रह्मांड का हिस्सा बनना अच्छा लगेगा। मैं इस खबर से हैरान हूं, क्योंकि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बेंज का निर्देशन नहीं करेंगे लोकेश

बेंज एलसीयू की पहली फिल्म है, जिसे लोकेश निर्देशित नहीं करेंगे। हालांकि, उन्होंने फिल्म की कहानी लिखी है और इसे निर्मित भी कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा इस साल अप्रैल में की गई थी और अक्तूबर में राघव के जन्मदिन पर एप्रन पहने और बंदूक थामे हुए उनका एक टीजर रिलीज किया गया था। लोकेश रजनीकांत के साथ कुली का निर्देशन करने में व्यस्त हैं। माधवन जल्द ही टेस्ट, शंकरा और धुरंधर में अभिनय करेंगे।

धनुष के साथ कानूनी लड़ाई पर नयनतारा ने तोड़ी चुप्पी

नयनतारा ने अपनी नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल में नानम राउडी धान के बीटीएस क्लिप के इस्तेमाल को लेकर धनुष के साथ कानूनी लड़ाई के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि वह और उनके निर्देशक-पति विग्नेश शिवन नानम राउडी धान के निर्माता धनुष के पास अधिकारों के लिए एक दोस्त के रूप में पहुंचे। हालांकि, जब धनुष ने एनओसी देने से इनकार कर दिया तो वे उससे आगे बढ़ गए।

कैसे बढ़ा विवाद

इसके साथ ही नयनतारा ने यह भी बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद कैसे बढ़ा। उन्होंने कहा, इसका कभी भी विवाद बनने का इरादा नहीं था और इसे उस विशेष समय पर प्रदर्शित करने का कभी भी इरादा नहीं था जब हम नेटफ्लिक्स पर अपनी फिल्म रिलीज करने वाले थे। दरअसल, 16 नवंबर को अपनी नेटफ्लिक्स फ़िल्म की रिलीज से दो दिन पहले नयनतारा ने धनुष द्वारा उनकी डॉक्यूमेंट्री में बीटीएस क्लिप के इस्तेमाल को लेकर कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद एक निंदा पत्र लिखा।

ऐसे बिगड़े रिश्ते

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने आपसी संपर्क के जरिए धनुष से इंकार करने का कारण जानने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैंने उनके मैनेजर से बात की, जो मैं आमतौर पर नहीं करती। मैंने उनसे कहा कि अगर आप एनओसी नहीं देते हैं तो कोई बात नहीं। यह उनका फैसला है। यह उनकी फिल्म है, लेकिन मैं उनसे फोन पर बात करना चाहती थी, ताकि समझ सकूं कि मामला क्या है। मैं मामले को स्पष्ट करना चाहती थी। हमें सबसे अच्छे दोस्त होने की जरूरत नहीं थी, लेकिन मैं चाहती थी कि अगर हम भविष्य में एक-दूसरे से मिलें तो कम से कम हाय तो कह सकें।

अभिनेत्री ने आगे कहा ,मुझे डरने की जरूरत नहीं है। साहस सिर्फ सच से आता है। मुझे सिर्फ तभी डरना चाहिए, जब मैं कुछ गढ़ रही हूं। अगर मैं ऐसा नहीं कर रही हूं तो मुझे डरने की जरूरत नहीं है। अगर मैंने अभी नहीं बोला, जब चीजे पहले ही बहुत आगे बढ़ चुकी थीं तो मुझे नहीं लगता कि किसी में फिर कभी अपने लिए खड़े होने की हिम्मत होगी। नयनतारा, विग्नेश शिवन और धनुष के बीच कानूनी लड़ाई अभी भी जारी है।

मैथियास के साथ शादी को लेकर तापसी पन्नू का बड़ा खुलासा

तापसी पन्नू के अपनी शादी को लेकर हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। दरअसल इस साल की शुरुआत में तापसी अपनी शादी की खबरों को लेकर खूब छाईं। उन्होंने एक निजी समारोह में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मैथियास बो से शादी की। मगर इसे लेकर हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि उनकी शादी इस साल नहीं, बल्कि पहले ही हो गई थी। तापसी पन्नू की शादी की खबरें इस साल मार्च में खूब छाईं। मगर हाल ही में एक मीडिया बातचीत में तापसी ने खुलासा किया कि उनकी शादी इस साल मार्च में नहीं, बल्कि बीते साल यानी 2023 में दिसंबर में ही हो गई थी। तापसी पन्नू का कहना है कि उन्होंने पिछले साल दिसंबर में ही अपने बॉयफ्रेंड से शादी कर ली और वे दोनों जल्द ही अपनी शादी की सालगिरह मनाने वाले हैं।

निजी जिंदगी पर चर्चा नहीं पसंद

तापसी ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में उन्होंने पेपर साइन कर आधिकारिक तौर पर शादी की, फिर इस साल मार्च में उन्होंने रीति-रिवाज से शादी की। तापसी पन्नू ने आगे कहा कि लोग उनकी शादी से पूरी तरह अनजान थे। अगर वे खुद नहीं बतातीं तो इस सीक्रेट को भी कोई नहीं जान पाता। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें निजी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद है।

शादी पर बात करना जरूरी नहीं लगा

तापसी पन्नू ने कहा, मैं निजी और प्रोफेशनल लाइफ के बीच एक लकीर खींचकर रखती हूं। मैंने कभी कुछ नहीं छिपाया। मैं मैथियास को 2013 से जानती हूं। मैंने अपनी फिल्मों पर बात की, उनका एलान किया। मुझे अपनी शादी और अपने पति को लेकर एलान करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। तापसी और पूर्व ओलंपिक मेडलिस्ट मैथियास बो की शादी में करीबी और परिवार वाले ही शामिल हुए थे।

मर्दानी बनकर लौट रहीं हैं रानी मुखर्जी

अभिनेत्री रानी मुखर्जी एक बार फिर मर्दानी बनकर बड़े परदे पर लौट रही हैं। खाकी वर्दी में एक बार फिर वह धाक जमाती नजर आएंगी। अभिनेत्री की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी मर्दानी की तीसरी किस्त का आज एलान हो गया है। अभिराज मीनावाला के कंधों पर इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी है। यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा यानी रानी मुखर्जी के पति इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

पॉपुलैरिटी को अहमियत नहीं देती शालिनी पासी

कुछ समय पहले एक शो फैबुलस लाइफ वर्सज बॉलीवुड वाइव्स आया था। इसमें वैसे तो कई बॉलीवुड से जुड़ी सेलिब्रिटी और स्टार वाइफ शामिल रहीं, लेकिन दिल्ली की सोशलाइट शालिनी पासी सबसे ज्यादा खबरों में बनी रही। शो के खत्म होने के बाद उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हो गई। हाल ही में वह बिग बॉस 18 में भी नजर आईं, बिग हाउस में एक दिन प्रतियोगियों के साथ गुजार कर आईं। वहां भी जो बातें शालिनी ने की, वह सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हाल ही में शालिनी पासी ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें अपनी हालिया सफलता पर बात की।

शालिनी ने हालिया दिए गए इंटरव्यू में कहा कि पॉपुलर होना, कड़ी मेहनत का नतीजा होता है। वह नहीं जानती हैं कि उन्होंने कुछ हासिल किया है या नहीं? शालिनी को जो पॉपुलैरिटी मिल रही है, उससे ज्यादा जो लोगों का प्यार मिल रहा है, उन्हें वो पसंद है। वह कहती हैं, 'मुझे दुनिया भर से इतना प्यार मिल रहा है कि यह पॉपुलैरिटी से ज्यादा बेहतर है।'

खुद को सेंसिटिव बताया

शालिनी पासी हाल ही में बिग बॉस 18 में गई थीं, यह शो उनके नेचर से अलग था, इसके बावजूद शालिनी पासी को शो के प्रतियोगी पसंद आए। लेकिन शालिनी का मानना है कि वह झगड़े और शोर के कारण घबरा जाती हैं। वह खुद को बहुत सेंसिटिव इंसान मानती हैं।

पिछले दिनों एक इंटरव्यू में शालिनी ने यह भी बताया कि वह जो कुछ भी कमाती हैं, वह सबकुछ दान कर देती हैं। उनका दान किया हुआ पैसा बिहार के एक गांव में जाता है। साथ ही वह महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी काफी काम कर रही हैं।

आगे के प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया

शालिनी ने एक इंटरव्यू में यह भी कहा था कि उनका मकसद बड़ी-बड़ी पार्टी में शामिल होना नहीं है। वह बहुत कुछ अलग करना चाहती हैं। शालिनी एक ऐसा शो भी बनाना चाहती हैं जो भारतीय संस्कृति को दिखाएगा। हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि लोग कहते हैं कि ऐसे शो को देखने के लिए कम ही दर्शक मिलेंगे, लेकिन मैं भारत को, अपनी संस्कृति को और महिलाओं की शक्ति दिखाने के लिए तैयार हूं।

मस्ती 4 के ऐलान पर विवेक ओबराय ने कहा ब्रोमेंस शुरू हो गया

साल 2004 में रिलीज निर्देशक इंद्र कुमार की सुपरहिट फिल्म मस्ती के चौथे पार्ट की घोषणा कर दी गई है। विवेक ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया।

इस वीडियो में फिल्म निर्माता-लेखक मिलाप जावेरी अपने सह-कलाकार रितेश देशमुख को पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। क्लिप में जावेरी रितेश को किस करने की कोशिश करते हैं और गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस पर विवेक ओबराय ने कैप्शन दिया, मस्ती 4 अब आधिकारिक रूप से एक प्रेम कहानी है...ब्रोमेंस शुरू होता है! पहली फिल्म के बाद 20 साल का पागलपन! माफ करें, मैं लॉन्च पर नहीं आ सका...जल्द ही शूटिंग पर आपसे मिलूंगा। अभिनेता आफताब शिवदासानी ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लैपबोर्ड पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने रितेश और जावेरी के साथ भी एक तस्वीर शेयर की। एक तस्वीर में कलाकार, निर्देशक और दिग्गज अभिनेता जीतेंद्र भी थे। आफताब ने लिखा, पागलपन शुरू हो गया है। अब तक का सबसे मजेदार... हैश टैग मस्ती 4। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित अडल्ट कॉमेडी फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई थी, जिसमें अजय देवगन, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, अमृता राव, तारा शर्मा और जेनेलिया डिसूजा ने अभिनय किया था।

इस फिल्म के दो और सीक्वल थे, ग्रैंड मस्ती, जो 2013 में रिलीज हुई और 2016 में ग्रेट ग्रैंड मस्ती। ग्रैंड मस्ती का निर्देशन भी इंद्र कुमार ने किया था। इसमें वही कलाकार थे, फिर भी यह फिल्म आगे नहीं बढ़ती और यह एक नई किस्त है। फिल्म में ब्रूना अब्दुल्ला, करिश्मा तन्ना, सोनाली कुलकर्णी, कायनात अरोड़ा, मरियम जकारिया और मंजरी फडनिस भी हैं।

ग्रेट ग्रैंड मस्ती की बात करें तो यह एक हॉरर कॉमेडी थी। विवेक, रितेश और आफताब ने पहले दो किस्तों से अपनी भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि, तीसरे भाग में उर्वशी रौतेला, श्रद्धा दास, मिष्टी चक्रवर्ती, पूजा बोस और संजय मिश्रा थे। फिल्म का निर्देशन करने वाले मिलाप इससे पहले शूटआउट एट वडाला, सत्यमेव जयते और मरजावां में काम कर चुके हैं।

सोनू सूद की 'फतेह' में दिखेगा यो यो हनी सिंह का जादू

अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'फतेह' की रिलीज को लेकर एक्साइटेड अभिनेता सोनू सूद फैंस के साथ पल-पल के अपडेट शेयर करते हैं। सूद ने एक पोस्टर शेयर कर फैंस को बताया कि फिल्म के नए गाने 'हिटमैन' में हनी सिंह का जादू दिखेगा। अपकमिंग फिल्म फतेह के तड़क-भड़क म्यूजिक से सजे गाने का टाइटल 'हिटमैन' है और इसमें सोनू सूद का कमाल और रैपर हनी सिंह का स्वैग एक साथ देखने को मिलेगा।

गाने के पोस्टर को शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, खुश होने के लिए तैयार हो जाइए। 'हिटमैन' गाना 17 दिसंबर को रिलीज होगा! फतेह 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। 'हिटमैन' में सोनू सूद के साथ हनी सिंह का शानदार कोलाब देखने को मिलेगा, 17 दिसंबर को आउट होगा! पोस्टर में काले सूट बूट में सोनू सूद के साथ हनी सिंह खड़े नजर आए और दोनों हाथ में राइफल पकड़े हैं। 'हिटमैन' फतेह एल्बम का दूसरा ट्रैक है। इससे पहले, यह बताया गया था कि सिंगर लॉयर कोटलर ने फतेह में कॉल टू लाइफ टाइटल गाने को अपनी आवाज दी, जो कि फिल्म का पहला गाना है। एक्शन फिल्म की सफलता और प्रमोशन को लेकर सोनू सूद ने तैयारी शुरू कर दी।

बुमराह और आकाश दीप ने फॉलोऑन टाला

-ऑस्ट्रेलिया के 445 रनों के जवाब में भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये 252 रन

-राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाये

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 252 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाये थे। इस प्रकार भारतीय टीम बमुश्किल फॉलोऑन से बच सकी है। आज चौथे दिन केएल राहुल 84 और रविन्द्र जडेजा 77 को छोड़कर टीम के प्रमुख बल्लेबाज विफल रहे। अंत में जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप सिंह ने 39 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचाया। भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचने के लिए 246 रनों की जरुरत थी।

आज सुबह तीसरे दिन के 4 विकेट 51 रन के से आगे खेलते हुए भारतीय टीम को राहुल और कप्तान रोहित शर्मा ने आगे बढ़ाने का प्रयास किया। रोहित एक बार फिर असफल रहे और 10 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। रोहित के आउट होने के समय तक भारतीय टीम को का स्कोर 74 रन था। इस प्रकार आधी टीम 74 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद टीम को फॉलोऑन से बचाने के लिए राहुल के अलावा जडेजा ने भी अर्धशतक लगाकर अहम भूमिका निभाई। इन दोनों ने 67 रन की साझेदारी कर टीम को 141 रन तक पहुंचाया। तभी राहुल आउट हुए। नीतीश कुमार रेड्डी ने 16 रन बनाकर टीम को 194 रन तक पहुंचाया। अंत में बुमराह और आकाशदीप ने जरुरी 33 रन बनाकर पारी को फॉलोआन से बचाया।

भारत ने एक समय 7 विकेट पर 194 रन ही बनाये थे। उस समय जडेजा और नीतीश क्रीज पर थे पर तभी ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से 3 विकेट लेकर भारतीय टीम के 9 विकेट 213 रनों पर ही गिरा दिये। ऐसे में बुमराह और आकाश दीप की जोड़ी ने किसी प्रकार टीम को संभालकर फॉलोऑन बचाने के लिए जरुरी रन बनाये। बुमराह और आकाश दीप ने मिलकर 39 रन बनाए। इससे टीम का स्कोर 9 विकेट पर 252 रन हो गया। इसी स्कोर पर दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया।

आकाशदीप और बुमराह ने भारत को फॉलोऑन से बचाया, गंभीर-कोहली खुशी से झूमे

गाबा (एजेंसी)। भारत भले ही इस टेस्ट मैच को न जीत पाए, लेकिन मंगलवार को ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन टीम ने जो हासिल किया, उसके बाद वे विजेता से कम नहीं हैं। चौथे दिन सबसे बड़ा सवाल यह था कि क्या भारत (51/4 स्कोर) फॉलोऑन से बच पाएगा। यह अधिकांश समय असंभव लग रहा था, क्योंकि उनके पास कोई संभावना नहीं दिख रही थी। जब उन्होंने 213 रन पर अपना नौवां विकेट खो दिया तब भी 33 रन पीछे थे। लेकिन जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप के जबरदस्त प्रयास ने भारत को 246 रन के आंकड़े को पार करने में मदद की। इसके बाद गौतम गंभीर और विराट कोहली की शुखी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

बुमराह की बल्लेबाजी की योग्यता पर एक रिपोर्टर द्वारा सवाल उठाए जाने के कुछ घंटों बाद करारा जवाब मिला, भारत के तेज गेंदबाज ने अपनी टिप्पणी को सही ठहराया और 27 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि सबसे बड़ा आश्चर्य उनके जोड़ीदार आकाश दीप से हुआ जिन्होंने 54 गेंदों पर 39 रनों की नाबाद साझेदारी में अधिकांश रन (31 गेंदों पर 27 रन) बनाए, जिससे भारत स्टंप्स तक 252/9 पर पहुंच गया। खेल में केवल तीन सत्र शेष हैं और बुधवार को बारिश की आशंका है, भारत मेलबर्न में 99.9 प्रतिशत जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के साथ 1-1 की बराबरी पर है।

30 से अधिक रनों की जरूरत के साथ संभावना कम थी। जब तक बुमराह ने पैट कमिंस की गेंद पर छक्का लगाकर दर्शकों को उत्साहित नहीं कर दिया। आकाश और बुमराह ने खूब डबल्स बटोरे और शानदार तरीके से जरूरी रन बनाए। एक ओवर बाद जब चार रन बचे थे, आकाश ने स्लिप कॉर्डन के ऊपर से कमिंस को चौका लगाया जिससे भारतीय ड्रेसिंग रूम में उत्साह का माहौल बन गया। हेड कोच गौतम गंभीर तब तक शांत रहे और जैसे ही फॉलोऑल की लक्ष्य रेखा को भारत ने पार किया तो उन्होंने जोरदार जश्न मनाया। विराट कोहली ने हमेशा की तरह आक्रामक हाई-फाइव के साथ उनका साथ दिया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आकाश ने कमिंस की गेंद को लॉन्ग इन पर डीप ओवर में खेलकर भारत के फॉलो-ऑन से बचने का जश्न मनाया जिसे कोहली ने लगभग एक फैनबॉय की तरह देखा और अपनी आंखें चौड़ी करके इसे सराहा। अगली गेंद डॉट होने के बाद खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद दिन का अंत हुआ। पर्थ में जीत के बाद पहली बार भारत ने धैर्य दिखाया है और उम्मीद है कि कल कुछ भी हो, वे इसे जारी रखेंगे। भारत अभी भी 193 रन से पीछे है। निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलिया 26 दिसंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए खुद को कुछ अभ्यास देने के लिए बल्लेबाजी करेगा।

सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स आज से , चिराग और अनमोल खिताब बरकरार रखने उतरेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। पुरुष एकल चैंपियन चिराग सेन और महिला एकल विजेता अनमोल खरब 18 दिसंबर से बेंगलुरु में खेली जाने वाली सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में अपना खिताब बराकरार रखने उतरेंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत इंटर-जोनल टीम स्पर्धाओं से होगी, जबकि व्यक्तिगत टीम स्पर्धा 20 दिसंबर से शुरू होगी। इसमें मौजूदा चैम्पियन अपने-अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

वहीं इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, सीनियर नेशनल चैंपियनशिप घरेलू सर्किट का शीर्ष है और हमारे घरेलू सर्किट में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए, बेंगलुरु में बैडमिंटन प्रशंसकों को अगले सात दिनों में उच्च गुणवत्ता वाले मैच देखने को मिलेंगे और हम युवा खिलाड़ियों के बीच से कुछ नए स्टार खिलाड़ियों के उभरने का इंतजार कर रहे हैं। यह साल का अंतिम बाई टूर्नामेंट होगा। साल 2006-07 में चेतन आनंद द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने के बाद से कोई भी पुरुष एकल खिलाड़ी खिताब बरकरार नहीं रख पाया है। वहीं महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल (2006-07 और 2017-18) की इसी अवधि के दौरान लगातार खिताब जीतने वाली एकमात्र महिला एकल खिलाड़ी रही हैं। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में लक्ष्य सेन को दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु राजावत, दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज, पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट एम. थारुन और बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रणय शेट्टीगर की अगुआई वाली युवा ब्रिगेड से कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

दूसरी ओर महिला वर्ग में, पिछले संस्करण की फाइनलिस्ट तन्वी शर्मा, अनुभवी मालविका बंसोड़, आकर्षि कश्यप, उन्नति हुड्डा, पूर्व चैंपियन अनुपमा उपाध्याय और उभरती हुई रक्षिता श्री अनमोल के लिए कड़ी चुनौती पेश कर सकती हैं। मिश्रित युगल चैंपियन ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो, और महिला युगल में श्रुति मिश्रा और प्रिया देवी कोंजेंगबाम भी अपने खिताब का बचाव करना चाहेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन से फायदा, मंधाना वनडे और टी20 रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी ताजा महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।

बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम मैच में 105 रन की पारी खेली जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रन बनाए। मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान से 13वें जबकि हरलीन देओल नौ स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के नुकसान से पांचवें पायदान पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 48 स्थान की लंबी छलांग के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि रेणुका ठाकुर 28वें से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट दो स्थान के फायदे से 11 स्थान पर हैं। उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला 2-1 से जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

पर्थ में 50 रन बनाने वाली एशलेग गार्डनर 16वें से 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ताहलिया मैकग्रा आठ स्थान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। अनाबेल सदरलैंड 15 स्थान के फायदे से 29वें पायदान पर हैं।

उन्होंने भारत के खिलाफ 110 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। गार्डनर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं जो उनके करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। वह ऑलराउंडर की सूची में भी चौथे से दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप दो स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की चार्ली डीन (दो स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर), नैट स्किवर ब्रंट (एक स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर) और लॉरेन बेल (चार स्थान के फायदे से 21वें स्थान पर) की तिकड़ी को भी फायदा हुआ है। दूसरी तरफ टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में हरमनप्रीत की शीर्ष 10 में वापसी हुई है। जेमिमा वेस्टइंडीज के खिलाफ 73 रन की पारी खेलकर छह स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति दो स्थान के फायदे से दूसरे पायदान पर हैं जबकि टिटास साधु 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन भारत के खिलाफ अर्धशतक जड़ने के बाद 21 स्थान के फायदे से 59वें पायदान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में कियाना जोसेफ (22 स्थान के फायदे से 65वें स्थान) और गेंदबाजी रैंकिंग में करिश्मा रामहरक (छह स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

रोहित, शुभमन और यशस्वी से अधिक है भुवनेश्वर का औसत

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के शीर्ष बल्लेबाजों रोहित शर्मा, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विफल रहे हैं। इससे इनका औसत सीना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से भी कम हो गया है। इस सीरीज में विराट कोहली और यशस्वी जायसवा ने शतक लगाया है पर केएल राहुल के अलावा कोई और बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर पाया है। टीम इंडिया का शीर्ष क्रम विफल रहा है। भुवनेश्वर का बल्लेबाजी औसत सीना देशों में 16 पारियों में 30.61 रहा है। वहीं रोहित का औसत 47 पारियों के बाद 29.20 है। शुभमन गिल का 19 पारियों के बाद 26.72 जबकि यशस्वी जायसवाल का 26.55 है। इसके अलावा भुवनेश्वर के टेस्ट में बल्लेबाजी के आंकड़ों की बात करें तो, उन्होंने भारत के लिए 3 अर्धशतक लगाकर 22.1 की औसत से 552 रन बनाए हैं। भुवनेश्वर ने अब तक भारत के लिए 21 टेस्ट, 121 एकदिवसीय और 87 टी20 मुकाबले खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने 63, एकदिवसीय में 141 तो टी20 में 90 विकेट लिए हैं। भुवी अब टीम इंडिया का हिस्सा नहीं है। भुवनेश्वर ने आखिरी बार टेस्ट मैच 6 साल पहले 2018 में दक्षिण अफ्रीका में जोहानिसबर्ग में खेला था।

प्रधानमंत्री ओर खेलमंत्री ने एशिया कप विजेता भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को बधाई दी

-हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी को दिये दो लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की प्रशंसा करते हुए उसे एशिया कप जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एशिया कप खिताब जीतने पर बधाई दी है। टीम को एशिया कप में बहुत धैर्य और दृढ़ संकल्प के कारण ये जीत मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सफलता हॉकी के प्रति युवाओं में बढ़ते जुनून को भी दिखाती है। उन्होंने टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री के अलावा केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भी टीम की जीत पर बधाई दी। गौरतलब है कि भारतीय हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप के फाइनल में चीन को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता है। ये मुकाबल तय समय तक 1-1 से बराबरी पर था जिसके बाद ये शूटआउट में पहुंचा गया। जिसमें भारतीय टीम को 3-2 से जीत मिली। हॉकी इंडिया (एचआई) ने भी टीम को जीत पर पुरस्कार भी दिये हैं।

हॉकी इंडिया ने इस सफलता के लिए टीम के हर खिलाड़ी को 2 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम की ओर से साक्षी राणा, इशिका और सुनीता टोप्पो ने गोल दागे।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया साइकिलिंग ड्राइव' लॉन्च किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में 'फिट इंडिया साइकिलिंग ड्राइव' को हरी झंडी दिखाई। इस पहल का उद्देश्य साइकिल को परिवहन के एक स्थायी और स्वस्थ साधन के रूप में बढ़ावा देना है। स्टेडियम से रायसीना हिल्स और वापसी तक की तीन किलोमीटर की यात्रा में करीब 500 साइकिल चालक शामिल हुए। इस कार्यक्रम को मांडविया ने रक्षा खडसे, राज्य मंत्री (खेल), सांसद तेजस्वी सूर्या के साथ-साथ पेरिस पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता सिमरन शर्मा, राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीतू घणघस और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार सहित कई अन्य खिलाड़ियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई। मांडविया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' हमने इस कार्यक्रम को 'फिट इंडिया साइकिलिंग मंगलवार' के रूप में लॉन्च किया है लेकिन साइकिल चलाने के शौकीनों की सुविधा के लिए इसे अब रविवार को आयोजित किया जाएगा और इसे 'संडे ऑन साइकिल' कहा जाएगा। खेल मंत्री ने कहा, '' डॉक्टर, पत्रकार, शिक्षक, कॉर्पोरेट पेशेवर और युवा रविवार को नयी दिल्ली के साथ देश के सभी हिस्सों में एक घंटे की साइकिल यात्रा में शामिल होंगे। साइकिल चलाने से पर्यावरण को बड़ा बढ़ावा मिलता है। यह प्रदूषण का कारगर समाधान है और स्थिरता में भी योगदान देता है।'' युवा मामले और खेल मंत्रालय के फिट इंडिया पहल, भारतीय साइकिलिंग महासंघ, 'एमवाई भारत' और विभिन्न खेल प्राधिकरणों के सहयोग से पूरे देश में इस कार्यक्रम का 1,000 से अधिक स्थान पर एक साथ आयोजन हुआ। साइकिलिंग प्रतियोगिताएं भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) के साथ-साथ देश भर के खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) में एक साथ आयोजित की गयी। इसमें 50,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में 423 रनों से हराकर साउदी को दी शानदार विदायी

हैमिल्टन (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम को मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में 423 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में जीत के लिए 658 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम चायकाल से पहले केवल 234 रनों पर ही आउट हो गयी। इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर पाये। स्टोक्स को तीसरे दिन ही गेंदबाजी के दौरान ही बायीं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, इस कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाये थे।

ये मेजबान न्यूजीलैंड की रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2018 में श्रीलंका को 423 रन से ही हराया था। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने अपनी तेज गेंदबाज टिम साउदी को जीत के साथ विदायी दी है। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट आठ विकेट से और दूसरा 323 रन से जीता था। इस हार से इंग्लैंड की क्लीन स्वीप की उम्मीदें भी टूट गयी। आज इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 18 रन से आगे खेलना शुरू किया पर उसके बल्लेबाज मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये।

तीसरे विकेट के लिए जो रूट 54 और जैकब बेथेल 76 ने 104 रन की साझेदारी की पर इनके आउट होने के बाद टीम ढ़ह गयी। गुस एटकिंसन 43 और ओली पोप 17 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद विकेट लगातार गिरते रहे और न्यूजीलैंड की जीत पर मुहर लग गई। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 347 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 143 रन ही बनाए। इस तरह कीवी टीम को पहली पारी में 204 रन की बढ़त मिली थी। इसके बाद दूसरी पारी में केन विलियमसन 156 की पारी के बल पर न्यूजीलैंड ने 453 रन बनाए थे।

अब मैं फैन बनकर क्रिकेट देखूंगा : टिम साउथी ने रिटायरमेंट होने पर कही यह बात

हैमिल्टन (एजेंसी)। अपने विदाई टेस्ट में 423 रनों से जीत के बाद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने अपने दोस्तों, परिवार और टीम के सभी साथियों को धन्यवाद दिया, जो 17 साल से अधिक समय से उनकी यात्रा का हिस्सा थे। साउथी अब एक प्रशंसक के रूप में खेल देखने के लिए उत्सुक हैं। साउथी के लिए विदाई टेस्ट यादगार रहा। कीवी टीम ने इंग्लैंड को 658 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे इंग्लैंड ने 423 रनों से गंवा दिया। साउदी ने पहली पारी में 23 रनों की पारी खेलते हुए तीन तीन छक्के लगाए थे। लेकिन वह 100 टेस्ट छक्कों के आंकड़े तक पहुंचने से सिर्फ दो कदम पीछे रह गए। अंतिम पारी में उन्हें बेन डकेट और जैकब बेथेल के विकेट मिले।

मैच के बाद की प्रस्तुति के दौरान, साउथी ने कहा कि इंग्लैंड को श्रृंखला जीतने पर बधाई। हमेशा की तरह आज भी मैंने शानदार भावना से खेला। मैंने वर्षों से खेलने का आनंद लिया है। इस अवसर पर मैं कुछ लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 17 वर्षों में उतार-चढ़ाव के दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हमेशा साथ दिया। साथ ही सहयोगी स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहूंगा। प्रशंसकों को भी। प्रशंसकों के सामने आना हमेशा अच्छा होता है, और इस सप्ताह सेडॉन पार्क में भारी भीड़ के सामने खेलना बहुत खास रहा। अब मैं एक प्रशंसक के रूप में मैच देखने के लिए उत्सुक रहूंगा। साउदी ने 776 अंतर्राष्ट्रीय विकेटों के साथ खेल से संन्यास लिया है। वह सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कीवी गेंदबाज हैं। साउथी ने 391 टेस्ट विकेट हासिल किए, जो रिचर्ड हैडली (431 विकेट) के बाद किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक विकेट है। टी20 इंटरनेशनल में वह 164 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 221 एकदिवसीय विकेटों के साथ, वह काइल मिल्स (240 विकेट) और डैनियल विटोरी (297 विकेट) के बाद, कीवीज के लिए एकदिवसीय मैचों में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह निचले क्रम के एक सक्षम बल्लेबाज भी थे, जिन्होंने 394 मैचों में 14.11 की औसत और 8 अर्द्धशतकों के साथ 3,288 रन बनाए। इनमें से अधिकांश रन टेस्ट में आए, जिसमें 15.48 की औसत से 2,245 रन बने, जिसमें 7 अर्द्धशतक शामिल थे। टेस्ट में उन्होंने 98 छक्के लगाए हैं। ऐसा कर वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले प्लेयरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की है।

वेस्टइंडीज टीम के सभी प्रारूपों के कोच बने डैरेन सैमी

पोर्ट ऑफ स्पेन । क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के निदेशक माइल्स बैसकॉम्ब ने डैरेन सैमी को वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के सभी प्रारुपों का कोच नियुक्त किया है। वह अप्रैल 2025 में वर्तमान टेस्ट कोच आंद्रे कोले का स्थान लेंगे।

सीमित ओवर कोच डैरेन सैमी सभी प्रारूपों के लिए कोच बनाये जाने पर कहा, 'किसी भी प्रारुप में, किसी भी पद पर वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए हमेशा से सम्मान की बात है। हालांकि इस खबर की कल्पना मैंने भी नहीं की थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कोच बनूंगा, लेकिन जिस तरह से अभी तक चीजे सामने आयी हैं उससे मुझे इस काम से प्यार हो गया है। मैं अपनी नई भूमिका, नई यात्रा के लिए भी उत्साहित हूं।' सैमी के कोचिंग कार्यकाल में मई 2023 से वेस्टइंडीज ने 28 में से 15 एकदिवसीय मैच जीते हैं। उन्होंने इस दौरान सात में से चार द्विपक्षीय सीरीज जीते हैं। वहीं टी-20 की बात करें तो टीम ने भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार घरेलू सीरीज जीती है। ओवरऑल उन्होंने इस दौरान 35 में से 20 टी-20 मैच जीते हैं।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति हावियर मिलेई को दी गई इटली की नागरिकता, जॉर्जिया मेलोनी घिरीं

रोम, एजेंसी। इटली की सरकार ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति हावियर मिलेई को देश की नागरिकता देने का एलान किया है। इटली का यह फैसला मिलेई की इतालवी विरासत के चलते लिया गया है। हालांकि, अर्जेंटीना और इटली के विपक्षी दलों ने इस कदम का विरोध शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि हावियर मिलेई के दादा-दादी इटली से अर्जेंटीना चले गए थे। इसी लिहाज से इटली की जॉर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली सरकार ने मिलेई को उनकी विरासत के लिए नागरिकता प्रदान की। हालांकि, इस निर्णय का इटली के कई राजनीतिक दलों ने विरोध किया है।

खासकर देश की नागरिकता नीति के विरोधियों का कहना है कि जहां देश छोड़कर जाने वाले लोगों को विरासत के आधार पर नागरिकता दी जा रही है, वहीं देश में ही जन्मे अप्रवासियों के बच्चों को ही नागरिकता से वंचित रखा जा रहा है। इटली की विपक्षी लिबरल पार्टी के नेता रिकार्डो मागी ने कहा कि इटली के लाखों लोगों को नागरिकता के लिए वर्षों तक नौकरशाही को झेलना पड़ता है। वे लोग यहीं पर रहते हैं, पढ़ते हैं, काम करते हैं और टैक्स देते हैं। लेकिन मिलेई से उलट उन्हें नागरिकता के लिए मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं।

इटली में क्या हैं नागरिकता के नियम?

इटली के मौजूदा कानून के मुताबिक, विदेशी नागरिकों को इटली की नागरिकता पाने के लिए 10 साल तक वहां रहना जरूरी है। यहां तक कि इटली में विदेशी माता-पिता से जन्मे बच्चों को भी 18 वर्ष की उम्र तक नागरिकता आवेदन के लिए रुकना पड़ता है। ऑक्सफैम इटालिया समेत कई संगठनों ने फ्रांस और जर्मनी की तर्ज पर इटली में इस वेटिंग पीरियड को कम करने की मांग उठाई है। हालांकि, इटली की जॉर्जिया मेलोनी सरकार ने ऐसे किसी भी बदलाव का सख्त विरोध किया है।

अमेरिका से 18 हजार भारतीयों को निकालेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। चुनाव के वक्त कड़ी आव्रजन नीतियों का एलान कर चुके डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ के बाद सबसे पहले अवैध प्रवासन पर काम करेंगे। इसकी तैयारी में अमेरिकी आव्रजन-सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने निर्वासन के लिए लगभग 15 लाख लोगों की सूची तैयार की है। इनमें से करीब 18 हजार भारतीयों को भारत निकालने का खतरा है।

अमेरिकी सरकार ने भारत पर गैर-मददगार होने का आरोप लगाया है। आईसीई ने निर्वासन प्रक्रिया में मदद नहीं करने वाले 15 देशों की सूची बनाई है, जिन्हें 'गैर मददगार' कहा जाता है। इनमें भारत का नाम भी है। आसीई के डाटा के मुताबिक, अमेरिका में रह रहे करीब 18 हजार भारतीय अवैध कागजी कार्रवाई की लंबी प्रक्रिया में फंस गए हैं। इसमें 3 वर्ष का वक्त लग सकता है। एजेंसी

आईसीई के मुताबिक, पिछले 3 सालों में अमेरिकी सीमा में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में 90 हजार भारतीयों को पकड़ा गया है। इन प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा पंजाब, गुजरात और आंध्र प्रदेश से रहा है। एशियाई देशों में अवैध घुसपैठ को लेकर चीन शीर्ष पर है। भारत इस मामले में 13वें नंबर पर है।

अक्तूबर में अमेरिका ने अवैध रूप से देश में रह रहे भारतीयों को निर्वासित करने के लिए एक चार्टर्ड उड़ान का इस्तेमाल किया था। गृह सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, 22 अक्तूबर को भारत के सहयोग से एक उड़ान भारत भेजी गई। अमेरिका में हजारों बगैर कानूनी दस्तावेज के रहने वाले भारतीय अपनी स्थिति को वैध बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से कई को आईसीई से मंजूरी मिलने में वर्षों लग गए हैं।

फैशन टाइकून इसाक एंडीक की दुर्घटना में मौत

मद्रिद, एजेंसी। फैशन टाइकून के नाम से विख्यात स्पेन की प्रमुख फैशन कंपनी मैंगो के संस्थापक इसाक एंडिक की एक दुर्घटना में निधन हो गया है, यह जानकारी कंपनी ने शनिवार को दी। मैंगो के सीईओ टोनी रुइज़ ने एक बयान जारी कर एंडिक की विरासत को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को सराहा।

जारी बयान में कहा गया इसाक एंडिक ने अपना जीवन मैंगो को समर्पित किया। उनकी रणनीतिक सोच, प्रेरक नेतृत्व और कंपनी के प्रति उनकी अडिग प्रतिबद्धता ने गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने यह भी कहा उनकी विरासत सिर्फ एक व्यावसायिक सफलता नहीं, बल्कि उनके मानवीय गुणों, देखभाल और स्नेह का भी प्रतीक है, जिसे उन्होंने हमेशा पूरी टीम को दिया। रुइज़ ने कहा कि एंडिक के निधन से एक बहुत बड़ा शून्य रह गया है और यह सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी कि मैंगो उस परियोजना के रूप में आगे बढ़े, जिसे इसाक ने हमेशा अपनी आकांक्षाओं और गर्व से जोड़ा था।

दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट! राष्ट्रपति यून पद से हटाए गए

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद सभी की निगाहें संवैधानिक कोर्ट पर टिकी हैं, जो राष्ट्रपति यून सूक योल के महाभियोग पर अंतिम फैसला लेगा. यून को निलंबित कर दिया गया है जबकि प्रधानमंत्री कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहे हैं. नेशनल असेंबली ने शनिवार को राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया. यह प्रस्ताव पिछले हफ्ते मार्शल लॉ लागू करने के लिए उनके खिलाफ लाया गया था.

योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक अब कोर्ट के पास यह फैसला लेने के लिए 180 दिन का समय है कि संसद के उस फैसले को मंजूरी दी जाए या नहीं. जिसके तहत या तो यून को पद से हटाया जाएगा या उन्हें पद पर बहाल किया जाएगा. राष्ट्रपति के खिलाफ आखिरी महाभियोग 2016 में हुआ था, जब तत्कालीन राष्ट्रपति पार्क ग्यून-हे को उनकी सीट से हटा दिया गया था.

पार्क के लिए नेशनल असेंबली के अनुरोध को मंजूरी देने में कोर्ट को 91 दिन लगे. दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति रोह मू-ह्यून के मामले में, न्यायालय ने 63 दिनों के विचार-विमर्श के बाद 2004 में संसद के महाभियोग के अनुरोध को खारिज कर दिया था. यदि यून पर महाभियोग लगाया जाता है, तो दक्षिण कोरिया को उनके पद से हटने के दो महीने के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना होगा. तब तक, प्रधानमंत्री हान डक-सू कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम करेंगे. बता दें कि, राष्ट्रपति यून ने मंगलवार (03 दिसंबर) रात को आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की, लेकिन बुधवार को संसद द्वारा इसके खिलाफ मतदान किए जाने के बाद इसे निरस्त कर दिया गया. मार्शल लॉ कुछ घंटों के लिए ही लागू रहा. हालांकि चंद घटों के लिए लागू हुए मार्शल लॉ ने साउथ कोरिया की राजनीति में भूचाल ला दिया.

महाभियोग प्रस्ताव पास, अब क्या?

महाभियोग प्रस्ताव पास होने के बाद अब इसे कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा। अगर 9 में से 6 जज राष्ट्रपति के खिलाफ फैसला सुनाते हैं तभी आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। महाभियोग शुरू होने के 60 दिनों के भीतर चुनाव कराने होते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री के हाथ में राष्ट्रपति की शक्तियां होती हैं।

गाजा में शरणार्थी शिविर पर इस्राइली हमला, 22 लोगों की मौत

यरुशलम, एजेंसी। गाजा में शनिवार को इस्राइली हमले में 22 लोगों की मौत हो गई। हमला स्कूल में चल रहे शरणार्थी शिविर पर किया गया, जहां एक फलस्तीनी फोटो पत्रकार समेत 18 लोगों की मौत हो गई। जबकि गाजा सिटी में हुए एक अन्य हमले में 4 लोग मारे गए। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 10 लोग दीर अल-बलाह के निकाय भवन में मारे गए, वहां पर सभी लोग राहत सामग्री लेने के लिए पहुंचे थे। हमले के बाद लगभग एक दर्जन घायलों को लोग नजदीकी अस्पताल ले गए। वहीं, दूसरी तरफ इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि मारे गए लोग शरणार्थियों की आड़ में छिपे हुए हथियारबंद लड़ाके थे। बता दें कि सात अक्टूबर 2023 से जारी इस्राइली हमलों में अब तक लगभग 44 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी ने राहत सामग्री भेजनी भी बंद कर दी है, जिसके चलते गाजा में फलस्तीनियों के सामने भुखमरी संकट खड़ा हो गया है।

ट्रम्प की लाइब्रेरी को 15 मिलियन डॉलर देगा एबीसी न्यूज : चैनल के एंकर ने रेप का दोषी बताया था

अब वकील की फीस भी भरनी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्रेसीडेंट लाइब्रेरी को न्यूज चैनल एबीसी न्यूज ने 15 मिलियन डॉलर देने पर राजी हो गया है। ट्रम्प ने एबीसी न्यूज के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। एबीसी न्यूज के एंकर जॉर्ज स्टेफानोपोलोस ने लाइव टीवी पर दावा किया था कि ट्रम्प को लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ बलात्कार के मामले में दोषी करार दे दिया गया है। जॉर्ज ने ये दावा 10 मार्च को अपने शो 'दिस वीक' में किया था। शनिवार को इस मामले से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए गए। इसके मुताबिक एबीसी न्यूज अपनी वेबसाइट पर एक पोस्ट कर माफी मांगेगा और जो दावा उसने किया था उसके लिए खेद जताएगा। इसके साथ ही ट्रम्प के वकील को 1 मिलियन डॉलर की फीस भी देगा। एबीसी न्यूज ने पोस्ट करते हुए समझौते के बदले मुकदमा खारिज करने पर खुशी जताई है।

कैरोल के साथ यौन उत्पीड़न के दोषी हैं ट्रम्प

डोनाल्ड ट्रम्प को 2023 में में न्यूयॉर्क मैगजीन की लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ यौन शोषण का दोषी पाया गया था। कैरोल ने आरोप लगाया था कि ट्रम्प ने 1996 में उनके साथ यौन शोषण और बलात्कार किया था। हालांकि जूरी ने अपने फैसले में ट्रम्प के सिर्फ यौन शोषण का दोषी करार दिया था। इसके लिए ट्रम्प पर 5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भी लगा था।

इससे पहले ट्रम्प ने कैरोल के लेकर दिए एक बयान में कहा था कि वो उनके टाइप की नहीं है। एक दूसरे बयान में ट्रम्प ने आरोप लगाया कि कैरोल ने यौन शोषण को लेकर झूठ बोला था। ट्रम्प के इस बयान के बाद कैरोल ने उन पर मानहानि का मुकादमा किया था।

पोर्न स्टार के संबंध बनाने के दोषी हैं ट्रम्प

डोनाल्ड ट्रम्प के इस साल 30 मई को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल के साथ संबंध बनाने और पैसे देकर चुप कराने के आरोप में दोषी करार दिया गया था। दोषी पाए जाने के बाद ट्रम्प ने अगस्त में फेडरल कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप करने के लिए कहा था। इसके बाद फेडरल कोर्ट ने मामला वापस न्यूयॉर्क कोर्ट में भेज दिया था। न्यूयॉर्क की कोर्ट में ट्रम्प ने सजा को रद्द करने के लिए याचिका लगाई थी। हालांकि ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई को अनिश्चितकाल के टाल दिया है।

कभी मैनचेस्टर सिटी के लिए खेले फुटबॉल, अब संभालेंगे जॉर्जिया की कमान

तब्लीसी, एजेंसी। जॉर्जिया के सत्तासीन दल जॉर्जियन ड्रीम पार्टी ने मिखाइल कवेलशविली को देश का नया राष्ट्रपति नियुक्त किया है। एक फुटबॉलर से एक धुर-दक्षिणपंथी नेता बने कवेलशविली की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब जॉर्जिया में अक्तूबर में हुए चुनावों को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। चुनाव में लोगों ने घूसखोरी से लेकर दो बार वोटिंग की घटनाओं तक के आरोप लगाए हैं। कवलेशविली अपनी पार्टी में राष्ट्रपति पद के इकलौते उम्मीदवार रहे। शनिवार को इस पद के लिए उन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया। हालांकि, कवलेशविली के चुने जाने के बाद जॉर्जिया में विपक्ष ने संसद का बहिष्कार करने का फैसला किया है। विपक्षी सांसदों ने अपने इस फैसले के पीछे अक्तूबर में लगे धांधली के आरोपों का हवाला दिया।

जॉर्जिया में क्या रहे चुनावी नतीजे

जॉर्जिया में सात साल पहले एक संविधान संशोधन के बाद चुनावों का तरीका बदला गया था। इस साल अक्तूबर में हुए चुनाव में रूस समर्थक जॉर्जियन ड्रीम पार्टी को 53.9 फीसदी वोट मिले थे। उसने संसद की 150 में से 89 सीटें हासिल कीं। इस चुनाव में हुई वोटिंग के बाद विपक्ष ने राजधानी तब्लीसी में प्रदर्शन किया था। विपक्षी दलों का आरोप था कि चुनाव में धांधली हुई है। दूसरी तरफ दो अमेरिकी सर्वे एजेंसियों ने भी इन चुनाव नतीजों में गड़बड़ियों के संकेत दिए। चौंकाने वाली बात यह है कि 26 अक्तूबर को चुनावी नतीजे आने के बाद से ही जॉर्जिया में हर दिन प्रदर्श जारी हैं। हालांकि, सरकार ने जब यह एलान किया कि वह यूरोपीय संघ के साथ जाने की वार्ता को 2028 तक के लिए टाल रही है, तब यह प्रदर्शन उग्र हो गए। इसके जवाब में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले से लेकर पानी की बौछारों तक का इस्तेमाल किया है। वहीं 400 से ज्यादा गिरफ्तारियां भी हुई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कवेलशविली 1990 के दौर में प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर रह चुके हैं। उन्होंने 2022 में ही जॉर्जियन ड्रीम पार्टी के दो सांसदों के साथ मिलकर पीपुल्स पावर नाम का समूह शुरू किया था। यह समूह अपने पश्चिम विरोधी एजेंडे के लिए काफी चर्चित रहा है।

लोगों ने फुटबॉल खेलकर किया विरोध

बताया गया है कि जॉर्जिया में राष्ट्रपति के लिए वोटिंग से ठीक पहले बड़ी संख्या में लोग संसद के बाहर प्रदर्शनों के लिए जुटे। बर्फबारी के बावजूद इन लोगों ने फुटबॉल खेला और संसद की तरफ रेड कार्ड दिखाया। यह कवेलशविली के पिछले करियर को देखते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन का नया तरीका था।

अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड एक्सचेंज ऑफर का समापन, ऋण पुनर्गठन, नई प्रतिभूति हासिल करने में मिलेगी मदद

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका ने अपने अंतर्राष्ट्रीय सॉवरेन बॉन्ड एक्सचेंज ऑफर के सफल समापन की घोषणा की है, जिसमें 98 प्रतिशत बॉन्डधारकों ने भाग लिया। यह कदम देश को अपने ऋण का पुनर्गठन करने और नई बॉन्ड प्राप्त करने में मदद करेगा। श्रीलंका ने यह घोषणा शुक्रवार को की गई, जो 14.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण पुनर्गठन समझौते के कुछ दिनों बाद आई है, जिसे पिछले शासन में तय किया गया था। इस समझौते के तहत मौजूदा बॉन्ड के बदले नए बॉन्ड जारी किए जाएंगे और यह कदम आईएमएफ द्वारा कर्ज स्थिरता बनाए रखने के लिए जरूरी था।

श्रीलंका के राष्ट्रपति और वित्त मंत्री अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस उच्च भागीदारी को एक विश्वासमत के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि इस विनिमय में बाजार प्रतिभागियों की बड़ी भागीदारी यह दिखाती है कि सरकार की योजना में विश्वास है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय हितधारकों से उच्च भागीदारी को एक विश्वासमत के रूप में सराहा। उन्होंने कहा हम अपने अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय बॉन्डधारकों से इस विश्वास को देखकर बहुत प्रसन्न हैं। पिछले कुछ साल श्रीलंकाई जनता के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं, लेकिन हमारे सामूहिक

प्रयास अब फल दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा इस ऋण विनिमय का कार्यान्वयन, जो दो वर्षों की गहन वार्ता का परिणाम है। श्रीलंका को पर्याप्त ऋण राहत प्रदान करेगा। इससे हमारे विकास और सामाजिक योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए अल्प और मध्यम अवधि में संसाधन मिलेंगे और हमारे सार्वजनिक वित्त की दीर्घकालिक स्थिरता बहाल होगी। उन्होंने कहा कि आज हम अपने इतिहास का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं और कई वर्षों के संकट के बाद एक नया रास्ता चुन रहे हैं। जानकारी के अनुसार आईएमएफ ने श्रीलंका को 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा प्रदान की है।

थाईलैंड के टाक प्रांत में बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत, 39 घायल

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के टाक प्रांत में एक वार्षिक उत्सव के दौरान हुए बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, 39 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी राज्य के स्थानीय अधिकारियों ने दी। प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस विस्फोट में मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पैतोंगटार्न ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को घटना की शीघ्र जांच करने, अपराधियों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने का आदेश दिया है।

साथ ही, अधिकारियों को सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगामी सभी त्योहारों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने का निर्देश दिया है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में, थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत सोंगखला में एक पार्क के पास सड़क किनारे हुए विस्फोट में दो स्कूली बच्चों सहित आठ लोग घायल हो गए थे। घायलों में एक जिला सहायक प्रमुख, एक रक्षा स्वयंसेवक और ग्रामीण भी शामिल थे। थाई सेना के रीजन 4 फॉरवर्ड कमांड ने फरवरी में कहा था कि उनका मानना है कि दक्षिणी विद्रोहियों ने उस समय डिवाइस में विस्फोट किया जब एक पिकअप ट्रक उस स्थान से गुजरा।

यह विस्फोट थाई सेना और विद्रोहियों के समूह के बीच झड़प के बाद हुआ। इसके बाद नाराथिवात प्रांत के एक पहाड़ पर सुरक्षा बलों ने पांच संदिग्ध दक्षिणी विद्रोहियों को मार गिराया। झड़प के बाद, सेना की दक्षिणी कमान के प्रवक्ता ने विद्रोही समूहों की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी। थाईलैंड के मुख्यतः मलय-मुस्लिम जातीय बहुल याला, पट्टानी और नाराथिवात प्रांतों में अलगाववादी विद्रोह ने 2004 से अब तक लगभग 7,000 लोगों की जान ले ली है। थाई सरकार शांति के लिए कई विद्रोही समूहों के साथ बातचीत कर रही है।

ट्रंप की धमकियों पर मेक्सिको की राष्ट्रपति ने कहा - हम मेक्सिकन लोगों के स्वागत के लिए तैयार हैं

मेक्सिको सिटी , एजेंसी। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहाकि अमेरिका में स्थित मेक्सिको के वाणिज्य दूतावास अपने नागरिकों के लिए कानूनी सहायता को और बेहतर करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें उनके अधिकारों और निर्वासन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मिले। उन्होंने कहा कि हम मेक्सिको में मेक्सिकन लोगों के स्वाग्त के लिए तैयार हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, शुक्रवार को प्रेसिडेंट शीनबाम का यह बयान, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगातार दी जा रही सामूहिक निर्वासन की धमकियों के जवाब में आया।

ट्रंप ने अवैध इमीग्रेशन को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए मेक्सिको की आलोचना की है। शीनबाम ने ने दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, (नागरिकों) को मेक्सिको वापस भेजने के नियम हैं। ऐसा नहीं है कि पुलिस उन्हें रोकती है और फिर उसी दिन उन्हें बॉर्डर पर भेज देती है। ऐसे मानक और नियम हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए, और उन्हें बिना किसी कारण के निर्वासित नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, हम संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने वाणिज्य दूतावासों की क्षमता को मजबूत कर रहे हैं और कानूनी सहायता के स्तर में सुधार कर रहे हैं। सरकार वाणिज्य दूतावासों के लिए संपर्क जानकारी प्रदान करेगी, ताकि मैक्सिकन नागरिक निर्वासन के मामले में सहायता प्राप्त कर सकें। शीनबाम ने कहा, हम मेक्सिको में मेक्सिकन लोगों का स्वागत करने के लिए हैं और उन्हें निर्वासित किए जाने की स्थिति में उनकी जरुरत की हर चीज तैयार कर रहे हैं।

इससे पहले नवंबर में, राष्ट्रपति शिनबाम ने प्रवासियों के संभावित बड़े पैमाने पर निर्वासन के लिए चिंता व्यक्त की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनके पदभार संभालने के बाद ऐसा हो सकता है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक शीनबाम ने कहा, यदि निर्वासन होता है, तो हम मैक्सिकन लोगों को स्वीकार करेंगे, और हमारे पास इसके लिए एक योजना है।

हर दिन बदलती थी लोकेशन फिर पकड़ी गई निकिता सिंघानिया?

बेंगलुरु)। इंजीनियर अतुल सुभाष के आत्महत्या के सनसनीखेज मामले में मुख्य आरोपित पत्नी निकिता सिंघानिया ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हर दिन अपनी लोकेशन बदली थी। वह उसकी तलाश कर रही बेंगलुरु पुलिस के सर्विलांस रडार से दूर रहने के लिए वाट्सएप कॉल ही करती थी। लेकिन उसने गलती से अपने एक रिश्तेदार को अपने फोन से कॉल कर दिया और पुलिस की गिरफ्त में आ गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जब आरोपितों को पता चला कि कर्नाटक पुलिस उनको गिरफ्तार करने आ रही है तो उन्होंने जौनपुर स्थित अपने घर पर ताला लगा दिया। इसके बाद पुलिस ने घर की दीवारों पर नोटिस चिपकाकर उनको तीन दिन के भीतर पेश होने को कहा। लेकिन जैसे ही निकिता ने अपने एक रिश्तेदार को फोन से काल की, पुलिस सतर्क हो गई।

पुलिस ने निकिता से की लंबी पूछताछ

टावर की लोकेशन के आधार पर पुलिस गुरुग्राम पहुंची। निकिता रेल विहार इलाके में एक पीजी में छिपी थी, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। जब पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपनी मां और भाई को फोन मिलाया। पुलिस ने उनकी लोकेशन हासिल की और उनको झूंसी से पकड़ लिया। पुलिस ने बेंगलुरु ले जाते समय उनसे नौ घंटे तक पूछताछ की।

मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत दस राज्यों में शीतलहर, 13 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के 13 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी और जम्मू-कश्मीर समेत 10 राज्यों में मंगलवार को कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में 12 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। भोपाल में 53 साल बाद में दिसंबर महीने में सोमवार रात 3.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ज्यादा ठंड रही। इससे पहले 1971 में 3.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। राजस्थान में शेखावाटी के फतेहपुर में पारा माइनस में रहने का अनुमान है। फतेहपुर में सोमवार को न्यूनतम तापमान -1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। बर्फबारी और तापमान गिरने से जम्मू-कश्मीर में शीतलहर जारी है। श्रीनगर में मंगलवार सुबह पारा माइनस 4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जिससे कई जगह फव्वारों में भरा पानी जमने लगा। पेड़-पौधों पर भी ओस जम गई। दिल्ली में दिसंबर में चौथी बार तापमान 5 डिग्री से नीचे गया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में 5वीं तक स्कूल प्रदूषण और ठंड के चलते बंद कर दिए गए हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना में भी तापमान में कमी आ रही है। आंध्र, तमिलनाडु में आज भी बारिश का अलर्ट है।

महाकुंभ 2025 को लेकर रेलवे ने लिया फैसला, जनरल कोच के यात्री फी करेंगे यात्रा

नई दिल्ली। महाकुंभ 2025 में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने एक प्रस्ताव रखा है। कुंभ में शामिल होने वाले जनरल कोच के यात्रियों के लिए यात्रा को मुफ्त करने पर विचार किया जा रहा है। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 के बीच प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। रेलवे के मुताबिक इस दौरान रोजाना पांच लाख से ज्यादा यात्री जनरल कोच में सफर करेंगे। रेलवे की योजना है कि कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को प्रयागराज से 200-250 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए टिकट खरीदने की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के यात्रियों को दी जाएगी। जो यात्री 250 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय करना चाहते हैं, उन्हें ट्रेन में ही टीटीई से टिकट लेना होगा। कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को इस स्थिति में जुर्माना नहीं लगेगा। महाकुंभ में भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे 3 हजार विशेष ट्रेनें चलाएगा। ये ट्रेनें कुंभ के 45 दिनों के दौरान 13 हजार से ज्यादा फेरे लगाएंगी। रेलवे के इस फैसले का मुख्य उद्देश्य कुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन को आसान बनाना और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का अनुभव कराना है। महाकुंभ 2025 में रेलवे का यह कदम श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा और यात्रा को सुगम बनाएगा।

पारिवारिक मित्र के अंतिम संस्कार में शिरकत करने महाबलेश्वर पहुंचे थे राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाबलेश्वर के निजी दौर पर थे। बात दें कि राहुल गांधी यहां पारिवारिक मित्र के अंतिम संस्कार में शिरकत के लिए गए थे। राहुल गांधी शाम को पुणे पहुंचे, वहां एक होटल में रुके और सुबह मुंबई के मशहूर आंखों की बीमारी के जानकार डॉ बुर्जोर पी बानाजी के बेटे रेयान बी बानाजी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए महाबलेश्वर के लिए रवाना हुए, जिनका पिछले दिनों खेल के मैदान में मौत हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 35 वर्षीय रेयान का कुछ दिन पहले निधन हो गया था, जब वह पुर्तगाल के लिस्बन में एक रग्बी टूर्नामेंट खेलने गए थे। इस महीने की शुरुआत में एक खेल के दौरान रेयान को दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। रियान का पार्थिव शरीर परिवार के पैतृक शहर महाबलेश्वर पहुंचा। राहुल गांधी रविवार रात को नई दिल्ली से पुणे पहुंचे और वहां से अंतिम संस्कार के लिए महाबलेश्वर पहुंचे। सबसे पहले राहुल गांधी बनजी के घर गए और उनके माता-पिता डॉ बुर्जोर और पत्नी जीनल, रेयान की विधवा रोशनी दादाचंजी और शोक में डूबे परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नाना पटोले ने पद से इस्तीफा देने की जताई इच्छा, आलाकमान करेगा फैसला

नागपुर। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने अपने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जाहिर की है और अब पार्टी आलाकमान इस पर फैसला करेगा। पत्रकारों से बातचीत में पटोले ने कहा कि राज्य विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल का नेता आज चुना जाएगा। पटोले ने पिछले हफ्ते साफ कर दिया था कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। पटोले ने कहा कि कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी मंगलवार शाम को शहर पहुंचेंगे और राज्य विधानसभा में पार्टी नेता का चुनाव किया जाएगा।

नड्डा का कांग्रेस पर हमला, पाक अधिकृत कश्मीर नेहरु की सबसे बड़ी गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। संविधान की यात्रा पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि यदि हम वेद और पुराने शास्त्रों को देखने पर उनमें सभा, समिति, संसद जैसे शब्दों का प्रयोग हुआ है। यह इस बात को बताता है कि चर्चा, बहस जैसी चीजें हमारी संस्कृति में रही हैं। राज्यसभा में नेता सदन नड्डा ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में हमें अजंता एलोरा, कमल के फूल की छाप मिलती है। कमल का फूल इस बात को प्रतिलक्षित करता है कि हम कीचड़ में से निकल करके आजादी की लड़ाई लड़कर नई सुबह के साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि यदि पिछले 75 साल की यात्रा पर बात करें तब पता लगता है कि बाबा साहब अंबेडकर कितने दूरदर्शी थे। देश को जोड़ने का काम तब के गृहमंत्री सरदार पटेल को दिया गया। उन्होंने 562 रियासतों को जोड़ा। एक जम्मू कश्मीर की रियासत का जिम्मा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लिया था। तब जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 लगाया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि संसद द्वारा पारित किए गए 106 कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। तभी जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आर्टिकल 370 का विरोध किया था। जनसंघ के नेता मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चल सकते है। उन्होंने बलिदान दिया और श्रीनगर की जेल में संदिग्ध स्थिति में उन्होंने अंतिम सांस ली।

नड्डा ने कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से आए व्यक्ति भारत में प्रधानमंत्री और उप प्रधानमंत्री बने। इसमें मनमोहन सिंह, आई के गुजराल और लाल कृष्ण आडवाणी शामिल थे। लेकिन पीओके से आया हुआ व्यक्ति जम्मू कश्मीर की पंचायत का चुनाव तक नहीं लड़ सकता था, यह आर्टिकल 370 की देन थी। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 को इतिहास बना दिया गया। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि उनकी सूझबूझ के कारण आज जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया। नड्डा ने कहा कि अगले वर्ष 25 जून 2025 को आपातकाल लगाने के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इस दिन को लोकतंत्र विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कांग्रेस यदि आपातकाल को गलत मानती है तब कांग्रेस भी इसमें शामिल हो, इस बात का हम आह्वान करते हैं।

विपक्ष पर हमलावर नड्डा ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर आपका योगदान है। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत की 38,000 वर्ग किलोमीटर भारत भूमि कब्जा कर ली, क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने रक्षा तैयारियों की अनदेखी की थी।

पंजाब के इस्लामाबाद में जोरदार धमाका! बाल-बाल बची लोगों की जान

- खालिस्तानी आतंकी हैप्पी के करीबी गैंगस्टर ने ली हमले की जिम्मेदारी!

अमृतसर। अमृतसर के थाना इस्लामाबाद में रात 3:15 पर एक जबरदस्त ब्लास्ट होने के बाद पुलिस ने तत्काल थाने के गेट बंद कर लिए। ब्लास्ट में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन मौके पर तनाव महसूस किया जा रहा है। खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पसिया के करीबी गैंगस्टर जीवन फौजी ने सोशल मीडिया पर अपनी जिम्मेदारी ली है और इस घटना के पीछे अपना नाम जोड़ रखा है। जीवन फौजी ने दावा किया है कि वह पंजाब पुलिस के अनुवाद के खिलाफ बदला चाहते हैं। पुलिस कमिश्नर ने एक वीडियो में बताया कि उन्होंने आवाज सुनी थी और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने भी चेतावनी जारी की है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमलों की संभावना है। इस घटना के पीछे का सच सामने आने के लिए आगे की जांच जारी है। लोगों में घबराहट और खौफ बन रहा है जबकि सुरक्षा बारें में ज्यादा जानकारी की मांग की जा रही है। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी एनआईए ए पहले ही पंजाब पुलिस को अलर्ट कर चुकी है जिसमें एनआईए द्वारा भेजी गई एक रिपोर्ट में साफ किया गया है कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमले की साजिश हो रही है और पुलिस को तर्क रहने की जरूरत है रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खालिस्तानी आतंकी 1984 में इस्तेमाल किए गए डेड ड्रॉप मॉडल की तर्ज पर हमला करेंगे जिसे लेकर केंद्र की सुरक्षा जनसंख्या पूरी तरह से हाई अलर्ट पर है और पंजाब पुलिस को भी अलर्ट रहने की चेतावनी दी गई थी।

जॉर्जिया में जहरीली गैस से 11 भारतीयों की दर्दनाक मौत, बेडरूम में मिली सभी की लाश

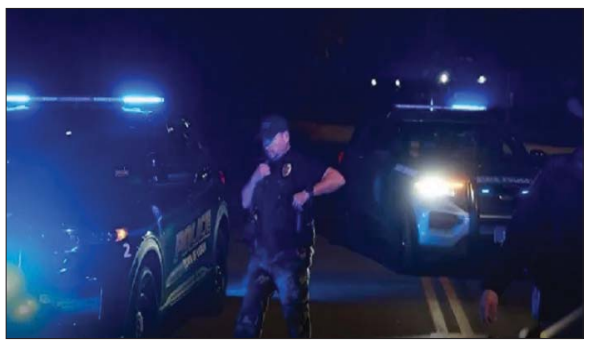

*** शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के सबूत नहीं मिले**

नई दिल्ली (एजेंसी)। जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के एक रेस्तरां में 11 भारतीय नागरिक की मौत हो गई। इसकी जानकारी भारतीय मिशन ने दी। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के संकेत नहीं मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड से हुई है। भारतीय मिशन ने यहां जारी एक बयान में शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मिशन ने कहा कि मारे गए भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और मामले में हरसंभव सहायता दी जाएगी।

इससे पहले भारतीय मिशन ने कहा था कि सभी 12 मृतक भारतीय नागरिक थे। सभी मृतक उक्त भारतीय रेस्तरां में बतौर कर्मचारी काम कर रहे थे और उनके शव दूसरी मंजिल पर शयन कक्षों में पाए गए। सूत्रों ने बताया कि जान गंवाने वाले लोग उत्तर भारत से ताल्लुक रखते थे। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि मृतकों में 11 विदेशी हैं जबकि एक जॉर्जियाई नागरिक है।

पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह लापरवाही से जुड़ी मौत का मामला है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक शयन कक्षों के पास एक बंद स्थान में विद्युत जनरेटर रखा गया था, जिसे संभवतः शुक्रवार रात विद्युत आपूर्ति बंद होने के बाद चालू किया गया था। इसने बताया कि मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक जांच भी की जा रही है।

संभल पर राजा भैया की दो टूक: बोले पत्थर मारने से फैसले नहीं पलटते

लखनऊ (एजेंसी)। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान प्रशासन पर पत्थरबाजी और हमले के बाद भड़की हिंसा पर यूपी विधानसभा में भी चर्चा कराने की मांग उठ रही है। इस मौके पर जनसत्ता दल के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सपा के सदस्यों पर ही सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संभल पर जो विपक्ष के नेताओं ने दलील दी है, वह गले उतरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि पत्थरबाजी गलत थी और उसी के कारण हिंसा भड़की। संभल हालात बिगड़ने की वजह सर्वे नहीं था बल्कि प्रशासन पर हमला था।

राजा भैया ने कहा कि यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जो सर्वे हुआ है, वह न्यायालय के आदेश पर था। मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या पत्थर चलाने से अदालत का निर्णय बदल जाता है। इसका तरीका यही है कि आप ऊपरी अदालत में जाएं और वहां फैसले को चुनौती दें। लेकिन प्रशासन पर पत्थर मारे गए और पुलिसकर्मी घायल हुए। यहां किसी ने भी पुलिस वालों के बारे में एक शब्द नहीं कहा। यह ठीक उसी तरह था, जैसे 22 साल के रामगोपाल मिश्र की बहराइच में हत्या हुई। यह निर्मम कत्ल था, उसके नाखून तक निकाल लिए गए। उसका अपराध क्या था कि उसने अपने धर्म का झंडा लगा दिया गया।

सपा नेताओं की ओर से कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की जीत को लूट बताने पर भी राजा भैया बोले। उन्होंने कहा कि इनका कहना था कि कुंदरकी में 65 फीसदी मुसलमान थे और यदि तब भी रामबीर सिंह जीते हैं तो यह मतों की लूट थी। अब यदि इसी बात को पूछ लें कि क्या जहां 65 फीसदी हिंदू हैं, वहां मुसलमान को जीतना नहीं चाहिए। क्या यह धरती का आश्चर्य है कि यदि 65 फीसदी मुसलमान है तो फिर हिंदू कैसे जीत गया। उन्होंने कहा कि जीते हुए मेंबर को लुटेरा कहना आपत्तिजनक है। क्या यह तय मान लिया जाए कि जहां हिंदू अधिक हैं, वहां हिंदू ही जीतना चाहिए।

क्या जहां हिंदू ज्यादा हैं, वहां मुसलमान नहीं जीतना चाहिए?

पीएम मोदी के पोस्ट से तिलमिलाया बांग्लादेश, भूल गया एहसान

-1971 का दर्द भूलकर अत्याचार करने वालों के साथ हो गया खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में चारों तरफ हिंसा का माहौल है। वह भारत से भी रिश्ते खराब कर रहा है। विजय दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर की पोस्ट से बांग्लादेश तिलमिला उठा है। बांग्लादेशी विधि सलाहकार आसिफ नज़रुल ने पीएम मोदी की पोस्ट पर आपत्ति जताई है और कहा मैं पीएम मोदी की पोस्ट का कड़ा विरोध करता हूं। 16 दिसंबर, 1971 बांग्लादेश का विजय दिवस था। भारत इस विजय में सहयोगी था, इससे ज़्यादा कुछ नहीं। बता दें भारत ने बांग्लादेश की आजादी में मदद की थी। यह बात सब जानते हैं लेकिन अब नया बांग्लादेश इन बातों को भूल गया है और जिस देश ने उसपर अत्याचार किए थे उसके साथ खड़ा हो गया है।

बता दें पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा था-आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं, जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया था। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंकित रहेगा।

मंत्रिमंडल में जगह न मिलने से नाराज हुए छगन भुजबल, बड़े कदम की आहट

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में एनसीपी नेता छगन भुजबल को मंत्रिमंडल में जगह न मिलने के बाद सियासी हलचल है। भुजबल ने अपनी नाराजगी खुले तौर पर जाहिर कर कहा, 'जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना। नागपुर सत्र छोड़कर भुजबल नासिक लौट गए, जहां उन्होंने अपने समर्थकों और समता परिषद के नेताओं से विचार-विमर्श की बात कही। भुजबल का कहना है कि जब वे राज्यसभा जाना चाहते थे, तब पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया और अब विधानसभा का सदस्य होने के बावजूद राज्यसभा सीट की पेशकश करना ठीक नहीं। भुजबल ने कहा कि यह उनके क्षेत्र के मतदाताओं के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने उन्हें जीतकर विधानसभा भेजा है।

राज्य में ओबीसी राजनीति के बड़े नेता भुजबल ने महायुति के पक्ष में ओबीसी वोटों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मराठा आरक्षण के दौरान उन्होंने मनोज जरांगे पाटिल के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाई थी, इसके बाद उनका ओबीसी समाज में कद और मजबूत हुआ था। हालांकि, एनसीपी के भीतर उनकी अनदेखी और राज्यसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को भेजने पर वे पहले भी नाराजगी जता चुके हैं। भुजबल के इस रुख के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वह जल्द ही कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि भुजबल अंततः राज्यसभा पर राजी हो जाएंगे। दूसरी ओर, उनके समर्थक लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर भुजबल जैसे अनुभवी नेता को क्यों दरकिनार किया जा रहा है?

भुजबल की नाराजगी के चलते महायुति के भीतर समीकरण बिगड़ने की आशंका है। ओबीसी समाज में उनकी पकड़ मजबूत है और उनके अगले कदम से महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो सकता है। भुजबल ने राज्य के ओबीसी समाज के लिए काम करने वाली समता परिषद की बैठक बुलाई है, जहां उनके अगले कदम पर चर्चा की जाएगी।

प्रियंका के फिलिस्तीन वाले बैग की पाकिस्तान में जमकर हो रही तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के फिलिस्तीन लिखे बैग की पाकिस्तान में जमकर तारीफ हो रही है।पाकिस्तान सरकार में पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने प्रियंका गांधी की तारीफ की है। उन्होंने यह तक कह दिया कि इतना हिम्मत पाकिस्तान की संसद में कोई नहीं दिखा सका। चौधरी ने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जवाहरलाल नेहरू की पोती से और क्या उम्मीद कर सकते हैं? प्रियंका गांधी ने बौनों के बीच में अपना ऊंचा कद दिखाया है। शर्म की बात है कि अब तक किसी भी पाकिस्तानी सांसद ने ऐसी हिम्मत नहीं दिखाई। धन्यवाद।

खास बात है कि नई दिल्ली में फिलिस्तीन दूतावास प्रमुख आबिद अलरजाक अबू जाजर ने पिछले हफ्ते प्रियंका गांधी से मुलाकात कर कांग्रेस नेता को केरल के वायनाड से उनकी हालिया चुनावी जीत पर बधाई दी थी।

इधर, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने आश्चर्य जताया कि वह क्या संदेश देना चाहती थीं। उन्होंने दावा किया, प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन फिलिस्तीन लिखा बैग के साथ एक फैशन स्टेटमेंट बनाना चाहती हैं। इस पर प्रियंका ने जवाब दिया कि सरकार को बांग्लादेश सरकार से बात कर अत्याचार रोकने चाहिए।भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था, जहां तक गांधी परिवार के सदस्यों की बात है, यह कुछ नया नहीं है। नेहरू से लेकर प्रियंका वाड्रा तक गांधी परिवार के सदस्य तुष्टिकरण का बैग लेकर घूमते हैं...। उन्होंने कभी भी अपने कंधों पर देशभक्ति का बैग नहीं टांगा। यह बैगेज ही उनकी हार के पीछे की वजह है।

मेरा राजनीतिक कॅरियर गांधी परिवार से शुरु हुआ और उन्हीं के द्वारा खत्म भी

-मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब में किया जीवन से जुड़ी बातों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने एक किताब लिखी है। जिसमें उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन से जुड़ी बातों का जिक्र किया है। अपनी आगामी किताब ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स पर मणिशंकर अय्यर ने कहा कि मेरे राजनीतिक करियर की शुरुआत गांधी परिवार से हुई और खात्मा भी उन्हीं के द्वारा हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले दस सालों से सोनिया गांधी से उनकी मुलाकात नहीं हुई है। राहुल गांधी से मिलने का मौका नहीं मिला और प्रियंका गांधी से फोन पर बातचीत होती है।

अय्यर ने एक साक्षात्कार में कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के साथ अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक अनुभव शेयर किए। उनकी किताब ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स में अय्यर ने बताया कि दस साल में एक बार भी निजी तौर पर सोनिया गांधी से मिलने का मौका नहीं मिला, जबकि राहुल गांधी से सिर्फ एक बार ही मिले हैं। अपनी किताब में अय्यर ने नरसिम्हा राव के समय, यूपीए-1 में मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल और उसके बाद के पतन का जिक्र भी किया है। उन्होंने खासतौर से यूपीए-2 के पतन की यादें किताब में लिखी है।

अय्यर ने 2014 के आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी के खराब प्रदर्शन का भी जिक्र किया और कहा कि यह एक नुकसानदेह कदम था। 1984 में 404 सीटों से 2014 में 44 सीटों पर गिरने तक कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने माना कि अगर 2012 में प्रणब मुखर्जी को पीएम बनाया गया होता, तो 2014 की हार शायद इतनी शर्मनाक नहीं होती। उन्होंने अंदेशा जताया कि मनमोहन सिंह की जगह पर राष्ट्रपति का पदभार संभालने से प्रणब मुखर्जी की ऊर्जा और करिश्माई नेतृत्व कांग्रेस पार्टी और सरकार दोनों के लिए सकारात्मक साबित हो सकता था।

उन्होंने बताया कि 2013 में कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ कई आरोप लगे, जो कभी कानूनी रूप से साबित नहीं हो सके। अय्यर ने कहा कि सरकार और पार्टी मीडिया के सवालों का सही ढंग से जवाब देने में सक्षम नहीं रही, जिससे विपक्ष के आरोपों ने उनके भरोसे पर चोट की है। कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला और अन्ना हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन ने सरकार के चुनावी संभावनाओं पर संकट ला खड़ा किया था। उनका मानना है कि इन सभी घटनाओं ने पार्टी की सार्वजनिक छवि को धूमिल कर दिया और 2014 में चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने गांधी परिवार द्वारा अपने राजनीतिक करियर के खात्मे का जिक्र करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ऐसा ही होता है...मुझे पार्टी से बाहर रहने की आदत हो गई है। मैं अब भी पार्टी का सदस्य हूं। मैं कभी भी इसमें बदलाव नहीं करूंगा और मैं निश्चित रूप से बीजेपी में नहीं जाऊंगा।